{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 18 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 30 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 203
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG

हिन्दी दैनिक

संसेक्स - 78,493.54
निफ्टी - 24,353.55
सोना - 1,54,200
चांदी - 2,65,000
डॉलर - 92.39

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

गूगल ने किए 17 लाख अकाउंट सस्पेंड

नई दिल्ली। टेक कंपनी गूगल ने 2025 में भारत में 48.37 करोड़ नियमों का उल्लंघन करने वाले विज्ञापनों को हटाया या ब्लॉक किया है। इसी दौरान कंपनी ने अपने एआई प्लेटफॉर्म जेमिनी की मदद से 17 लाख एडवरटाइजर अकाउंट्स भी सस्पेंड किए हैं। गूगल की 2025 एड्स सेफ्टी रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। गूगल की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लोबल लेवल पर कार्रवाई और भी बड़े पैमाने पर हुई है। पिछले साल दुनिया भर में 8.3 बिलियन यानी 830 करोड़ से ज्यादा खराब विज्ञापनों को हटाया गया। इसके साथ ही 2.49 करोड़ एडवरटाइजर अकाउंट्स को भी सस्पेंड किया गया है। कंपनी का दावा है कि हटाए गए कुल विज्ञापनों में से 99 प्रतिशत को यूजर्स के देखने से पहले ही रोक दिया गया था।

थानेदार को 20 साल की कैद

दौसा। दौसा जिले की पॉक्सो कोर्ट ने चार वर्षीय मासूम बच्ची से दुष्कर्म के मामले में राजस्थान पुलिस के बर्खास्त सब इंस्पेक्टर भूपेन्द्र सिंह यादव को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपी पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है, जिसे पीड़िता को दिया जाएगा। साथ ही पीड़िता को तीन लाख रुपये प्रतिकर राशि देने की सिफारिश की गई है। जानकारी के मुताबिक, वर्ष 2023 का यह मामला राहुवास थाना क्षेत्र से जुड़ा है। उस समय सब इंस्पेक्टर भूपेन्द्र सिंह यादव चुनाव ड्यूटी पर तैनात थे। उन्होंने चार वर्षीय बच्ची को टॉफी देने का लालच देकर अपने कमरे में बुलाया और फिर उससे दुष्कर्म किया।

अशोक खरात केस के अहम गवाह की रोड एक्सीडेंट में मौत, विपक्ष ने उठाए सवाल

नासिक। कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोपी नासिक के ढोंगी ज्योतिषी अशोक खरात मामले के एक अहम गवाह की सड़क हादसे में मौत हो गई है। समृद्धि महामार्ग पर हुए भीषण हादसे में इस मामले के महत्वपूर्ण गवाह डॉ। जितेंद्र शेलके की जान चली गई। इस दुर्घटना में उनकी पत्नी अनुराधा शेलके की भी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, डॉ। शेलके शनिवार दोपहर अपने परिवार के साथ छत्रपति संभाजीनगर से शिर्डी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान धोत्रे गांव के पास उनकी कार सड़क किनारे खड़े एक कंटेनर से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सीधे कंटेनर के नीचे घुस गई और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद काफी समय तक कार कंटेनर के नीचे फंसी रही।

कुछ ना कहना

एनडीए के 12 साल के शासनकाल में पहली बार संसद में दिखी विपक्ष की एकता...

महिला आरक्षण बिल : विपक्ष की जीत

महिला आरक्षण बिल के पक्ष और परिसीमन के विरोध में एकजुट विपक्षी, दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर पाई सरकार -मोदी सरकार पहली बार बिल पास कराने में नाकाम, बिल 54 वोट से गिरा...पक्ष में 298, विपक्ष में 230 वोट पड़े

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल से जुड़ा 131वां संविधान संशोधन बिल संसद में गिर गया। लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन संशोधन विधेयक पर व्यापक चर्चा के बाद अब इस महत्वपूर्ण बिल पर शुक्रवार शाम को वोटिंग हुई। कुल 528 सदस्यों ने मतदान किया, जिसमें 298 सांसदों ने इस विधेयक के समर्थन में मतदान किया, जबकि 230 सांसदों ने इसके विरोध में वोट डाला। इस तरह बहुमत के आंकड़े 352 से बिल 54 वोट से गिर गया। जिसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा को शनिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया है। 11 साल के शासन में यह पहला मौका जब मोदी सरकार सदन में कोई बिल पास नहीं करा पाई। इससे पहले अमित शाह ने एक घंटा स्पीच दी थी। कहा था कि अगर ये बिल पास नहीं होते हैं तो इसकी जिम्मेदारी विपक्ष की होगी। विपक्ष अगर वोट नहीं देगा तो बिल गिर जाएगा। देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनकी राह का रोड़ा कौन है। इन संशोधित बिलों पर लोकसभा में 21 घंटे चर्चा हुई। कुल 130 सांसदों ने अपने विचार रखें, इनमें 56 महिला सांसद थीं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि यह विधेयक दो-तिहाई सदस्यों द्वारा पारित नहीं हो सका। अब इस संविधान संशोधन विधेयक पर आगे की कार्यवाही करना संभव नहीं है। दो अन्य विधेयकों के संबंध में आगे की कार्यवाही पर सत्ता पक्ष द्वारा निर्णय लिया जाना है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने से जुड़ा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण विधेयक था। इसी पर यह नतीजा आया है। विपक्ष ने इसमें साथ नहीं दिया। बहुत खेद की बात है। आपने एक ऐतिहासिक मौका गंवा दिया। महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने का हमारा अभियान जारी रहेगा और हम उन्हें अधिकार दिलाकर ही रहेंगे।

आज से इंडिया ब्लॉक के नेताओं का घेराव

महिला आरक्षण से जुड़े तीन बिल मतदान के दौरान गिर गए। इस बिल के लोकसभा में गिर जाने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की महिला सांसदों ने विपक्ष के खिलाफ प्रोटेस्ट किया। संसद के मकर द्वार से यह प्रोटेस्ट शुरू हुआ। अब बीजेपी और एनडीए में शामिल दलों के कार्यकर्ता कल यानी 18 अप्रैल से इंडिया ब्लॉक से जुड़ी पार्टियों के नेताओं के घर के बाहर प्रोटेस्ट करेंगे।

विपक्ष ने कहा- हमने हरा दिया

महिला आरक्षण से जुड़े तीन बिल मतदान के दौरान गिरने के बाद विपक्ष ने कहा कि हमने सरकार को हरा दिया। राहुल गांधी ने कहा कि हमने संविधान पर हुए हमले को हरा दिया है। हमने साफ तौर पर कहा है कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं है, बल्कि यह भारत की राजनीतिक संरचना को बदलने का एक तरीका है। प्रियंका गांधी ने कहा कि यह हमारे लोकतंत्र और हमारे देश की एकता के लिए एक बड़ी जीत है। जैसा कि मैंने अंदर कहा, यह संविधान पर हमला था, और हमने इसे विफल कर दिया है, जो कि एक अच्छी बात है। शशि थरूर ने कहा कि हमने हमेशा कहा है कि हम महिला आरक्षण का पूर्ण समर्थन करते हैं और आज भी इसके पक्ष में मतदान करने को तैयार हैं। हालांकि, इसे परिसीमन से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। एमके स्टालिन ने कहा कि 23 अप्रैल को हम दिल्ली का अहंकार और उस अहंकार का समर्थन करने वाले गुलामों को हराएंगे।

परिसीमन से महिला सशक्तिकरण नहीं- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि परिसीमन से महिला सशक्तिकरण नहीं हो सकता है। राहुल गांधी ने इस दौरान कहा कि पुराना बिल लाइए, हम उसे पास कराएंगे। चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि सरकार देश के ओबीसी भाई-बहनों को ताकत नहीं देना चाहती है, ये एससी-एसटी के अधिकार छीनने की कोशिश है। राहुल गांधी ने कहा कि यह विधेयक देश के चुनावी मानचित्र को बदलने का एक प्रयास है; इसके लिए भारत की महिलाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है और उनकी आड़ ली जा रही है।

जब कानून था ही नहीं तो संशोधन कैसा

महिला आरक्षण बिल को 2023 में लोकसभा और राज्यसभा में पास किया गया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने भी मंजूरी दे दी लेकिन इसके बावजूद यह कानून संविधान का हिस्सा नहीं बना था। क्योंकि कोई कानून तब तक लागू नहीं माना जाता जब तक सरकार राजपत्र (गजट) में उसको लागू करने की तारीख अधिसूचित न कर दे। अब नोटिफिकेशन जारी होने के बाद कानून तो लागू हो गया है लेकिन इसे मौजूदा लोकसभा में लागू नहीं किया जा सकता। कानून के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार, अगली जनगणना और उसके आधार पर परिसीमन (सीटों का पुनर्गठन) होगा। इसके बाद ही आरक्षण लागू किया जाएगा। इस प्रक्रिया के कारण आरक्षण 2034 तक लागू होने की संभावना जताई गई थी।

2023 का महिला आरक्षण बिल 3 साल बाद लागू, आधी रात के नोटिफिकेशन पर विपक्ष का सवाल-

जब कानून था ही नहीं तो संशोधन कैसा

केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून यानी नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को 16 अप्रैल 2026 से लागू कर दिया है। संसद में गुरुवार से ही इसके संशोधन पर 3 दिनों के लिए बहस शुरू हुई। इस बीच आधी रात यह कदम उठाया गया। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, किसी कानून में संशोधन तभी हो सकता है जब वह कानून लागू हो। इसी वजह से इसे पहले लागू किया गया। हालांकि, कानून लागू होने के बावजूद संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण तुरंत नहीं मिलेगा। यह आरक्षण अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू किया जा सकेगा। इस बीच विपक्ष ने सवाल उठाया है कि जब महिला आरक्षण कानून लागू ही नहीं था तो सरकार इसमें संशोधन का बिल कैसे ले आई। महिला आरक्षण बिल को 2023 में लोकसभा और राज्यसभा में पास किया गया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने भी मंजूरी दे दी लेकिन इसके बावजूद यह कानून संविधान का हिस्सा नहीं बना था। क्योंकि कोई कानून तब तक लागू नहीं माना जाता जब तक सरकार राजपत्र (गजट) में उसको लागू करने की तारीख अधिसूचित न कर दे। अब नोटिफिकेशन जारी होने के बाद कानून तो लागू हो गया है लेकिन इसे मौजूदा लोकसभा में लागू नहीं किया जा सकता। कानून के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार, अगली जनगणना और उसके आधार पर परिसीमन (सीटों का पुनर्गठन) होगा। इसके बाद ही आरक्षण लागू किया जाएगा। इस प्रक्रिया के कारण आरक्षण 2034 तक लागू होने की संभावना जताई गई थी।

2011 जनगणना के आधार पर आरक्षण लागू करना चाहती है सरकार

हालांकि, सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कर महिला आरक्षण को 2029 के चुनाव से लागू करना चाहती है। इसके लिए सरकार ने संसद में तीन नए बिल पेश किए हैं। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक, 2026। इन तीन बिलों को पास कराने के लिए सरकार ने 16 अप्रैल से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। सरकार की इसी जल्दबाजी पर विपक्ष सवाल उठा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार नए संशोधन बिल के जरिए परिसीमन करना चाहती है, जिससे दक्षिण के राज्यों को नुकसान होगा।

पंजाब में ईडी ने कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के घर व अन्य ठिकानों पर मारे छापे

लुधियान। पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ईडी के रडार पर आ गए हैं। शुक्रवार सुबह ईडी की टीमों ने मंत्री संजीव अरोड़ा के लुधियाना स्थित आवास और उनसे जुड़े अन्य ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। अचानक हुई इस कार्रवाई से राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक सुबह तड़के ईडी के अधिकारी लुधियाना पहुंचे और संजीव अरोड़ा की कोठी को चारों ओर से घेर लिया। सुरक्षा के मद्देनजर आवास के बाहर भारी संख्या में केंद्रीय पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को तैनात किया गया है, ताकि जांच में किसी भी तरह का बाहरी हस्तक्षेप न हो सके।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक पुराने मामले और जमीन के सौदों में हुई कथित अनियमितताओं के सिलसिले में की जा रही है। बताया जा रहा है कि ईडी की टीमें घर के अंदर दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर

रही हैं हालांकि, अभी तक विभाग की ओर से इस छापेमारी को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि या विवरण साझा नहीं किया है, लेकिन चर्चा है कि आने वाले घंटों में कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। इस कार्रवाई के बाद से ही शहर के सियासी माहौल में भारी गहमागहमी देखी जा रही है। बता दें अभी हाल ही में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल से जुड़े करीब 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें जालंधर, कपूरथला और गुरुग्राम समेत कई ऐसे ठिकाने थे, जहां पर ईडी ने दबिश दी थी।

हरिवंश तीसरी बार बने उपसभापति

नई दिल्ली। हरिवंश नारायण सिंह तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति बने हैं। उन्हें शुक्रवार को निर्विरोध चुना गया हैं। विपक्ष की ओर से कोई नाम नहीं आया था। पहली बार किसी मनोनीत सदस्य को राज्यसभा का उपसभापति चुना गया है। हरिवंश के समर्थन में राज्यसभा सचिवालय को पांच प्रस्ताव मिले। सदन के नेता जेपी नड्डा ने पहला प्रस्ताव रखा, जबकि दूसरा प्रस्ताव नितिन नवीन ने दिया। पीएम मोदी ने कहा कि लगातार तीसरी बार उपसभापति चुना जाना इस बात का प्रमाण है कि सदन को आप पर गहरा भरोसा है। बीते समय में आपके अनुभव का सदन को लाभ मिला है। आपने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। हरिवंश का पिछला कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हुआ था। उनकी पार्टी जदयू ने इस बार नाम नहीं दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने उनका मनोनयन किया। पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के रिटायर होने के बाद सीट खाली हुई थी। इसे भरने के लिए जदयू के हरिवंश को चुना गया। वे 2032 तक राज्यसभा में रहेंगे।

दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी के खिलाफ होगी एफआईआर

लखनऊ । इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर करने का आदेश आदेश दिया है। इसके बाद अब राहुल गांधी की मुश्किल बढ़ गई है। दोहरी नागरिकता के मामले में शुक्रवार को लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। यह मामला निचली अदालत के उस फैसले के खिलाफ है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था।

यूपी सरकार की तरफ से वकील ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई करे। इस पर जज ने मंजूरी दी। कहा कि एफआईआर करके मामले को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाए। अब एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रकरण की जांच सीबीआई करेगी। गौरतलब है कि कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने यह याचिका दाखिल की थी। याची ने लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की उसकी अर्जी खारिज कर दी थी। याची ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और मामले की विस्तृत जांच कराने की मांग की थी। याची ने गांधी के खिलाफ भारतीय नागरिक संहिता, पासपोर्ट अधिनियम, आफिसियल सीक्रेट एक्ट के तहत विभिन्न धाराओं में गंभीर आरोप लगाये हैं। राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में दायर याचिका में उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की विभिन्न धाराओं, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923, पासपोर्ट एक्ट 1967 और फॉरिनर्स एक्ट 1946 के उल्लंघन के मामले बनते हैं। याचिका में कहा गया कि यह सिर्फ नागरिकता का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा है।

मप्र-उप्र और राजस्थान सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, कहा

चंबल नदी में अवैध रेत खनन नहीं रुका तो तैनात करेंगे पैरामिलिट्री फोर्स

नई दिल्ली/मुरैना। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चंबल नदी में अवैध रेत खनन को लेकर सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- अगर राज्य सरकारें अवैध खनन नहीं रोक पा रही हैं तो अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जाएगी।

कोर्ट ने साफ कहा कि चंबल अभयारण्य क्षेत्र में जारी अवैध खनन न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह पर्यावरण और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने तीनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि अवैध खनन के रास्तों और नदी के संवेदनशील इलाकों में हाई-रिजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। साथ ही, खनन में इस्तेमाल होने वाले सभी वाहनों और मशीनों में जीपीएस डिवाइस अनिवार्य रूप से लगाए जाएं, ताकि उनकी हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके।

24 घंटे संयुक्त गश्त, तुरंत जब्ती के आदेश

कोर्ट ने पुलिस और वन विभाग को मिलकर 24 घंटे संयुक्त गश्त करने के निर्देश दिए हैं। अवैध खनन में लिप्त पाए जाने वाले वाहनों को तुरंत जब्त कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने को कहा गया है। इससे अवैध गतिविधियों पर तुरंत लगाम लगाने की कोशिश की जाएगी। कोर्ट ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को निर्देश दिया है कि वे अवैध खनन से हुए पर्यावरणीय नुकसान का आकलन करें और प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान सिद्धांत के तहत दोषियों से मुआवजा वसूलें। इसका उद्देश्य पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करना है।

अधिकारियों की तय होगी व्यक्तिगत जिम्मेदारी

सुप्रीम कोर्ट ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी स्तर पर अधिकारी लापरवाही करते पाए गए, तो उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

जब तक मैं खड़ी हूं, बांग्ला-विरोधी ज़मींदारों को लोगों पर तकलीफ नहीं पहुंचाने दूंगी

कोलकाता। पिछले हफ्ते पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को उन्होंने बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कूच बिहार ज़िले की अलग-अलग सीटों से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए सीएम ममता ने बंगाल की रक्षा करने, लोगों के अधिकारों को सुरक्षित रखने और इसकी धर्मनिरपेक्ष बनावट को बनाए रखने के लिए लड़ने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि जब तक मैं खड़ी हूं, मैं इन बांग्ला-विरोधी ज़मींदारों को इस धरती के लोगों पर कोई भी दुख या तकलीफ नहीं पहुंचाने दूंगी। मैं बंगाल की रक्षा के लिए लड़ूंगी, उन लोगों के अधिकारों को सुरक्षित रखूंगी जिनकी सेवा के लिए मैं चुनी गई हूं, इस खूबसूरत राज्य के भविष्य को सुरक्षित करूंगी, और हमारी धर्मनिरपेक्ष बनावट और समावेशी भावना को हर उस ताकत से बचाऊंगी जो इसे तोड़ने की कोशिश करती रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनकी पोस्ट में कहा कि मुझे आपकी जरूरत अपने पास है, जैसा कि आप हमेशा से रहे हैं। अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि वे अपनी विचारधारा पर हमेशा कायम रही हैं और उन्होंने इस यात्रा का हर कदम लोगों के साथ मिलकर तय किया है। यह कभी नहीं बदला। और न ही कभी बदलेगा। मेरे जीवन में मां, माटी, मानुष के बीच रहने से बढ़कर कोई खुशी नहीं है। आप ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी हैं।

ममता ने टीएमसी के कई उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार किया था, जिनमें माथाभंगा से सबलू बर्मन, शीतलकुची से हरिहर दास, कूचबिहार दक्षिण से अभिजीत दे भौमिक (हिप्पी), अलीपुरद्वार से सुमन कांजीलाल, कालचीनी से बीरेंद्र बारा, कुमारग्राम से राजीव तिर्की, फलाकाटा से सुभाष चंद्र रॉय, मदारीहाट से जयप्रकाश टोप्पो, दिनहाटा से उदयन गुहा और सिताई से संगीता रॉय बसुनिया शामिल थे। पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होना है, जबकि विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। राज्य में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस जो लगातार चौथी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है और बीजेपी के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। बीजेपी पिछले चुनावों में शानदार प्रदर्शन के बाद इस बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

भीषण गर्मी में आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंच रहे नन्हे बच्चे

अभिभावकों की चिंता बढ़ी-प्रशासन से वैकल्पिक व्यवस्था की मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रदेश में लगातार बढ़ते तापमान और तेज धूप के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। खासकर छोटे बच्चों के लिए यह मौसम बेहद कठिन साबित हो रहा है। ऐसे में आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को रोजाना गर्मी और लू के बीच केंद्र तक लाना अभिभावकों और ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय बन गया है। जहां एक ओर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बड़े बच्चों की छुट्टियां या समय-सारिणी में बदलाव कर राहत देने की कोशिश की जा रही है वहीं आंगनबाड़ी केंद्रों के छोटे-छोटे बच्चों को नियमित रूप से केंद्र तक आना अनिवार्य बताया जा रहा है। इस कारण मासूम बच्चों को सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर तक तेज धूप में आवाजाही करनी पड़ रही है।जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

अभिभावकों की मजबूरी और चिंता

स्थानीय अभिभावकों का कहना है कि वे अपने बच्चों को इतनी तेज धूप में घर से बाहर नहीं निकालना चाहते, क्योंकि लू और गर्म हवाओं के कारण बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कई अभिभावकों ने बताया कि छोटे बच्चे धूप में चलने के कारण थकान, चक्कर और कमजोरी जैसी समस्याओं से जूझते हैं। हालांकि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा शासन के निर्देशों का हवाला देते हुए बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। जिसके चलते अभिभावकों को मजबूरी में अपने बच्चों को केंद्र भेजना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य पर बढ़ता खतरा

विशेषज्ञों के अनुसार 3 से 6 वर्ष की उम्र के बच्चे अत्यंत संवेदनशील होते हैं। इस उम्र में अधिक गर्मी और लू के संपर्क में आने से डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं होने का खतरा बढ़ जाता है। लगातार धूप में आना-जाना उनके शारीरिक विकास पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि दोपहर की चिलचिलाती धूप में बच्चों को केंद्र से घर लाना और ले जाना और भी अधिक जोखिम भरा हो जाता है।जिससे कई बार बच्चे पूरी तरह थककर टूट जाते हैं।

पोषण आहार वितरण को लेकर सुझाव

ग्रामीणों और अभिभावकों ने सुझाव दिया है कि इस भीषण गर्मी के केवल दो से ढाई महीनों के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में अस्थायी बदलाव किया जाए। उनका मानना है कि बच्चों को केंद्र बुलाने के बजाय पोषण आहार सीधे उनके घरों तक पहुंचाया जाना चाहिए।इस व्यवस्था से न केवल बच्चों को गर्मी से राहत मिलेगी। बल्कि उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर भी अनावश्यक दबाव कम होगा और व्यवस्था अधिक प्रभावी बन सकती है।

प्रशासन से राहत की उम्मीद

स्थानीय नागरिकों ने मध्य प्रदेश शासन और जिला प्रशासन से इस मामले में संवेदनशीलता दिखाने की अपील की है। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सर्वोपरि होना चाहिए।इसलिए गर्मी के मौसम में वैकल्पिक व्यवस्था लागू करना आवश्यक है। लोगों का यह भी कहना है कि यदि स्कूलों में मौसम के अनुसार बदलाव संभव है।तो आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भी लचीली व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।ताकि नन्हे बच्चों को इस चिलचिलाती गर्मी से बचाया जा सके। भीषण गर्मी के इस दौर में आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचते नन्हे बच्चों की स्थिति गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। अभिभावकों की मांग है कि शासन इस ओर तत्काल ध्यान देकर ऐसी व्यवस्था लागू करे जिससे बच्चों को न तो शिक्षा और पोषण से वंचित होना पड़े और न ही उन्हें मौसम की मार झेलनी पड़े।

धर्मान्तरण के खिलाफ बजरंग दल का आंदोलन आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बजरंग दल द्वारा जिहादी मानसिकता के खिलाफ 18 अप्रैल को स्थानीय कालीपुतली चौक में सुबह 11 बजे से उग्र आंदोलन किया जाएगा। बजरंग दल के सभी पदाधिकारी व सदस्यों ने लोगों से इस दौरान अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है। उन्होंने कहा कि हाल ही में कुछ घटनाओं में युवतियों को बहला-फुसलाकर धर्मान्तरण व शोषण के मामले सामने आए है। उन्होंने कहा कि देश भर में बढ़ रही कथित जिहादी मानसिकता व लव जिहाद की घटनाओं के विरोध में बजरंग दल द्वारा आंदोलन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले में भी शनिवार को आंदोलन किया जा रहा है।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै मोहरलाल तुरकर पिता श्री बिरजलाल तुरकर उम्र 65 वर्ष वार्ड न. 11 ग्राम चंगेरा पोष्ट रानककोड़ी तहसील किरनापुर जिला बालाघाट (म.प्र.) का निवासी हूँ।

मै यह शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजों में उसका नाम हंसकुमार तुरकर पिता मोहरलाल तुरकर अंकित है जो कि सत्य एवं सही है।

यह कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड जिसका नंबर 826300714488 है जिसमें उसका नाम हिमांशु अंकित है जो कि त्रुटिवश गलत है।

यह कि मेरे पुत्र का सत्य एवं सही नाम हंसकुमार तुरकर पिता श्री मोहरलाल तुरकर है एवं भविष्य में भी मेरा पुत्र हंसकुमार तुरकर पिता श्री मोहरलाल तुरकर के नाम से जाना पहचाना जायेगा।

यह कि शपथपत्र में दी गई जानकारी सत्य एवं सही है। यदि किसी प्रकार की गलत जानकारी पाई जाती है तो उसकी जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी।

बालाघाट दिनांक - 17.04.2026

शपथकर्ता
मोहरलाल जी तुरकर

बालाघाट में निजी स्कूलों पर सख्ती- किताबें व यूनिफॉर्म एक ही दुकान से खरीदने के दबाव की होगी जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशों के पालन में जिले के अशासकीय (निजी) विद्यालयों पर अब सख्त निगरानी रखी जाएगी। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार ऐसे स्कूलों की औचक जांच के लिए विकासखंड स्तर पर निरीक्षण दल सक्रिय किए गए हैं।

जिला प्रशासन को लगातार मीडिया एवं अन्य माध्यमों से शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ निजी स्कूल प्रबंधन अभिभावकों को एक ही निर्धारित दुकान या स्थान से पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से बाध्य कर रहे हैं। इतना ही नहीं, कुछ मामलों में इन सामग्रियों को अधिक कीमत पर बेचने की भी शिकायत सामने आई है।

शासन द्वारा पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि अभिभावक खुले बाजार से अपनी सुविधा अनुसार सामग्री खरीद सकते हैं। इसके बावजूद कुछ विद्यालयों द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है। शिकायतों में यह भी सामने आया है कि कई स्कूलों में संबंधित पाठ्यपुस्तकों का भंडारण स्कूल परिसर के किसी गोपनीय कक्ष में या आसपास की एक ही दुकान में किया जा रहा है, जिससे अभिभावकों पर दबाव बनाया जा सके।

इन गंभीर शिकायतों को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री मीना ने जांच प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए हैं। अब निरीक्षण दल बिना पूर्व सूचना के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बड़े विद्यालयों में रैंडम तरीके से औचक निरीक्षण करेंगे। जांच दल के सदस्यों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रतिदिन जांच प्रतिवेदन अपने अभिमत सहित संबंधित कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें। इन प्रतिवेदनों के आधार पर आगामी दिनों में विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों द्वारा समीक्षा की जाएगी। बालाघाट जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित विद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांचकर्ता व निरीक्षण दल में प्रभारी बीईओ के साथ मे प्राचार्य, बीआरसी, बीडीओ व जनशिक्षक शामिल किए गए है। जिसमे बालाघाट विकासखंड के लिए निरीक्षण व जांचकर्ता दल में प्रभारी बीईओ आलोक मिश्रा, प्राचार्य श्री एसके तुरकर, बीआरसी महेंद्र शरणागत, जनशिक्षक श्रद्धानंद भालाधरे, रामकृष्णन भौमिक एवं सेवानंद सोमनकर को नियुक्त किया गया है। इसी तरह विकासखंड वारासिवनी के लिए वीरेंद्र बनोटे, राजेन्द्र कुमार बारमाटे, सतेंद्र शरणागत, अशोक टेम्भरे एवं कोमल बिसेन, लालबर्रा विकासखण्ड के लिए श्री वाय आर गजभिये, अरुण भगत, श्रीराम तुरकर, एनके बिसेन, सुदामा एडे, विकासखण्ड कटंगी के लिए श्री सीएस कुशराम, आर ताजिर, रविन्द्र हरिनखे, रूपसिंह पटले, गजेंद्र राहंगडाले, खैरलांजी विकासखण्ड के लिए श्री मुकेश तिवारी, शैलेन्द्र सहारे, शंकरलाल भगत, भरतलाल लिल्हारे एवं दिलीप बारेवार को नियुक्त किया गया है।

इसी तरह विकासखण्ड किरनापुर विकासखण्ड के लिए प्रभारी बीईओ गणेश सोनी, प्राचार्य श्रीमती अनिता तारन, बीआरसी सीएल टेकाम, जनशिक्षक सुरजलाल सोनवाने एवं संजय मेरावी, लांजी विकासखण्ड के लिए प्रमोद भिमटे, दुर्गेश फुल्झरे, शिवेंद्र उके, प्रदीप मुरकुटे, विनोद नेवारे, विकासखंड बैहर के लिए बीडीओ नरेन्द्र कुमार वैद्य एवं बीआरसी दीपक तिवारी, विकासखण्ड परसवाडा के लिए बीडीओ श्री डीडी ठाकरे एवं बीआरसी अरुण कुमार बिठले तथा बिरसा विकासखण्ड के लिए बीडीओ श्री केके पारधी एवं बीआरसी श्री नंदकिशोर टेकाम को नियुक्त किया गया है।

कीटनाशक सेवन से जिला अस्पताल में भर्ती एक व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना अंतर्गत ग्राम सावंगी के बांडाटोला में इसी ग्राम के कृषक कन्हैयालाल पिता जानू उइके 55 वर्ष ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। जिनकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इस व्यक्ति ने किस वजह से कीटनाशक दवाई का सेवन किया स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कन्हैयालाल अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में दो लड़के और पांच लड़की है। जिनमे एक लड़का और चार लड़की की शादी हो चुकी है। बताया गया कि कन्हैया लाल इन दिनों घर में ही रहता था। 14 अप्रैल को कन्हैया लाल की पत्नी बसंता बाई ग्राम कामठी रिश्तेदार के यहा शादी में चली गई थी। 17 अप्रैल को सुबहबड़ा बेटा रविंद्र अपनी पत्नी के साथ काम पर चला गया था। और छोटा बेटा कृष्णा ग्राम टेकाड़ी शादी में चला गया था। कन्हैयालाल अपनी छोटी बेटी सीमा के साथ घर में था। 12:00 बजे करीब कन्हैयालाल ने कोई जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जो घर में उल्टी कर रहा था। इस संबंध उनकी छोटी बेटी ने अपने बड़े भाई रविंद्र को फोन करके बताई। तब परिवार के लोग पहुंचे और कन्हैयालाल को कटंगी के सिविल अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान 4:00 बजे करीब कन्हैया लाल की मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए मृतक कन्हैया लाल का शव अपने कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए हैं। जिसका पोस्टमार्टम 18 अप्रैल को किया जाएगा इस व्यक्ति ने किस वजह से जहरीली वस्तु का सेवन किया। अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस मामले की आगे जांच कटंगी पुलिस द्वारा की जाएगी।

पीएम स्वनिधि योजना क्रियान्वयन में बालाघाट नपा की उपलब्धि

नपाध्यक्ष ने की डे-एनयूएलएम टीम की सराहना, बैठक में हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना नगर पालिका परिषद बालाघाट ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में बड़ी उपलब्धि हासिल की है, इस योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर रेहड़ी-पटरी वालों को आत्मनिर्भर बनाने तथा औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने का सशक्त कदम है। नगरपालिका परिषद बालाघाट द्वारा दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन डे-एनयूएलएम के माध्यम से इसका संचालन किया जा रहा है। जिसके क्रियान्वयन में उत्कृष्ट सफलता अर्जित की गई है लक्ष्य से अधिक हिग्राहियों को लाभान्वित किया गया है तथा कार्य प्रगतिरत है। संयुक्त कलेक्टर ने इस उपलब्धि पर एनयूएलएम टीम को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया वहीं नपाध्यक्ष ने भी बधाई प्रेषित करते हुए टीम की सराहना की। 17 अप्रैल को नपाध्यक्ष कक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक हुई जहां आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रदेश शासन ने किया था नपाध्यक्ष को पुरस्कृत

बालाघाट नगर पालिका परिषद द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के बेहतर क्रियान्यन के लिये वर्ष 2024 में मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के हस्ते बालाघाट नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर का सम्मान किया जा चुका है। स्ट्रीट वेंडर्स की आजीविका को बढ़ावा देने और शहरी आर्थिक विकास को गति देने में विभिन्न हितधारकों के उत्कृष्ट प्रयासों को प्रशंसा मिली है। मौजूदा वर्ष 2026 में बीते दिनों केन्द्रीय पीएम स्वनिधि मूल्यांकन टीम का बालाघाट दौरा हुआ था जहां लाभार्थियों की डाक्यूमेंट्री फिल्म भी तैयार की गई जबकि केन्द्रीय दल ने पीएम स्वनिधि योजना के सफलता क्रियान्वयन एवं अनुकरणीय प्रदर्शन को रेखांकित करते हुए बालाघाट नपा के कार्यो की प्रशंसा की है।

लक्ष्य से अधिक लाभ, जिला प्रशासन ने किया सम्मान

पीएम स्वनिधि योजना 2.0 के तहत प्रदेश में स्ट्रीट वेंडर्स के लिये सहायक वातावरण तैयार करने की दिशा में बालाघाट नपा के प्रयास उम्दा रहे है। जिसके अंतर्गत शहरी क्षेत्र में डे-एनयूएलएम द्वारा दिये गये लक्ष्य 1464 को ना सिर्फ पूर्ति की गई बल्कि 1614 लाभार्थियों को लाभ दिलाकर उपलब्धि हासिल की है। बालाघाट संयुक्त कलेक्टर जिला शहरी विकास अभिकरण परियोजना अधिकारी राहुल नायक द्वारा डे-एनयूएलएम टीम के सिटी मिशन मैनेजर डुड़ा दीपक बिठले, सिटी मिशन मैनेजर नपा ममता नगपुरे, विशाल श्रीवास, धनेन्द्र धुवारे को सम्मान पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया गया।

आर्थिक सशक्तिकरण कार्ययोजना पर बैठक

पीएम स्वनिधि योजना से आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए लक्ष्य से अधिक लाभार्थियों को लाभ पहुंचाये जाने पर नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर द्वारा डे-एनयूएलएम शाखा के कार्यो को सराहना की गई। 17 अप्रैल को उन्होंने समीक्षा बैठक ली जहां पर आगामी कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। नपाध्यक्ष ने बताया कि मोती उद्यान स्थित दुकानों को महिला स्व-सहायता समूह को आवंटित किये जाने पर विमर्श किया गया है, जबकि स्ट्रीट वेंडर्स के लिये भी समुचित प्रबंध किये जाएंगे। बैठक में विभागीय अधिकारी और कर्मचारियों के साथ ही सभापति योगिता विनय बोपचे की उपस्थिति रही।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै गौरीशंकर पिता दिलीप पन्द्रे निवासी ग्राम मोहगांव खुर्द तहसील किरनापुर जिला बालाघाट (म.प्र.)।

मेरे आधार कार्ड, अंकसूची एवं अन्य शासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम गौरीशंकर(Gaurishankar) दर्ज है जो कि त्रुटिपूर्ण है मेरा सही नाम गौरीशंकर पन्द्रे (Gaurishankar Pandre)है।

अतः मेरे समस्त शासकीय एवं अशासकीय दस्तावेजों में मेरा सही नाम गौरीशंकर पन्द्रे (Gaurishankar Pandre) दर्ज किया जाये और मुझे मेरे सही नाम गौरीशंकर पन्द्रे से ही जाना पहचाना लिखा एवं पढ़ा जाये।

गौरीशंकर पन्द्रे
ग्राम मोहगांव खुर्द तह.किरनापुर
जिला बालाघाट(म.प्र)

कार्यालय ग्राम पंचायत बड़गांव (क)
जनपद पंचायत लांजी, जिला बालाघाट

क्रमांक / क्यू / ग्रा. प. बड़गांव क — दिनांक 17/04/2026

निविदा

विषयांकित लेख है कि ग्राम पंचायत बड़गांव (क) में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा योजना, वी.बी.जी.रामजी योजना, प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, पंच परमेश्वर , 15 वां वित्त,16 वां वित्त आयोग, 5 वां 6 वां राज्य वित्त आयोग, मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि, स्वकराधान मद, स्वच्छ भारत अभियान, विधायक - सांसद निधि, जिला पंचायत व जनपद पंचायत निधि, परफार्मेंस ग्रांट फंड, स्टेशनरी क्रय एवं अन्य मरम्मत व पंचायत में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री क्रय की जानी हैं । इन कार्यों के लिए दिनांक 27/04/2026 तक नीचे लिखित वर्णित सामग्री हेतु मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं । निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा । निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत बड़गांव (क) में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें ।

सामग्री- सीमेंट , लोहा , गिट्टी , सीमेंट पाइप , लोहा पाइप , टीन , मिट्टी , मुरम , रेत , ईट , मिक्सर मशीन , वाइब्रेटर मशीन , पॉलीथीन , थर्माकॉल , रोलर , वॉशबेसिन नल सहित , पेंटिंग कार्य , गद्दू (पेवर ब्लॉक) , नल जल योजना हेतु पाइप, हेंडपम्प संधारण हेतु सामग्री, आधा एचपी, एक एचपी, दो एचपी, तीन एचपी विद्युत मोटर, कुर्सी , टेबल , स्ट्रीट लाईट संबंधी सामग्री , वाटर हारवेस्टिंग से संबंधित सामग्री , एसीसी एस्बेस्टस चादर (छत) , पी.वी.सी पाइप 10 फीट , एंगल नट बोल्ट सहित , सेंटिंग , तार , खीला , आईल , पेंट , दरी , आलमारी , कूलर , लैपटाप , कम्प्युटर सामग्री , टंकी , स्टेशनरी क्रय , नल - जल संधारण की सामग्री , पौधा क्रय , पंडाल व्यवस्था , मिक्षन , जेसीबी मशीन , ट्रेक्टर ट्राली , परिवहन सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल हैं।

श्रीमती कविता खेमराज खरे — सरपंच
दसरूलाल पांचे — उपसरपंच
कृष्णकुमार महेश्वरे — सचिव
रहेश ठाकरे — रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत बड़गांव (क) तहसील लांजी जिला बालाघाट , मध्यप्रदेश

बुलेरो की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना अंतर्गत गोंदिया रोड ग्राम खुरसोडी के पास बुलेरो कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल हो गए। घायल दोनों युवक दीपांशु पिता समारु यादव 15 वर्ष और मनीष पिता ताराचंद देशमुख 18 वर्ष दोनों ग्राम जरेरा थाना भरवेली निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अप्रैल की रात्रि में दीपांशु यादव मनीष देशमुख और भूकंपसिह वरकड़े तीनो युवक मोटरसाइकिल में अपने गांव जरेरा से ग्राम दिगोधा शादी में जा रहे थे तभी गोंदिया रोड ग्राम खुरसोडी के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही बुलेरो मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। बुलेरो की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार युवक दीपांशु यादव और मनीष देशमुख दोनों घायल हो गए वहीं भूकंपसिह वरकड़े 20 वर्ष को मामूली चोटे आई। घायलों को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जहां उनका इलाज किया गया।

किराये से देना है

काली पुतली चौक बालाघाट मेन रोड पर स्थित स्टेट बैंक के बाजू में कमरा, ऑफिस एवं दुकान के लिये किराये से देना है।

संपर्क करें- 8516809720

प्रभु पटले-माया पटले
आपको वैवाहिक वर्षगांठ की
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभेच्छु - समस्त पटले परिवार, बेहरई लालबर्रा बालाघाट

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0006/ब-154/2026-27
मौजा बघोली, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक लतीफ खान पिता इंतेयाज अली जाति मुसलमान, निवासी ग्राम बघोली, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बघोली, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता इंतेयाज पिता अहमद का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 11.10.2012 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बघोली के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 22.04.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 17.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 18.04.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

बालाघाट में राज्य सेवा व वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा की तैयारियां तेज

जिले के लिए संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 का आयोजन 26 अप्रैल 2026 (रविवार) को जिले में दो सत्रों में किया जाएगा। पहला सत्र प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा दूसरा सत्र दोपहर 02:15 बजे से 04:15 बजे तक आयोजित होगा।

परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं। इसी क्रम में बालाघाट जिले के लिए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री चतुरभुज सिंह को संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। वे परीक्षा से दो दिन पूर्व जिले में पहुंचकर सभी परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे और परीक्षा दिवस पर केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण भी करेंगे। वहीं, जिला शिक्षा अधिकारी श्री ए.के. उपाध्याय को पर्यवेक्षक के लिए लाइजनिंग अधिकारी बनाया गया है। लाइजनिंग अधिकारी को निर्देशित किया गया हैं कि वे पर्यवेक्षक को हर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएं, जिसमें लिपिकीय सहायता, ई-मेल, कंप्यूटर सहित अन्य जरूरी सुविधाएं शामिल हैं।

कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में जिले में परीक्षा को सुचारू और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिले के परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है, ताकि अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पात्रता परीक्षा निरस्त करने की मांग तेज, हजारों शिक्षक आंदोलन पर

जिले से 1000 से अधिक शिक्षक भोपाल रवाना, विभाग ने जुलाई-अगस्त में परीक्षा तिथि घोषित की

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पात्रता परीक्षा को निरस्त किए जाने की मांग को लेकर प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन कर रहे हैं। इसी क्रम में जिले से 1000 से अधिक शिक्षक आंदोलन में शामिल होने के लिए भोपाल के लिए रवाना हो गए हैं। शिक्षकों का कहना है कि पात्रता परीक्षा को लेकर लंबे समय से असंतोष बना हुआ है और वे लगातार इसे निरस्त करने की मांग कर रहे हैं। आंदोलनरत शिक्षक सरकार से मांग कर रहे हैं कि पात्रता परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए तथा इस संबंध में न्यायालय में पुनः याचिका दायर कर उचित निर्णय लिया जाए। वहीं दूसरी ओर शिक्षा विभाग ने प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की पात्रता परीक्षा की तिथियां भी घोषित कर दी हैं। विभाग के अनुसार यह परीक्षा जुलाई और अगस्त माह में आयोजित की जाएगी। ऐसे में एक ओर जहां शिक्षक परीक्षा निरस्त करने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं, वहीं दूसरी ओर विभाग द्वारा परीक्षा की तैयारियां जारी रखने से स्थिति टकरावपूर्ण बनती नजर आ रही हैं। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की पात्रता परीक्षा को लेकर प्रदेश में विवाद गहराता जा रहा है। बीते कुछ माह पूर्व न्यायालय द्वारा सरकार को पात्रता परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद राज्य सरकार ने बिना विलंब किए संबंधित विभाग को आदेश जारी कर दिए। विभाग ने भी इन निर्देशों के आधार पर शिक्षकों

के लिए पात्रता परीक्षा अनिवार्य करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। हालांकि, इस निर्णय के बाद से ही प्रदेशभर के प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों में असंतोष की स्थिति बन गई है। शिक्षकों का कहना है कि अन्य राज्यों की तरह मध्य प्रदेश सरकार को भी इस मामले में न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा न करते हुए सीधे परीक्षा लागू करना उनके साथ अन्याय है। इसी मुद्दे को लेकर शिक्षक लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पहले ब्लॉक और जिला स्तर पर धरना-प्रदर्शन किए गए, वहीं अब आंदोलन ने प्रदेश स्तर का रूप ले लिया है। शिक्षकों की प्रमुख मांग है कि पात्रता परीक्षा को निरस्त किया जाए और सरकार इस मामले में न्यायालय में पुनः याचिका लगाए। बीते दिनों शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह का बयान भी सामने आया था, जिसमें उन्होंने शिक्षकों से चिंता न करने और सरकार द्वारा याचिका दायर किए जाने की बात कही थी। बावजूद इसके शिक्षकों का आक्रोश कम नहीं हुआ और उन्होंने आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया। इसी क्रम में 18 अप्रैल को भोपाल में प्रस्तावित बड़े प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जिले से लगभग 1000 से अधिक शिक्षक 17 अप्रैल को रवाना हो गए। इस दौरान आजाद अध्यापक संघ के पदाधिकारी आशीष बिसेन और शासकीय शिक्षक संघ के पदाधिकारी रितेश गेडाम ने स्पष्ट कहा कि जब तक सरकार पुनर्विचार याचिका दायर नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को पहले ही इस दिशा में कदम उठाना चाहिए था, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है, जिसके कारण शिक्षकों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर विभाग भी सरकार के निर्देशों के अनुसार परीक्षा प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है। ट्राइबल क्षेत्रों के शिक्षकों के लिए जुलाई-अगस्त में परीक्षा आयोजित करने की तिथि तय की जा चुकी है, जबकि अन्य शिक्षकों के लिए भी चरणबद्ध तरीके से निर्देश जारी किए जा रहे हैं। ऐसे में एक ओर जहां विभाग परीक्षा की तैयारियों में जुटा है, वहीं दूसरी ओर शिक्षक संगठनों का विरोध तेज होता जा रहा है। अब देखना यह होगा कि सरकार इस पूरे मामले में क्या रुख अपनाती है क्या शिक्षकों की मांग मानते हुए न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर की जाएगी या फिर तय कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा आयोजित की जाएगी।

गेहूं खरीदी शुरू, लेकिन केंद्रों पर सन्नाटा व्यवस्था पर उठे सवाल

15 अप्रैल से खरीदी के दावे, कई केंद्रों पर 20 से शुरू होने की बात, स्लॉट बुकिंग नहीं कर रहे किसान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत किसानों से गेहूं खरीदी का कार्य 15 अप्रैल से शुरू कर दिया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट नजर आ रही है। खरीदी शुरू होने के दावों के बावजूद कई केंद्रों पर अभी तक व्यवस्था सुचारू रूप से प्रारंभ नहीं हो पाई है। स्थानीय स्तर पर पड़ताल के दौरान शहर से लगे कुछ गेहूं खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया गया और वहां मौजूद नोडल अधिकारियों से चर्चा की गई। इस दौरान सामने आया कि कुछ केंद्रों पर 15 अप्रैल के बजाय 20 अप्रैल से खरीदी शुरू किए जाने की जानकारी दी जा रही है, जिससे प्रशासनिक दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं कई किसानों ने खरीदी के लिए पंजीयन तो करा लिया है, लेकिन वे स्लॉट बुक नहीं कर रहे हैं। इसके चलते केंद्रों पर गेहूं की आवक बेहद कम है और खरीदी कार्य शुरू होने के तीन दिन बाद भी स्थिति लगभग नगण्य बनी हुई है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शासन द्वारा रबी सीजन की मुख्य फसल गेहूं की खरीदी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है, लेकिन शुरुआत के तीन दिन बीत जाने के बाद भी जिले के अधिकांश खरीदी केंद्रों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। किसान अब तक न तो स्लॉट बुक कराने पहुंच रहे हैं और न ही गेहूं लेकर खरीदी केंद्रों तक आ रहे हैं, जिससे पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, 15 अप्रैल से जिले में समर्थन मूल्य

पर गेहूं खरीदी का कार्य शुरू कर दिया गया है। शासन द्वारा निर्धारित 25.85 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी के बैनर भी लगाए गए हैं। हालांकि, किसानों के बीच इस दर को लेकर असंतोष की स्थिति बताई जा रही है। चुनाव के दौरान सरकार द्वारा 2700 रुपये प्रति क्विंटल देने का वादा किया गया था, लेकिन वर्तमान में तय समर्थन मूल्य 25.85 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी जा रही है। जिले में बड़ी संख्या में किसानों ने गेहूं विक्रय के लिए पंजीयन कराया है, इसके बावजूद खरीदी केंद्रों पर उनकी अनुपस्थिति कई सवाल खड़े कर रही है। आखिर किसान केंद्रों तक क्यों नहीं पहुंच रहे हैं, इसकी स्पष्ट वजह अभी सामने नहीं आई है। हालांकि जानकारों का मानना है कि मूल्य को लेकर असंतोष, स्लॉट बुकिंग प्रक्रिया में देरी या अन्य व्यवस्थागत कारण इसकी वजह हो सकते हैं। स्थिति यह है कि कई खरीदी केंद्रों पर अब तक एक भी किसान गेहूं लेकर नहीं पहुंचा है। केंद्रों पर कर्मचारी किसानों के आने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल गतिविधि बेहद कम नजर आ रही है। इस संबंध में लालबर्रा तहसील के ग्राम पांढरवानी वृत्ताकार समिति लालबर्रा केंद्र पांढरवानी केंद्र क्रमांक 01 की कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमति प्रतिभा रंगारेने दूरभाष पर बताया कि भले ही जिले में 15 अप्रैल से खरीदी शुरू हो चुकी है, लेकिन उनके केंद्र पर 20 अप्रैल से खरीदी प्रारंभ की जाएगी। वहीं, खरीदी व्यवस्था से जुड़े कोऑपरेटिव बैंक के अधिकारी एम.एल. यादव ने बताया कि किसानों ने पंजीयन तो करा लिया है, लेकिन अभी तक वे स्लॉट बुक कराने नहीं पहुंचे हैं। जिले में कुल 13 खरीदी केंद्र स्थापित किए गए हैं, परंतु फिलहाल अधिकांश केंद्रों पर खरीदी शुरू नहीं हो सकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में किसान गेहूं लेकर केंद्रों पर पहुंचना शुरू करेंगे और खरीदी प्रक्रिया गति पकड़ेगी। जिले में गेहूं खरीदी की धीमी शुरुआत ने प्रशासन की तैयारियों और किसानों की स्थिति दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आने वाले दिनों में स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रेमनगर में भीषण आग, घर का सामान जलकर खाक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के प्रेमनगर क्षेत्र में होटल मिडटाऊन के पीछे स्थित एक मकान में शुक्रवार को अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते मकान का एक हिस्सा आग की लपटों में घिर गया। इस आगजनी में गृहस्थी का लगभग पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया, जिससे पीड़ित परिवार को लाखों रुपये की आर्थिक क्षति हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, प्रेमनगर निवासी अरुण कुमार असाटी, पिता स्व. शिवनारायण असाटी, अपने मकान के प्रथम तल पर रहते हैं। शुक्रवार को वे रोजाना की तरह सुबह पूजा-पाठ करने के बाद अपनी दुकान चले गए थे। इसी दौरान उनके घर के बेडरूम में अचानक आग लग गई। आग की लपटें और काला धुआं उठता देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पड़ोसियों ने तुरंत अरुण कुमार को फोन कर घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और घर का दरवाजा खोलकर अंदर देखा तो आग पूरे कमरे में फैल चुकी थी और सामान जलकर राख हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका के दमकल विभाग को सूचना दी गई। दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और घर के बेडरूम में रखा अधिकांश सामान पूरी तरह जल चुका था। आग लगने की खबर सुनते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए। बताया जा रहा है कि बेडरूम में रखा फर्नीचर, कपड़े, जरूरी दस्तावेज और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह नष्ट हो गया। पीड़ित अरुण कुमार असाटी ने

बताया कि घटना के समय वे दुकान पर थे और घर में कोई नहीं था। पड़ोसियों से सूचना मिलने पर जब वे पहुंचे तो आग ने सब कुछ तबाह कर दिया था। उन्होंने बताया कि इस आगजनी में संपत्ति से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज, आभूषण, कपड़े सहित अन्य कीमती सामान जल गया, जिससे लाखों रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के चलते यह हादसा हुआ होगा, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

खबर प्रकाशन के बाद हरकत में आया विभाग

नेवरगांव की बंद नल-जल योजना में शुरू हुआ सुधार कार्य

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के लामता रोड स्थित नेवरगांव में जल जीवन मिशन के तहत करीब 60.78 लाख रुपए की लागत से बनी नल-जल योजना के ठप होने की खबर प्रकाशित होने के बाद अब प्रशासन हरकत में आ गया है। पीएचई (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग) के कार्यपालन यंत्री के निर्देश पर योजना में सुधार कार्य शुरू कर दिया गया है।बताया गया कि इस योजना का उद्देश्य लगभग 3 हजार की आबादी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना था, लेकिन महज 8 से 10 दिन पानी सप्लाई के बाद ही यह योजना बंद हो गई थी। इसके चलते ग्रामीणों को एक बार फिर हैंडपंप और कुओं पर निर्भर होना पड़ रहा था। गर्मी के बढ़ते तापमान और गिरते भूजल स्तर ने समस्या को और गंभीर बना दिया था।जिसको लेकर स्थानीय समाचार पत्र में मुद्दा उठाए जाने के बाद विभाग ने तत्काल संज्ञान लिया। पीएचई के कार्यपालन यंत्री के निर्देश पर तकनीकी टीम को मौके पर भेजा गया, जहां पाइपलाइन, मोटर और पानी टंकी से जुड़ी खामियों की जांच कर सुधार कार्य शुरू किया गया।

ग्रामीणों को जल्द राहत की उम्मीद

ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से बंद पड़ी इस योजना के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब सुधार कार्य शुरू होने से उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही घर-घर नल से पानी मिलने लगेगा और जल संकट से राहत मिलेगी।

पहले बनी थी सिर्फ शोपीस योजना

ग्रामीणों के अनुसार, योजना के तहत बनी पानी टंकी, पाइपलाइन और नल कनेक्शन केवल शोपीस बनकर रह गए थे। टेस्टिंग के नाम पर कुछ दिनों तक ही पानी दिया गया, इसके बाद पूरी व्यवस्था बंद पड़ी रही।बताया गया कि गर्मी के इस मौसम में नेवरगांव में जल संकट गहराता जा रहा था। हैंडपंप और कुओं में भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा था, जिससे ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई थी। ऐसे में अब शुरू हुआ सुधार कार्य ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत की उम्मीद बनकर सामने आया है।

चाकूबाजी कर लूट की वारदात का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

जागपुर घाट में छात्रों पर हमला कर मोबाइल व नकदी लूटी, पुलिस ने 7 टीम बनाकर किया पर्दाफाश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में बीती रात हुई चाकूबाजी और लूट की गंभीर घटना का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खुलासा कर दिया है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि थाना कोतवाली में धारा 109(1), 309(6), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार 16 अप्रैल की रात करीब 8:30 बजे यूपेश लिल्हारे अपने साथियों पियूष रूसे और अर्जुन के साथ वैनगंगा नदी किनारे स्थित जागपुर घाट शिव मंदिर के पास घूमने गए थे। इसी दौरान तीन अज्ञात युवकों ने उन्हें अकेला पाकर चाकू दिखाकर डराया-धमकाया और उनके पास से एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा 4 हजार रुपये नगद लूट लिए। विरोध करने पर आरोपी मीत बिसेन ने पियूष रूसे के पेट में चाकू से हमला कर दिया, वहीं बीच-बचाव करने पर यूपेश लिल्हारे पर भी चाकू से वार किया गया, जिससे वह घायल हो गया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पल्सर मोटरसाइकिल से मौके से फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा सात अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए संदिग्धों की तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अक्षय वर्मा उर्फ प्रिंस (22 वर्ष) निवासी वार्ड क्रमांक 19 प्रेमनगर, मीत बिसेन (18 वर्ष) निवासी वार्ड क्रमांक 27 प्रेमनगर तथा एक 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है। पुलिस के अनुसार सभी

आरोपी पूर्व से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे हैं और इनके खिलाफ मारपीट, चोरी एवं अन्य मामलों में प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू, पल्सर मोटरसाइकिल, लूटा गया मोबाइल फोन और 4 हजार रुपये नगद जब्त किए हैं। फिलहाल मामले की विवेचना जारी है।

इस तरह हुई थी वारदात

पीयूष रुषे और यूपेश लिल्हारे दोनों छात्र बालाघाट पॉलिटेक्निक कॉलेज के पीछे किराए के कमरे में रहकर पीजी कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं। 16 अप्रैल की रात्रि 8 बजे पीयूष रुषे और यूपेंश लिल्हारे दोनो जागपुर घाट रात्रिकालीन मैच देखने गए थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन युवक वहां पहुंचे और उन्हें बोले की तुम लोग यहां क्यों आए हो और कहा के रहने वाले हो। पीयूष ने उन्हें बोला कि हम लोग यहां किराए से रहकर पढ़ाई करते हैं। इसके बाद उन्हें बोला गया कि तीन दिन पहले यहा एक लड़की के साथ रेप हुआ है तुमको कुछ मालूम है क्या। पीयूष ने उन्हें बोला कि हमें इस संबंध में कुछ मालूम नहीं है। इसके बाद तीन युवक इन छात्रों के जेब की तलाशी लेने लगे और जेब से मोबाइल निकाल कर चेक करने लगे।पीयूष और उसके साथियों ने उनसे मोबाइल मांगे किंतु उन्होंने मोबाइल वापस ना करते हुए जेब में रख लिए। जिसका विरोध करने पर एक युवक ने चाकू निकालकर पियूष के पेट में वार कर दिया। वहीं युपेश द्वारा बीच-बचाव करने पर उस पर भी चाकू से हमला कर दिये जिससे उसके हाथ में चोट आई। आरोपियों ने दोनों के साथ मारपीट कर मोबाइल छीन लिया और मौके से फरार हो गए।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पाथरी रोड पर तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। कार की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल दुर्गेश पिता पूरनलाल बिरनवार 22 वर्ष ग्राम पाथरी निवासी है ।जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्गेश बिरनवार खेती मजदूरी करता है। 16 अप्रैल को दोपहर में दुर्गेश मोटर साइकिल में ग्राम हट्टा किराने का सामान लेने के लिए आया था। और सामान खरीद कर वह मोटरसाइकिल में अपने घर पाथरी जा रहा था। जब वह अपने गांव की अमराई के पास पहुंच ही था। कि सामने से तेज रफ्तार से आ रही कार ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। तेज रफ्तार कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस दुर्घटना में दुर्गेश बिरनवार घायल हो गया था। चुकी यह दुर्घटना ग्राम पाथरी के समीप ही हुई थी। खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और घायल दुर्गेश को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

खबर का असर, भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में हुआ परिवर्तन

कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी ने जारी किये आदेश, अब प्रातः 7.30 बजे से दोपहर 12.30 की पालियों में लगेंगे स्कूल

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच स्कूली बच्चों को प्रातः 10.30 से स्कूल आने पर गर्मी के चलते खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था एवं उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा था। बच्चों की स्वास्थ्य एवं स्कूल के समय में परिवर्तन करने की मांग को लेकर बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जिला प्रशासन ने जनहित और बच्चों के स्वास्थ्य को सर्वोपरि रखते हुए स्कूलों के समय में तत्काल प्रभाव से परिवर्तन कर दिया है। जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट ने कलेक्टर के आदेशानुसार इस संबंध में आधिकारिक निर्देश के पत्र जारी कर दिये है और पत्र जारी होने के बाद यह नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। किन्तु समय पर स्कूल के समय में परिवर्तन होने की जानकारी नही लगने के कारण 17 अप्रैल को पुर्व समय पर ही स्कूल लगा है, 18 अप्रैल से प्रातः 7.30 बजे से स्कूल लगेगें। वहीं स्कूल का समय परिवर्तन होने से अब बच्चों एवं अभिभावकों में हर्ष व्याप्त है और सुबह की पाली में स्कूल का संचालन होने से स्कूलों में बच्चों की संख्या में भी वृध्दि होगी।

नया समय निर्धारण, प्राथमिक स्कूलों को बड़ी राहत

कलेक्टर महोदय के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय, नवोदय, सीबीएसई स्कूलों के समय में संसोधन किया गया है। जिसमें कक्षा नर्सरी से 5 वीं तक इन कक्षाओं का संचालन अब प्रातः 8.30 बजे से 10.30 बजे तक ही होगा। इसी तरह कक्षा 6 वीं से 12 वीं तक इन कक्षाओं का समय प्रातः 7.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह नियम तत्काल प्रभाव से लागू होगा। परीक्षाओं का संचालन पूर्व निर्धारित समय सारणी के अनुसार ही रहेगा। लेकिन नियमित कक्षाओं के लिए अब नये समय का पालन अनिवार्य होगा। दो पालियों में चलने वाले स्कूलों को भी छात्र-छात्राओं की सुविधा अनुसार समय प्रबंधन के निर्देश दिये गये है।

अभिभावकों ने जताया हर्ष

बता दें कि पिछले कुछ दिनों से दोपहर 3 से शाम 4 बजे तक स्कूल लगने के कारण बच्चे भीषण लू और चिलचिलाती धूप का शिकार हो रहे थे। उपस्थिति में आ रही कमी और बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को लेकर अभिभावकों ने समय बदलने की पुरजोर मांग की थी। बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में इस समस्या को लेकर समाचार अखबार में समाचार प्रकाशन कर प्रशासन का ध्यानाकर्षण भी करवाया गया था। जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया और यह जनहितैषी निर्णय लिया गया। अभिभावकों ने इस राहत के लिए प्रशासन और मीडिया का आभार व्यक्त किया है।

इनका कहना है-

ग्रीष्म ऋतु में तापमान अधिक होने के कारण छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। समस्त स्कूल प्रमुखों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना होगा।

अश्विनी उपाध्याय
डीईओ
बालाघाट।

नगपुरा के हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूल का परीक्षा में रहा उत्कृष्ट परिणाम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर ग्राम पंचायत नगपुरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल (10 वीं)

और हायर सेकेंडरी (12 वीं) की बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस वर्ष स्कूल का परीक्षा परिणाम बीते वर्षों की तुलना में काफी बेहतर रहा है। चर्चा में स्कूल के प्राचार्य चंद्रपाल उके ने बताया कि कक्षा 10 वीं, 12 वीं का वार्षिक परीक्षा का परिणाम गत दिवस घोषित किया गया है जिसमें कक्षा 10 वीं का 86.11 प्रतिशत एवं कक्षा 12 वीं का 91.66 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा है। वहीं विद्यालय के कई विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत से विशेष उपलब्धि हासिल की है। जिसमें कु. कावेरी पिता विजय राऊत गणित समूह में कक्षा 12 वीं में 91.8 अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह आशीष पिता सिरेलाल मड़ावी ने जीव विज्ञान समूह से 75.8 अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया है। ग्रामीण क्षेत्र के इन विद्यार्थियों की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होने बिना किसी बाहरी कोचिंग के, केवल अपनी कड़ी मेहनत और स्कूल के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन से यह मुकाम हासिल किया है। वहीं अपनी इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। प्राचार्य श्री उके एवं समस्त शिक्षक स्टाफ ने विद्यार्थियों की इस गौरवशाली उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है और उनके उ'जवल भविष्य की मंगल कामना की है।

नेवरगांव वा. शास. उमावि. का कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 89 प्रतिशत और 10 वीं का 82 प्रतिशत रहा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. ने इस वर्ष के परीक्षा परिणामों में शानदार सफलता दर्ज की है। विद्यालय का कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 89 प्रतिशत तो कक्षा 10 वीं का परिणाम 82 प्रतिशत रहा है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र और विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। बोर्ड कक्षाओं के परीक्षा परिणाम में कक्षा 12 वीं कला संकाय में छात्रा अन्नू पिता थानेन्द्र बनवाले ने 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में टॉप किया है। इसी संकाय में यश पिता उदेलाल शरणागत ने 85 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान एवं प्राची भिमटे ने 78 अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रही है। वहीं विज्ञान संकाय में अमन पिता योगेश राहंगडाले ने 87 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है। कनिश पिता धनलाल पटले ने 83.8 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर तथा उ'जवल पिता डुकरूलाल बिसेन ने 81.8 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पर रहे। इसी तरह कक्षा 10 वीं में कार्तिक पिता त्रिलोक पारधी ने 500 में से 471 अंक 94.8 प्रशित अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। छात्रा हनी पिता धनीराम बाहेश्वर ने 94.2 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान और पूजा पिता युवराज टेंभरे ने 93 प्रतिशत अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। वहीं विद्यार्थियों की इस उत्कृष्ट सफलता पर प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख सहित समस्त शिक्षक स्टाफ ने खुशी जाहिर की हैं। सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया गया है। वहीं सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देने वालों पर प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख, शिक्षक बी.एल. पटले, मंकेश मिश्रा, सी.आर. बखाते, रमेश धुर्वे, बी.के. मेहरा, श्रीमती वंदना पालीवाल, श्रीमती वीणा मर्सकोले, श्रीमती रीना लिल्हारे, श्रीमती खिलासन भगत, प्रशांत मेश्राम, लुपेन्द्र कुमार देशमुख, श्रीमती गीतेश्वरी टेम्भरे, श्रीमती लक्ष्मी विष्णु पटले, जयदीप जोशी, मनेष शेंडे,, कपिल कुमार उके, सुश्री दिव्या जोशी, नितिन देशमुख, श्रीमती रोशनी ठाकुर, लेखापाल किशोर पाल, लिपिक रवि कुमार कावड़े, भृत्य नोहरलाल उइके, शैलेन्द्र वासनिक, अंकित झारिया एवं समस्त जनशिक्षक व शाला प्रबंधन समिति के सदस्य शामिल है।

सिहोरा-पोंडी पुल की क्षतिग्रस्त रेलिंग दे रही हादसों को न्यौता

राहगीर एवं ग्रामीणों ने की क्षतिग्रस्त रेलिंग का मरम्मत कार्य एवं पुल के दोनों साईड स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत सिहोरा एवं पोंडी के बीच नाले पर बने पुल की रेलिंग क्षतिग्रस्त होने के कारण यह दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रही है क्योंकि विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से सिहोरा व पोंडी के बीच से गुजरी नाले के ऊपर पुल का निर्माण किया गया है। वहीं पुल से आवागमन करने वाले लोगों की सुरक्षा की दृष्टि से पुल के दोनों ओर सीमेंट की रेलिंग लगाई गई है ताकि पुल से आने-जाने वालों के साथ किसी प्रकार का हादसा घटित न हो सके परन्तु सीमेन्ट व लोहे से बनी रेलिंग का काम गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण क्षतिग्रस्त होने लगी है। ऐसी स्थिति में पुल से गुजरते समय अगर बाईक अनियंत्रित होने या पुल के किनारे खड़ा व्यक्ति अनियंत्रित हो जाता है तो वहां सीधे 30-35 फीट नीचे नाले की खाई में गिर सकता है जिससे बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता है। वही पुल के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर नहीं होने के कारण वाहन तेज गति से गुजरते है यदि सामने से कोई बड़ा वाहन आ रहा हो और छोटा वाहन चालक स्वयं को नियंत्रित करते हुए पुल के किनारे पहुंचे तो रेलिंग के अभाव में वह दुर्घटनाग्रस्त हो सकता है। यह हाईवे मार्ग होने के कारण इस मार्ग से दर्जनों ग्राम के ग्रामीणजनों के द्वारा आवागमन किया जाता है। साथ ही इस पुल के समीप से एक मार्ग ग्राम पंचायत रमपुरी की भी ओर जाता है जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीणों के द्वारा आवागमन किया जाता है और ग्रामीणजन भी स्पीड में वाहन हाईवे की ओर लेकर आते है। वहीं दूसरी ओर से हाईवे मार्ग पर भी दोनों ओर स्पीड ब्रेकर या बेरिकेट नहीं होने से छोटे-बड़े दुपहिया, चौपहिया वाहन बिना रूके तेज गति से गुजरते है। इस स्थिति में कई बार अचानक वाहन के आ जाने से टक्कर होने के साथ ही दुर्घटनाएं घटित होते रहती है। वहीं लंबे समय से पुल के दोनों साईड स्पीड ब्रेकर बनाने एवं क्षतिग्रस्त रेलिंग का मरम्मत कार्य करवाने की मांग जिम्मेदारों से की जा रही है परन्तु उनके द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त हैं। जबकि हैरानी की बात यह है कि इस मार्ग से रोजाना जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि भी आवागमन करते है परन्तु उन्हे पुल की क्षतिग्रस्त रेलिंग दिखाई नहीं पडती है जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शासन प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे है। राहगीर एवं ग्रामीणों ने पुल पर बने क्षतिग्रस्त रेलिंग का जल्द मरम्मत कार्य करवाने एवं पुल के दोनों साईड स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

खमरिया में अंडर 19 टूर्नामेंट आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत खमरिया के हाई स्कूल खेल मैदान में टाइटन्स कप के तत्वाधान में 19 अप्रैल से अंडर 19 (क्रिकेट) टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि आयोजित अंडर 19 (क्रिकेट) टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार 10,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 5000 रूपये, तृतीय पुरस्कार 3000 रूपये, प्रवेश शुल्क 450 रूपये निर्धारित किया गया है। उक्त प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, जनपद सदस्य श्रीमती इंद्रकला वेदराम राहंगडाले, खमरिया उपसरपंच योगराज पटले, रटेगांव पूर्व सरपंच बालकृष्ण बिसेन, पूर्व सरपंच श्रीमती लक्ष्मी वाघाड़े, श्रीमती यशवंता गाते, अनिल टेंभरे, खुमानसिंह बिसेन, सेवानिवृत्त शिक्षक भोजराम वाघाड़े, उमेश चौधरी के मुख्य आतिथ्य एवं सरपंच श्रीमती 'योति अनिल टेंभरे की अध्यक्षता में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रभर के क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील आयोजन समिति के आरएल गाते, कोमलचंद चौधरी, संदेश डहरवाल, गुलाबसिंह चौधरी, रमेश नागोसे, ज्ञानीराम पारधी, डिलेश्वर रोकडे, अनुपचंद पटले, रामदिन डहरवाल, प्रदीप डहरवाल, राजू डहरवाल, चैनलाल टेंभरे, डिगनलाल चौधरी, डालीराम नागोसे, दिनेश चौहान, संजय चौधरी, प्रमोद चौधरी, संतोष चौधरी, रविशंकर चौधरी, चुरनलाल डहरवाल, अवदेश पारधी, दुर्गाप्रसाद एसने, आनंद करकाड़े, सदस्य लक्की डहरवाल, राज चौधरी, ओम पारधी, आदित्य खरोले, आयुष खरोले, साहिल राउत, अंशुल रोकड़े, डुलेश नागोसे, संजय गाते, अमन हनवत, लक्की राउत, अनमोल, जय, नैतिक, प्रियांशु, तुषार, हंस एवं साहिल ने की है।

पैंसी फ्लावर्स स्कूल का हाईस्कूल परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट, विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। मध्य प्रदेश शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में द स्कूल ऑफ पैंसी फ्लावर्स के विद्यार्थियों ने इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम पूरे क्षेत्र में गौरवान्वित किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिससे स्कूल परिसर में हर्ष और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंग्रेजी माध्यम में एकाग्र क्षीरसागर ने 96.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। भाविका बागरेस ने 86.8 प्रतिशत के साथ द्वितीय एवं हर्ष परते ने 84.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा देव चौहान (82.4%), विशाखा घारपिंडे (82%), तन्मय नाग (79%), कशिश झारिया (74.4%), दिव्या महाजन (73.6%), कृतयानी अहिरवार (70.2%), सचिन बमुरे (68.2%), प्रिंस (68.2%), शशांक चौहान (66.8%) एवं दीक्षा महाजन (66.2%) ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित की।

वहीं हिन्दी माध्यम में भी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

प्रिंसी चौधरी ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि महिमा ने 95.6 प्रतिशत एवं मान्शी पटले ने 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। अन्य विद्यार्थियों में याशिका ठाकरे (79.2%), समरीन शाह (76.8%), गाथा टेम्भरे (75.6%), बरखा कंसरे (73.2%), दिशा ठाकरे (72.6%), शुभम नामदेव (71.8%), रंजित पंचेस्वर (71.6%), आयुष ठाकरे (70.8%), अलफिया अली (70.8%), स्तुति नामदेव (68%), अंश राहंगडाले (66.4%), रिया देशराज (63.4%), लक्ष्मी उइके (59%), शुभम पटले (58.6%), तरुण पटले (58.4%) एवं विक्रम पटले (56.8%) ने भी सफलता प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती श्यामली हरीश नाग ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सतत सहयोग का प्रतिफल है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित किया गया। वहीं अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने भी इस शानदार परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों की सराहना की।

इस प्रकार पैंसी फ्लावर्स स्कूल ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से सफलता निश्चित रूप से प्राप्त की जा सकती है।

सैटेलाइट गिरदावरी के फेर में उलझा अन्नदाता, पोर्टल ने रोकी गेहूं खरीदी किसान परेशान

स्लॉट बुकिंग ना होने से किसान काट रहे खरीदी केंद्र के चक्कर शासन के विरुद्ध आक्रोश व्याप्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

मध्यप्रदेश शासन के द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं, चना और सरसों के उपार्जन का कार्य तो प्रारंभ कर दिया गया है। लेकिन धरातल पर तकनीकी खामियों ने किसानों की कमर तोड़ दी है। वारासिवनी विकासखंड में सैटेलाइट गिरदावरी और पोर्टल की समस्याओं के कारण किसान अपनी उपज बेचने के लिए दर दर भटकने को मजबूर हैं। इसमें किसान समिति में स्लॉट बुक करने जा रहे हैं जहां पर उनके पंजीयन में पोर्टल पर सेटेलाइट के माध्यम से सत्यापन असफल बता रहा है। जिससे वह बहुत ज्यादा परेशान है और किसानों में आक्रोश व्याप्त है।

वारा वेयरहाउस को बनाया केंद्र, सन्नाटा पसरा

क्षेत्र में वृहत्तकार सेवा सहकारी समिति वारासिवनी का वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर स्थित ग्राम वारा के मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन को खरीदी केंद्र बनाया गया है। १५ अप्रैल से खरीदी प्रक्रिया शुरू तो हुई लेकिन खरीदी केंद्र पर किसान अपनी उपज लाने के बजाय समस्याओं का समाधान खोजने पहुंच रहे हैं। पंजीकृत किसानों का आरोप है कि शासन के द्वारा इस वर्ष सैटेलाइट गिरदावरी का नियम लागू कर किसानों के अनुसार उलझाया जा रहा हैं। जब किसान अपनी उपज बेचने के लिए स्लॉट बुक करने का प्रयास कर रहे हैं, तो पोर्टल पर सैटेलाइट गिरदावरी नही होने का कारण दर्शाते हुए बुकिंग रिजेक्ट की जा रही है। बताया जा रहा है कि शासन के द्वारा सैटेलाइट गिरदावरी की पुष्टि के लिए किसानों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर फोन कॉल किए गए थे। कई किसान नेटवर्क की समस्या या अन्य कारणों से फोन रिसीव नहीं कर पाए जिसके चलते अब उनका डेटा पोर्टल पर अपडेट नहीं हो रहा है।

पटवारी गिरदावरी बनाम सैटेलाइट सर्वे

स्थानीय स्तर पर पटवारियों के द्वारा भौतिक सत्यापन कर गिरदावरी की जा चुकी है जिसके आधार पर पंजीयन भी हुआ। लेकिन अब पोर्टल केवल सैटेलाइट डेटा को ही मान्य कर रहा है जिससे विरोधाभास की स्थिति निर्मित हो गई है। किसानों को परेशानी पंजीयन के समय से ही शुरू हो गई थी। अंतिम १० दिनों में सर्वर डाउन रहने के कारण वारासिवनी में महज ३०० के करीब ही पंजीयन हो पाए जबकि सैकड़ों किसान पंजीयन से वंचित रह गए। अब जो पंजीकृत हैं वे स्लॉट बुकिंग के लिए २५ किलोमीटर की दूरी तय कर समिति और खरीदी केंद्रों के चक्कर लगा रहे हैं। जहाँ पटवारी गिरदावरी को पोर्टल असत्यापित बता रहा है।

किसान को फसल औने पौने दाम पर बेचने का डर

खरीदी केंद्र पर मौजूद कर्मचारियों ने भी इस समस्या पर अपनी असमर्थता जताई है जिससे किसानों में शासन प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश है। क्योंकि अगर शासन समय पर उपज नहीं खरीदेगा तो किसानो को मजबूरी में बिचौलियों और व्यापारियों को अपनी फसल कम दाम पर बेचनी पड़ेगी। इससे उन्हें सीधा आर्थिक नुकसान होगा। वारासिवनी क्षेत्र के किसानों ने मांग की है कि सैटेलाइट गिरदावरी की तकनीकी त्रुटियों को तत्काल सुधारा जाए और पटवारी के द्वारा की गई भौतिक गिरदावरी को आधार मानकर स्लॉट बुकिंग शुरू की जाए। ताकि किसान अपनी मेहनत की कमाई का सही मूल्य प्राप्त कर सकें।

पोर्टल में सैटेलाइट गिरदावरी नही होने के कारण स्लॉट बुक नही हो रहा है-धर्मदास डहाके

किसान धर्मदास डहाके ने बताया की हम लिंगमारा के रहने वाले हैं हमारे द्वारा रबी की फसल में गेहूं की बुवाई की गई थी। जिसकी फसल कटाई कर शासन को देने के लिए तैयार हो गई है इस संबंध में हमारे द्वारा पूर्व में पंजीयन भी करवा लिया गया था। अभी हम शासन को अपनी फसल देने के लिए स्लॉट बुक करने के लिए आए हुए थे। परंतु पोर्टल में सैटेलाइट गिरदावरी ना होने के कारण स्लॉट बुक समर्थ बताया जा रहा है। जिसके लिए समिति अधिकारी कर्मचारियों से हमारे द्वारा चर्चा की गई है परंतु कोई हल अभी निकला नहीं है यदि ऐसा ही रहा तो हमें नुकसान सहन करना पड़ेगा।

स्लॉट बुक नही होने से शासन को फसल नही बेच पा रहे है-चिंतामन डहाके

चिंतामन डहाके ने बताया की हम समिति स्लॉट बुक करवाने के लिए आए हुए थे परंतु यहां पर स्लॉट बुक नहीं हो पा रहा है। ऐसे में शासन को गेहूं की फसल देने की समस्या उत्पन्न हो गई है यहां कोई सैटेलाइट गिरदावरी की बात कही जा रही है। जबकि पूर्व में पटवारी के द्वारा गिरदावरी की गई थी जिसके आधार पर हमारा पंजीयन हुआ है। उस समय भी भारी दिक्कत का सामना कर पंजीयन करना पड़ा दिन रात चक्कर लगाने पड़े और अब यह स्लॉट बुक करना भी सर दर्द हो गया है। शासन को इस प्रकार से हो रही अव्यवस्थाओं पर ध्यान देना चाहिए और इसके सुधार करने चाहिए परंतु शासन के द्वारा जो किया जा रहा है यह ठीक नहीं है। मेरे जैसे कई किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है विकासखंड का इकलौता केंद्र है जिसकी सोसायटी में सुबह से किसान चक्कर लगा रहे हैं। परंतु किसी का भी स्लॉट बुक नहीं हो पा रहा है हमारी मांग है कि शासन प्रशासन इधर गंभीरता से ध्यान देकर व्यवस्था बनाएं।

गिरदावरी को असत्यापित बता रहे है अधिकारियों को सूचना दे दी गई है-रविंद्र पारधी

खरीदी प्रभारी रविंद्र पारधी ने बताया कि किसानों का स्लॉट बुक करने के लिए जाते हैं तो उसमें सेटेलाइट के माध्यम से सत्यापन असफल बता रहा है। सैटेलाइट का जो सर्वे हुआ था उसमें किसानों ने फोन नहीं उठाया जिससे उनकी फसल असत्यापित कर दी गई है। अभी पंजीयन असत्यापित बता रहा है किसान भी जागरुक है कई फोन कॉल आते हैं जिसमें कंपनी या फ्रॉड की संभावना रहती है जिससे बचने उसे नहीं उठाते हैं। जबकि पटवारी ने जो गिरदावरी की थी उसके आधार पर किसानों का पंजीयन हुआ था आज वही गिरदावरी को असत्यापित बता रहे हैं। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। यह खरीदी १५ अप्रैल से प्रारंभ हुई है इसमें ३०० किसानों के पंजीयन है जिसमें से चार किसानो के स्टॉल अभी तक बुक हुए हैं। बाकी सुबह से करीब ४० किसान स्लॉट बुक नही होने से वापस लौट गए हैं।

बालाघाट में गेहूँ खरीदी शुरू, 13 उपार्जन केंद्रों पर नोडल अधिकारी तैनात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत किसानों से गेहूँ खरीदी का कार्य 15 अप्रैल से शुरू हो गया है। कलेक्टर मृणाल मीना ने खरीदी प्रक्रिया को सुचारु एवं पारदर्शी बनाने के लिए जिले के 13 उपार्जन केंद्रों पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। नियुक्त नोडल अधिकारी खरीदी केंद्रों की गतिविधियों पर निगरानी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि पंजीकृत किसानों को समय पर टोकन जारी हो तथा निर्धारित मात्रा के अनुसार गेहूँ की तौल और भंडारण सही तरीके से हो। साथ ही, खरीदे गए गेहूँ के परिवहन और गोदामों में सुरक्षित स्टैकिंग की व्यवस्था भी उनकी जिम्मेदारी होगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मौके पर ही समस्याओं का समाधान किया जाएगा। यदि किसी समस्या का निराकरण तत्काल संभव नहीं हो पाता है, तो उसे वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। उपार्जन केंद्रों पर बारदान (जूट के बोरे) की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। कमी की स्थिति में संबंधित अधिकारी जिला प्रबंधक, म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन और ई-उपार्जन वाट्सएप समूह के माध्यम से तत्काल सूचना देंगे। जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने पंजीकरण और टोकन के आधार पर ही गेहूँ विक्रय के लिए उपार्जन केंद्रों पर पहुंचें, ताकि खरीदी कार्य व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

13 उपार्जन केंद्रो में नियुक्त नोडल अधिकारी

बालाघाट तहसील के ग्राम लामता के उपार्जन केन्द्र लामता केंद्र क्रमॉक 01 के लिए कृषि विस्तार अधिकारी श्री लक्ष्मीकांत खांडेकर मो.नं. (7869127177) एवं पायली उपार्जन केंद्र में कृषि विस्तार अधिकारी श्री रेखचंद मनघटे (9424371365) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह किरनापुर तहसील के ग्राम बडगांव उपार्जन केंद्र क्रमांक 01 में कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमति महेश्वरी भालाधरे (9165605413), लांजी तहसील के उपार्जन केंद्र लांजी केंद्र क्रमांक 01 में श्री अमित नारनौरे (7697109065), वारासिवनी तहसील के उपार्जन केन्द्र वारासिवनी केन्द्र क्रमांक 01 में श्री गौतम पुसामे (8858958246), खैरलांजी तहसील के ग्राम खैरलांजी उपार्जन केंद्र किन्ही मंडी शेड केन्द्र क्रमांक में श्रीमति करूणा उके (9424992190), कटंगी तहसील के ग्राम थाना उपार्जन केन्द्र कटंगी नंदलेसरा गादाम केन्द्र क्रमांक में कुमारी मोनिका मसराम(8517034160) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार बैहर तहसील के ग्राम बैहर नजूल उपार्जन केंद्र बैहर नजूल में श्रीमति प्रेमादिनी नाग (8989252838) एवं ग्राम गढी उपार्जन केंद्र परसामाउ गढी में श्री आकाश कुमार ऐडे (9584005377), बिरसा तहसील के ग्राम दमोह उपार्जन केंद्र दमोह तरुण वेयरहाउस केंद्र क्रमांक 01 में खिमलेश्वरी धुर्वे (7828146461), परसवाडा तहसील के उपार्जन केंद्र परसवाडा सावित्री वेयरहाउस केंद्र क्रमांक में कु. वर्षा तिलगाम (7477003892) एवं ग्राम छपरवाही समिति चिखलाझोडी छपरवाही केंद्र क्रमांक 01 में श्री वीरेन्द्र मरकाम (9425757274) तथा लालबर्रा तहसील के ग्राम पांढरवानी वृत्ताकार समिति लालबर्रा केंद्र पांढरवानी केंद्र क्रमांक 01 के लिए कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमति प्रतिभा रंगारे (9589178087) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल खैरलांजी का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाईस्कुल हायर सेकेण्डरी सर्टीफिकेट परीक्षा वर्ष २०२६ का शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खैरलांजी का परीक्षा परीणाम उत्कृष्ट रहा है। प्राचार्य पी एल मेश्राम ने बताया कि उनकी संस्था में हाईस्कुल सर्टीफि केट परीक्षा २०२६ का परीणाम १०० प्रतिशत रहा। जिसमें प्रथम श्रेणी में ११ विद्यार्थी एवं द्वितीय श्रेणी में ७ विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए है। हाईस्कुल सर्टिफिकेट परीक्षा २०२६ में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयों के नाम इस प्रकार है। प्रथम स्थान श्रद्धा तितरमारे ५०० में ४२८ अंक ८५.६ प्रतिशत, द्वितीय स्थान स्थान सोनम तुमाने ५०० में ३८७ अंक ७७.४ प्रतिशत, तृतीय स्थान काजल हरिनखेड़े ५०० में ३७४ अंक ७४.८ प्रतिशत। इसी प्रकार हायर सेकेण्डरी सर्टीफिकेट परीक्षा २०२६ का परीक्षा परीणाम ६९ प्रतिशत रहा है। जिसमें प्रथम श्रेणी में २६ विद्यार्थी,द्वितीय श्रेणी में ५ विद्यार्थी रहे। हायर सेकेण्डरी परीक्षा २०२६ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयों इस प्रकार हैं। कक्षा में स्थान प्रथम जीव विज्ञान समुह विद्यार्थी का नाम अनुपम सुलकिया ५०० में ४४४ अंक ८८.८ प्रतिशत, कला संकाय नंदिनी सहारे ५०० में ४३० अंक ८६ अंक प्राप्त किए हैं। सभी विद्यार्थियों को विद्यालय के प्राचार्य पी एल मेश्राम के द्वारा बधाईया प्रेषित करते हुए अच्छे परीक्षा परीणाम के लिए प्रशंसा की गई। इसी प्रकार विद्यालय के अन्य शिक्षकों द्वारा सभी विद्यार्थियों की भूरी भूरी प्रशंसा की गई।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से समाज के समग्र विकास, समानता और सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी-निर्मला पटले

नारी शक्ति वंदन पखवाड़े के तहत महिला पदयात्रा आयोजित

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर मेड्डु नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी है। इसी क्रम में १७ अप्रैल २०२६ को कलेक्टर मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में महिला पदयात्रा का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा पुलिस विभाग, सामाजिक संघटन के समन्वय से किया गया। जिसमें पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, पूर्व भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती निर्मला पटले, किरण शर्मा, पूर्व जं.प. अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बिसेन सहित सैकडो महिलाओं ने भी सहभागीता कर केन्द्र सरकार व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद इस आशय से ज्ञापित किया की उन्होने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संदर्भ में सदन में बिल पास करने रखा है। नगर के तहसील कार्यालय के मैदान से एक विशाल रैली निकालकर नारी शक्तियो ने नारी शक्ति सम्मान राष्ट्र का अभिमान, सशक्त नारी सशक्त समाज जैसे नारो से बस स्टाप, जय स्तंभ चौक, नगर पालिका के सामने से होते हुये गोलीबारी चौक में एक सभा में परिवर्तित करने का कार्य किया। पदयात्रा का नेतृत्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता दादरे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष पुष्पा अमूले, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बिसेन, पार्षद श्रीमती मधु जैसवाल, श्रीमती दीपा रूसिया , किरण खोखले, श्रीमती निर्मला पटले , श्रीमती रेखा गोखले , श्रीमती किरण शर्मा के द्वारा किया गया। इस दौरान बिकासखंड वारासिवनी से बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस पदयात्रा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य विभाग की महिलाओं, कृषि विभाग की कृषि सखियों, आजीविका मिशन की दीदियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। महिलाओं ने हाथों में सशक्तिकरण से जुड़े संदेशों की तख्तियां लेकर जन जागरूकता का संदेश दिया। तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला आरक्षण विधेयक के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए सरकार के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ने कहा की आज पदयात्रा रूपी रैली में नारीयों ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है। सबसे पहले वे सभी नारी शक्ति की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद ज्ञापित करती है की अब घर के किचन से लेकर संसद तक नारी शक्ति की आवाज राष्ट्र को मजबूत करने के लिये अधिक संख्या मे गूंजेगी। पहले केन्द्र व राज्य सरकारो ने नारी शक्ति को आर्थिक रूप से मजबूत किया और अब महिलाओ को ३३ प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का प्रयास कर नारी शक्ति को और अधिक मजबूत बनाने का कार्य किया है। इसी तरह नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहा की नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह विधेयक लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को ३३ प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करता है। पूर्व भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती निर्मला पटले ने कहा की नारी शक्ति वंदन अधिनियम से ना केवल महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि समाज के समग्र विकास, समानता और सशक्तिकरण को भी नई दिशा मिलेगी। यह कानून महिलाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं नेतृत्व क्षमता से परिपूर्ण बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। पदयात्रा के दौरान संदीप मिश्रा, कदीर शेख, सिंधू मिश्रा, नासिर शेख, गोलू अजहर कुरैशी, नटवर सेलारे, मयूर चौरसिया, हबीब यासीनी, शहबाज मंसूरी, विनोद दांदरे,शिवम शिकारे, मिथलेश बुरडे, मंयक मिश्रा,सुरेन्द्र लडकर, राहिल खान ने शीतल पेयजल वितरित करने का पुनित कार्य किया। रैली में महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी यशोदा भगत, पूनम झा, मधु जायसवाल, रितू अग्रवाल, तुलसी शर्मा, दीपा रूसिया , रेखा गोखले , मीरा आचार्य, सीमा मिश्रा, मोनिका सोनेकर, मिनाक्षी ठाकरे, मंजू भोंडले,शीला रेवेकर, मनीषा पिपरेवार, पूजा विश्वकर्मा, वैशाली डहरवाल, अर्चना पारधी, हेमलता दूबे उपस्थित रही।

बाबा गुलशन शाह और यार खां का ६०वां सालाना उर्स संपन्न

शानओ शौकत से निकला शाही संदल, कव्वाली की धुनों पर झूमे जायरीन अकीदत के साथ पेश की गई चादर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर की ऐतिहासिक और धार्मिक आस्था का केंद्र मानी जाने वाली दरगाह हजरत बाबा गुलशन शाह रहमत अलैह एवं हजरत बाबा यार खां रहमत अलैह का ६०वां सालाना उर्स इस वर्ष भी अकीदत और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। गुलशन शाह यार खाँ शाह उर्स कमेटी के तत्वाधान में आयोजित यह तीन दिवसीय धार्मिक समागम १४ अप्रैल से प्रारंभ होकर १६ अप्रैल को कव्वाली के साथ संपन्न हुआ।

धार्मिक रस्मों के साथ हुआ उर्स का आगाज

उर्स का विधिवत प्रारंभ १४ अप्रैल को किया गया प्रथम दिन दरगाह शरीफ पर गुस्ल पवित्र स्नान की रस्म अदायगी की गई। जिसके उपरांत परचम कुसाई यानि ध्वजारोहण किया गया। इन पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ ही तीन दिनों तक चलने वाले उर्स की शुरुआत हुई। जिसमें पहले ही दिन से जायरीन का हुजूम उमड़ना शुरू हो गया था।

शाही संदल और चादर पोशी की रही धूम

उर्स के दूसरे दिन उर्स कमेटी के तत्वाधान में १५ अप्रैल को

नगर में भव्य शाही संदल निकाला गया। यह संदल नगर के इमाम बाड़े से प्रारंभ होकर विभिन्न चौक चौराहों और गलियों का भ्रमण करते हुए दरगाह शरीफ पहुंचा। संदल के दौरान अकीदतमंदों का उत्साह देखते ही बनता था जहाँ लोगों ने झूमते गाते हुए अपनी आस्था प्रकट की। अंतिम दिवस पर वार्ड नंबर २ से एक और संदल निकाला गया जो पूरे नगर का भ्रमण करते हुए कब्रिस्तान दरगाह गुलशन बाबा एवं यार खान बाबा की दरगाह पहुंचा। यहाँ पूरी धार्मिक रीति रिवाजों के साथ चादर पेश कर मुल्क में अमन.चैन की दुआएं मांगी गईं।

दिल्ली और छिंदवाड़ा के कव्वालों ने बांधा समां

सांस्कृतिक आकर्षण के केंद्र के रूप में आयोजित कव्वाली के प्रोग्राम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। १५ अप्रैल को छिंदवाड़ा चंदामेटा के मशहूर कव्वाल रौशन आजाद ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियों से शमा महफिल को रोशन किया। वहीं १६ अप्रैल को दिल्ली के सुप्रसिद्ध कव्वाल रिहान अली ने सूफियाना कलाम पेश किए जिसका आनंद लेने के लिए दर्शक देर रात तक डटे रहे। कव्वाली के दौरान श्रोताओं का उत्साह ऐसा था कि वे कलाकार पर नजराने इनाम की बारिश करते नजर आए।

लंगर और जन सैलाब सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल

उर्स कमेटी के अनुसार इस दरगाह से केवल मुस्लिम समाज ही नहीं बल्कि गैर मुस्लिम समाज की भी गहरी आस्था जुड़ी हुई है। उर्स के तीनों दिन लंगर का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। अंतिम दिन विशेष लंगर का आयोजन हुआ जिसमें जिले के अलावा अन्य जिलों से आए जायरीन ने भी शिरकत की। उर्स कमेटी के सदस्यों ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा की ख्याति दूर.दूर तक फैली है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष यहां आने वाले भक्तों की संख्या बढ़ रही है। १६ अप्रैल की देर रात कव्वाली के समापन के साथ ही इस तीन दिवसीय उत्सव का शांतिपूर्ण समापन हुआ। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस का भी सहयोग सराहनीय रहा।

क्या 'सम्राट' संभाल पाएंगे नीतीश के भरोसे की विरासत?

बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस 'बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा। सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है। राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था बल्कि राजद के 'माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के 'लव-कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है। मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वह बिहार के लिए एक 'इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के 'विकास' और भाजपा की 'वैचारिक प्रखरता' का संगम हो। अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है लेकिन उन्हें अपनी 'आक्रामक छवि' को अब 'प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा।

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर लोकसभा में मंथन और राजनीति का नया दौर

लोकसभा में महिला आरक्षण कानून से जुड़े तीन महत्वपूर्ण संशोधन विधेयक पेश होने के साथ ही देश की राजनीति एक नए चरण में प्रवेश करती दिखाई दे रही है। इन विधेयकों पर चर्चा के लिए सदन में लंबा समय तय किया गया है और इसके साथ ही यह स्पष्ट हो गया है कि यह केवल एक कानून नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का बड़ा प्रश्न बन चुका है। चर्चा के लिए पहले मतदान हुआ जिसमें बहुमत ने इस विषय पर बहस को मंजूरी दी और अब सभी दल अपने अपने तर्कों के साथ मैदान में हैं।

यह पूरा घटनाक्रम उस पृष्ठभूमि में हो रहा है जब वर्ष 2023 में महिला आरक्षण कानून को संसद से मंजूरी मिली थी। उस समय इसे नारी सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया गया था लेकिन इसके लागू होने की समयसीमा जनगणना और परिसीमन से जुड़ी शर्तों के कारण आगे खिसकती नजर आ रही थी। अब सरकार ने संशोधन के जरिए इन प्रक्रियाओं को सरल बनाने और लागू करने की समयसीमा को आगे लाने की कोशिश की है ताकि वर्ष 2029 के आम चुनावों तक इसका प्रभाव दिखाई दे सके।

नए प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा की कुल सीटों की संख्या को बढ़ाकर 850 करने की योजना है। वर्तमान में यह संख्या 543 है। इस विस्तार के साथ ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है जिससे लगभग 273 सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित होंगी। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं बल्कि प्रतिनिधित्व के स्वरूप का भी संकेत देता है क्योंकि इससे संसद में महिलाओं की भागीदारी में बड़ा उछाल आ सकता है।

सरकार का तर्क है कि यह संशोधन सामाजिक न्याय और समान भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। उनका कहना है कि संविधान में संशोधन करने का अधिकार संसद को है और समय समय पर देश की जरूरतों के अनुसार ऐसे बदलाव जरूरी होते हैं। इस दृष्टिकोण के साथ सरकार यह भी स्पष्ट कर रही है कि परिसीमन की प्रक्रिया को नई जनगणना के बजाय 2011 के आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा जिससे देरी कम हो और कानून जल्दी लागू हो सके।

वहीं विपक्ष ने इस पूरे प्रस्ताव पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि महिला आरक्षण का वे समर्थन करते हैं लेकिन परिसीमन और सीटों की संख्या बढ़ाने के तरीके पर आपत्ति है। विपक्षी

दलों का आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए राज्यों के बीच संतुलन बिगाड़ने की कोशिश हो रही है और यह संघीय ढांचे के लिए चुनौती बन सकता है। कुछ नेताओं ने इसे समाज को वर्गों में बांटने की साजिश भी बताया है।

राजनीतिक बहस का एक और महत्वपूर्ण पहलू मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की मांग को लेकर सामने आया है। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि अगर महिलाओं को आरक्षण दिया जा रहा है तो उसमें सभी वर्गों की महिलाओं को समान रूप से शामिल किया जाना चाहिए। इसके जवाब में सरकार की ओर से यह कहा गया कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संविधान के खिलाफ है और यह संभव नहीं है। इस पर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

इस पूरे विवाद में परिसीमन सबसे अहम मुद्दा बनकर उभरा है। परिसीमन का मतलब है चुनावी क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण ताकि जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। अभी तक सीटों का निर्धारण 1971 की जनगणना के आधार पर किया जा रहा था लेकिन अब इसमें बदलाव का प्रस्ताव है। नए प्रस्ताव के तहत संसद को यह अधिकार दिया जाएगा कि वह तय करे कि किस जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन किया जाए।

इस बदलाव का असर राज्यों पर अलग अलग तरीके से पड़ सकता है। अनुमान के अनुसार उत्तर प्रदेश बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों को सीटों में बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा जबकि दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में सीटों का अनुपात घट सकता है। यही कारण है कि तमिलनाडु और अन्य राज्यों के नेताओं ने इसका विरोध किया है और इसे क्षेत्रीय असंतुलन की ओर कदम बताया है।

महिला आरक्षण के प्रभाव को समझने के लिए वर्तमान स्थिति पर नजर डालना जरूरी है। अभी लोकसभा में महिलाओं की संख्या बहुत कम है और कुल सदस्यों का लगभग चौदह प्रतिशत ही महिलाएं हैं। राज्यसभा में भी यह प्रतिशत बहुत ज्यादा नहीं है। वैश्विक स्तर पर देखें तो भारत इस मामले में काफी पीछे है और कई छोटे देश भी महिलाओं के प्रतिनिधित्व में आगे हैं। ऐसे में यह कानून भारत को इस दिशा में आगे ले जाने की क्षमता रखता है।

हालांकि इसके साथ कुछ व्यावहारिक चुनौतियां भी हैं। आरक्षित सीटों का रोटेशन हर चुनाव में होगा जिससे नेताओं को अपने क्षेत्र बदलने पड़ सकते हैं। इसके अलावा राजनीतिक दलों को भी अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा और अधिक संख्या में महिला उम्मीदवारों को तैयार करना होगा। यह बदलाव केवल कानून से नहीं बल्कि राजनीतिक संस्कृति में परिवर्तन से ही सफल हो सकता है।

संविधान संशोधन होने के कारण इस विधेयक को पारित करने के लिए विशेष बहुमत की आवश्यकता है। इसका मतलब है कि केवल साधारण बहुमत से काम नहीं चलेगा बल्कि उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का दो तिहाई समर्थन जरूरी होगा। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार सरकार के पास बहुमत है लेकिन दो तिहाई समर्थन के लिए उसे अन्य दलों से भी सहयोग लेना पड़ सकता है। यही कारण है कि बैक चैनल बातचीत और राजनीतिक सहमति इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाएगी।

महिला आरक्षण का मुद्दा नया नहीं है बल्कि यह पिछले तीन दशकों से चर्चा में रहा है। कई बार इसे संसद में पेश किया गया लेकिन विभिन्न कारणों से यह पारित नहीं हो सका। वर्ष 2010 में इसे राज्यसभा से मंजूरी मिली थी लेकिन लोकसभा में पेश नहीं किया जा सका। अंततः वर्ष 2023 में इसे कानून का रूप मिला और अब संशोधन के जरिए इसे लागू करने की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि महिला आरक्षण केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। इसके जरिए महिलाओं को राजनीति में अधिक अवसर मिलेंगे और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। हालांकि इसके साथ जुड़े विवाद और चुनौतियां भी कम नहीं हैं और आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि संसद इस पर किस तरह सहमति बनाती है।

अंत में यह कहा जा सकता है कि यह विधेयक भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। यह तय करेगा कि देश सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों को किस हद तक लागू करने के लिए तैयार है। अगर यह सफल होता है तो यह आने वाले वर्षों में राजनीति के स्वरूप को बदल सकता है और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो सकता है।

- कांतिलाल मांडोत

सघर्ष ही जीवन है और जीवन में शान्ति की आवश्यकता

जीवन में रोग से घबराना नहीं चाहिए कल क्या होगा ऐ सिर्फ और सिर्फ भगवान राम जानता है इसलिए स्वस्थ रहने के लिए खुश रहना और खुश रहने के लिए भगवान राम का ध्यान करने से रोग स्वत: ठीक होगा आपको लगा शुगर ज्यादा हो गया और कुछ हो जाएगा तो ऐ सोचने से मानसिक दबाव पड़ता है यह एक प्राचीन प्रथा है जो सदियों से चली आ रही है, लेकिन हाल के वर्षों में शोधकर्ताओं द्वारा स्वास्थ्य पर इसके प्रभावों का अध्ययन करने के कारण इसमें फिर से रुचि पैदा हुई है। कई अध्ययनों ने ध्यान के अनेक लाभों को स्थापित किया है, जिनमें पुरानी बीमारियों के प्रबंधन में इसका उपयोग भी शामिल है ध्यान का उद्देश्य मन को शांत करना है, इसलिए यह मान लेना स्वाभाविक हो सकता है कि यह अभ्यास अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।हालांकि यह हर समस्या का अचूक इलाज नहीं है, लेकिन इन मानसिक बीमारियों से पीड़ित कई लोगों को ध्यान करने से कुछ राहत मिलती है । और इसके लाभों को प्रमाणित करने वाले वैज्ञानिक प्रमाण भी मौजूद हैं।

एक मेटा-विश्लेषण में पाया गया कि आठ सप्ताह की अवधि के दौरान किए जाने वाले ध्यान कार्यक्रम अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकते हैं। इसमें सबसे उत्तम है भगवान राम का ध्यान जिससे आपके अंदर भगवान राम के कर्म की क्रिया को करने की उत्सुकता होगी और जिस दिन भगवान राम के ध्यान में एक चिंगारी भी आ गई तो समझ लेना आपका जीवन बदल गया और डर खत्म होगा आप नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और शान्ति आपके कदम चूमेंगी और भगवान राम आपको सहायता करेंगे और हमेशा खुश रहेंगे भगवान राम नाम जप करते हुए ध्यान करेंगे तो स्वास्थ्य लाभ के साथ ही धर्म लाभ भी मिलेंगे। मंत्र जप और ध्यान मंदिर में या अपने घर पर भी कर सकते हैं। जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम किया जाता है, ठीक उसी तरह मन को स्वस्थ रखने के लिए ध्यान किया जाता है। मेडिटेशन करने से ब्लड प्रेशर संतुलित होता है, शरीर में ऊर्जा बढ़ती है, शरीर को ऑक्सीजन ज्यादा मिलती है, जिससे तनाव दूर होता है, नकारात्मक विचार खत्म होते हैं, मन शांत हो जाता है।मंत्र जप पर किए गए आधुनिक शोध चौंकाने वाले परिणाम दे रहे हैं। जब हम राम बोलते हैं तो हमारे मुख, तालु और कंठ में विशेष कंपन उत्पन्न होती हैं। 1. मस्तिष्क पर प्रभाव अल्फा तरंगें बढ़ती हैं मंत्र जप के दौरान इ ' इ ' ज ी

परीक्षणों में मस्तिष्क में अल्फा तरंगों की वृद्धि दर्ज की गई है, जो गहरी शांति और रचनात्मकता से जुड़ी हैं। कॉर्टिसोल घटता है तनाव हार्मोन कॉर्टिसोल के स्तर में उल्लेखनीय कमी आती है। सेरोटोनिन बढ़ता है खुशी के हार्मोन सेरोटोनिन का स्तर बढ़ता है, जिससे मूड बेहतर होता है। प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स सक्रिय निर्णय लेने और आत्म-नियंत्रण से जुड़ा मस्तिष्क का क्षेत्र अधिक सक्रिय होता है। 2. शरीर पर प्रभाव (कद्द4ह्वद्ब्रुद्घ बद्धद्दद्रहृह्र) रक्तचाप नियंत्रण नियमित मंत्र जप से रक्तचाप में स्थिरता आती है। श्वास की लय राम नाम का जप करते समय श्वास स्वाभाविक रूप से धीमी और गहरी हो जाती है, जो वेगस नर्व को सक्रिय करती है। प्रतिरोधक क्षमता ध्यान और मंत्र जप से इम्यून सिस्टम बेहतर होता है। नींद की गुणवत्ता नियमित जप करने वाले लोगों में बेहतर नींद के पैटर्न देखे गए हैं। 3. राम शब्द की ध्वनि विज्ञान रा उच्चारण करते समय मुख पूरा खुलता है और श्वास बाहर आती है — यह शरीर की दूषित ऊर्जा को बाहर निकालता है। म उच्चारण में होंठ बंद होते हैं और कंपन कपाल में गूँजती है — यह नई ऊर्जा को भीतर स्थिर करती है। इस प्रकार राम नाम एक संपूर्ण श्वास चक्र है। राम नाम जप के आध्यात्मिक फायदे विज्ञान जहाँ समाप्त होता है, वहाँ आध्यात्मिक अनुभव शुरू होता है। राम नाम के जप से होने वाले आध्यात्मिक परिवर्तन क्रमशः इस प्रकार हैं प्रारंभिक चरण (1 लाख - 10 लाख जप) मन का भटकना कम होता है। दिनचर्या में अनुशासन आता है। क्रोध और अधीरता में स्वाभाविक कमी। भगवान के प्रति जिज्ञासा और प्रेम जागता है। मध्यम चरण (10 लाख - 50 लाख जप) ध्यान में गहराई आती है — मन तेजी से स्थिर होता है। जीवन की परिस्थितियों को स्वीकार करना आसान होता है। स्वप्न में राम दर्शन या रामलीला जैसे दृश्य आने लगते हैं। जो बोलते हैं, वह सत्य होने लगता है (वाक् सिद्धि के प्रारंभिक लक्षण)। उच्च चरण (50 लाख - 1 करोड़ जप) चित्त शुद्धि अवचेतन मन के गहरे संस्कार साफ होने लगते हैं। अजपा जप राम नाम श्वास के साथ स्वयं चलने लगता है, बिना प्रयास के। भय का अंत मृत्यु का भय, असफलता का डर — सब धीरे-धीरे समाप्त होता है। भगवत् कृपा जीवन में अनायास सकारात्मक घटनाएँ घटने लगती हैं।हालांकि राम का कितने बार नाम लिया ऐ गिनने की जरुरत नहीं है खुद ही धीरे धीरे आपको अंदर से जब मन शांत हो जाए तो खुद ही आराम मिलेगा धूर्त लोग इससे जलेंगे क्योंकि वो आपसे सच्चा प्यार नहीं करते हैं जब पैसा मिलते रहता है तो बहुत अच्छा और नहीं तो छोड़ देंगे या रिश्ते खराब कर देंगे डॉ किसी बीमारी के इलाज के लिए कुछ नहीं खाने को बोलते हैं तो ना खाएंगे लेकिन डॉ को आपकी कितनी उम्र लिखी है क्या मालूम है अतः आप शुद्ध सात्विक भोजन ले दवाई से बचें और भगवान राम का ध्यान करें तो शुरुआत में मन इधर उधर भटकता है और आपका मन ही आत्मा है जो किसी कार्य करने की सलाह देता है अच्छा में मेहनत लगेगा फल मीठा होगा खराब में भ्रस्टाचार से धन मिलेगा लेकिन सेहत खराब होगा लोभ पैदा होगा, इसलिए आज युद्ध के माहौल में शांति की आवश्यकता है इसके लिए भगवान राम का ध्यान सबसे उत्तम है जिससे हमारे शरीर के टेलोमेर का संरक्षण होता है क्योंकि नहीं बोलने और शान्ति से रहने पर इन कोशिका पर तनाव नहीं होता है टेलोमेर हमारे गुणसूत्रों के सिरों पर मौजूद डीएनए और प्रोटीन की सुरक्षात्मक टोपियां हैं, जो आनुवंशिक जानकारी को नुकसान से बचाती हैं। इन्हें जूते के फीतों के सिरों (aglets) की तरह समझा जा सकता है, जो गुणसूत्रों को खुलने या आपस में उलझने से रोकते हैं। हर कोशिका विभाजन के साथ ये छोटे होते जाते हैं, और उम्र बढ़ने का संकेत देते हैं। टेलोमेर के बारे में मुख्य विवरण संरचना टेलोमेर डीएनए अनुक्रमों के दोहराव से बने होते हैं, जो गुणसूत्रों को डैमेज से बचाते हैं। कार्य ये गुणसूत्रों की अखंडता बनाए रखते हैं और उन्हें अन्य गुणसूत्रों के साथ जुड़ने से रोकते हैं। कोशिका विभाजन कोशिका विभाजन के दौरान टेलोमेर थोड़े छोटे हो जाते हैं। जब ये बहुत छोटे हो जाते हैं, तो कोशिका विभाजित होना बंद कर देती है और मर जाती है।

उम्र बढ़ना छोटे टेलोमेर बुढ़ापे और उम्र से संबंधित बीमारियों से जुड़े होते हैं। टेलोमेरेस = यह एक एंजाइम है जो टेलोमेर की लंबाई को बनाए रखने या मरम्मत करने में मदद करता है। संक्षेप में, टेलोमेर कोशिका के जीवन और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने वाले आनुवंशिक सिरे हैं। टेलोमेयर डीएनए-प्रोटीन संरचनाएं हैं जो गुणसूत्रों के सिरों पर पाई जाती हैं, जिनका कार्य जीनोमिक स्थिरता और कोशिका जीवन को बनाए रखना है। उनकी लंबाई एक वंशानुगत बायोमार्कर है जो आनुवंशिक उम्र बढ़ने के बारे में जानकारी दे सकती है।जो भगवान राम के ध्यान से होगा।

-संजय गोस्वामी

(18 अप्रैल दिवस विशेष आलेख)

विश्व धरोहर दिवस- सभ्यता की अमूल्य धरोहरों को बचाने का संकल्प

- सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व विरासत दिवस, वर्ल्ड हेरिटेज डे तथा आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस (इंटरनेशनल डे फोर मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स) कहा जाता है। यह दिवस मानवता की साझा सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।वास्तव में, विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स) वे स्थान हैं जिन्हें मानवता के लिए उनके असाधारण सार्वभौमिक महत्व के आधार पर मान्यता दी जाती है और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने हेतु विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाता है। इन स्थलों का संरक्षण यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972 के अंतर्गत किया जाता है, जिसे यूनेस्को सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया गया एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौता माना जाता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्वभर के ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों, पुरातात्विक अवशेषों, प्राकृतिक संपदाओं तथा मानव सभ्यता से जुड़ी अमूल्य विरासतों के संरक्षण के प्रति जनचेतना उत्पन्न करना है। वास्तव में धरोहर केवल पत्थरों से बनी इमारतें नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, परंपरा, कला, ज्ञान, संघर्ष, इतिहास और सामूहिक पहचान की जीवंत प्रतीक हैं।

उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा ट्यूनीशिया में आयोजित बैठक में हुई, जहाँ 18 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके बाद वर्ष 1983 में यूनेस्को की 22वीं महासभा ने इसे औपचारिक मान्यता प्रदान की। तभी से प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को यह दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। विश्व धरोहर स्थल विशेष स्थान, भवन, दुर्ग, नगर, वन, पर्वत, झील, मरुस्थल या प्राकृतिक क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें मानवता के लिए विशिष्ट महत्व का माना जाता है। किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करने से पूर्व यूनेस्को उसे कठोर मानकों पर परखता है। वर्तमान में 10 चयन मानदंड निर्धारित हैं, जिनमें से कम से कम एक को पूरा करना आवश्यक है। इनमें ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य कला, सांस्कृतिक प्रभाव, प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा वैज्ञानिक महत्व जैसे पहलू सम्मिलित हैं।विश्व धरोहर मुख्यत: तीन प्रकार की होती है- पहली, सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें स्मारक, मंदिर, मस्जिद, चर्च, किले, मूर्तियाँ, प्राचीन नगर, स्थापत्य कला, भाषा, संगीत, नृत्य और परंपराएँ शामिल हैं। दूसरी, प्राकृतिक धरोहर, जिसमें पर्वत, नदियाँ, समुद्र, वन, वन्यजीव, जैव विविधता और अद्वितीय प्राकृतिक परिदृश्य आते हैं तथा तीसरी, मिश्रित धरोहर, जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों विशेषताएँ विद्यमान होती हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूनेस्को केवल स्थायी संरचनाओं या प्राकृतिक स्थलों को ही नहीं, बल्कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी मान्यता देता है। भारत की योग परंपरा और कुंभ मेला इसके प्रमुख उदाहरण हैं। विश्व स्तर पर सबसे अधिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों वाला देश इटली है, जिसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत भी विश्व धरोहर स्थलों की दृष्टि से अग्रणी देशों में सम्मिलित है। यूनेस्को एक विशेष सूची वर्ल्ड हेरिटेज इन डेंजर भी संचालित करता है, जिसमें उन स्थलों को शामिल किया जाता है जो युद्ध, प्रदूषण, प्राकृतिक आपदा, अतिक्रमण, अत्यधिक पर्यटन, जलवायु परिवर्तन या उपेक्षा के कारण संकट में हों। यदि कोई स्थल संरक्षण मानकों का पालन न करे या उसका मूल स्वरूप गंभीर रूप से बदल जाए, तो उसे सूची से हटाया भी जा सकता है। उदाहरणस्वरूप ओमान का अरेबियन ओरिक्स अभयारण्य तथा जर्मनी की ड्रेसडेन एल्बे घाटी को सूची से हटाया जा चुका है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 तक विश्वभर के 196 देशों में लगभग 1,223 विश्व धरोहर स्थल थे, जिनमें 952 सांस्कृतिक, 231 प्राकृतिक और 40 मिश्रित स्थल शामिल हैं। भारत जैसे प्राचीन और बहुसांस्कृतिक देश में इस दिवस का विशेष महत्व है। अप्रैल 2025 तक भारत में 43 विश्व धरोहर स्थल (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) तथा 62 स्थल संभावित सूची में सम्मिलित थे। भारत के प्रमुख धरोहर स्थलों में ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अजंता-एलोरा गुफाएँ, एलीफेंटा गुफाएँ, खजुराहो समूह, सांची स्तूप, महाबोधि मंदिर, हम्पी, महाबलीपुरम, जंतर-मंतर, कुतुब मीनार, लाल किला, कोणार्क सूर्य मंदिर, नालंदा, भीमबेटका, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट तथा कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं। राजस्थान धरोहर संपदा की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ जयपुर शहर, जंतर-मंतर जयपुर, आमेर किला, चित्तौड़गढ़ दुर्ग, कुंभलगढ़, रणथंभौर दुर्ग, जैसलमेर किला, गागरोन दुर्ग तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान जैसे विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं। वर्ष 2021 में भारत के रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) तथा धोलावीरा (गुजरात) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया, जिससे भारत की संख्या में वृद्धि हुई।विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष एक विशेष थीम घोषित की जाती है।वर्ष 2025 की थीम थी-आपदाओं और संघर्षों से विरासत खतरे में आइसीओएमओएस के 60 वर्षों के अनुभवों से तैयारी और सीख। तथा वर्ष 2026 की थीम है- संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया। रखी गई है।इसका आशय यह है कि युद्ध, संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं के समय केवल भवनों और स्मारकों की ही नहीं, बल्कि जीवित विरासतों-जैसे लोक परंपराएँ, सामाजिक ज्ञान, सांस्कृतिक पहचान और समुदाय आधारित परंपराएँ की भी त्वरित सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। वर्तमान समय में बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध निर्माण, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ और लापरवाही अनेक धरोहरों के अस्तित्व पर संकट बनकर खड़े हैं। इसलिए इनका संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। धरोहरों से हमारी जड़ें मजबूत होती हैं, राष्ट्रीय गौरव बढ़ता है और पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिलती है। भारत सरकार ने भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु अनेक महत्वपूर्ण पहलें की हैं। विदेशों में पहुँचे प्राचीन पुरावशेषों की वापसी के प्रयास तेज किए गए हैं, और वर्ष 1976 से अब तक लगभग 655 पुरावशेष भारत वापस लाए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, वर्ष 2024 में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोचन जैसी कृतियों को यूनेस्को की विश्व स्मृति समिति के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रजिस्टर में शामिल किया गया, जिससे भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक सम्मान मिला। यह अच्छी बात है कि वर्ष 2017 में प्रारंभ हेरिटेज एडॉप्ट कार्यक्रम के माध्यम से सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं को सीएसआर फंडिंग के जरिए विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास में भागीदारी का अवसर दिया गया। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मिशन के अंतर्गत 12.3 लाख से अधिक पुरावशेषों तथा 11,400 विरासत स्थलों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही डिजिटल स्पेस में भारतीय विरासत पहल के माध्यम से लोगों को आभासी रूप से विरासत स्थलों का अनुभव कराया जा रहा है।भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा विकसित मस्ट सी पोर्टल पर लगभग 100 प्रमुख स्मारकों की जानकारी, चित्र और दृश्य उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे पर्यटकों और शोधकर्ताओं को सुविधा मिलती है। जुलाई 2024 में भारत ने दिल्ली में यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की मेजबानी कर वैश्विक सांस्कृतिक नेतृत्व में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। माल की उपलब्धता कमजोर रहने से शुक्रवार को किराना जिंसों में खोपरा गोला बढ़त पर रहा। शक्कर में कीमतें बनी रहीं। खाद्य तेलों में बाजार टिके रहे। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खोपरे गोले में माल की अक्षत है। जिससे बाजार में सुर्खी है। खोपरा गोला लगातार ही मजबूत बना हुआ है। वहीं, शक्कर में भाव बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा सामान्य रही। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4090-4170, खोपरा गोला 370-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारीक 220-380, राई दाल 90-95, सरसों दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1725-1730, मुम्बई 1740, राजकोट तेलिया 2660, सोया साल्वेंट 1425-1430, सोया रिफाइंड 1485-1490, कपास्या 1470, धूलिया 1480, कड़ी 1480,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1740-1750, मुम्बई पाम 1440, मुम्बई सोया 1540,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसों 7200-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5500-5600, एवरेज 5550-5600, विशाल 5550-5575, महाराष्ट्र विशाल 5525-5550, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7100-7200, एवरेज 6800-6900, हल्की 6500-6700, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 390 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार कमजोर ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 245000, चाँदी (99) 244500, टंच 244100, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 152600,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय 4 पैसे की बढ़त के साथ ही 92.74 रुपये पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 28 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.86 पर पहुंच गया। भूराजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीद और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान से घरेलू मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.93 पर खुला और शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ 92.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर से 28 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले 19 पैसे मजबूत होकर 93.14 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी बढ़कर 98.07 पर पहुंच गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जल्द समाप्त होने की उम्मीदों से भी निवेशकों में उत्साह है जिससे भी बाजार उछला है। आज कारोबार के दौरान इसी कारण सेंसेक्स और निफ्टी में 0.65 फीसदी की बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 504.86 अंकों के उछाल के साथ ही 78,493.54 स्तर पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 156.80 अंक बढ़कर 24,353.55 पर बंद हुआ। आज एक समय सेंसेक्स 78,553.45 वहीं निफ्टी 24,371.90 तक पहुंच गया। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 में 1.27 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 फीसदी की बढ़त रही। दूसरी ओर निफ्टी आईटी जिसमें 0.02

फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। सभी इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते हुए नजर आए। सबसे ज्यादा निफ्टी एफएमसीजी में 2.65 फीसदी, निफ्टी मीडिया में 1.34 फीसदी, निफ्टी मेटल में 1.10 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 0.94 फीसदी की बढ़त रही। इसके अतिरिक्त निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.78फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.74 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.61 फीसदी की तेजी रही।निफ्टी में जेएसडब्ल्यू स्टील, नेस्ले इंडिया, अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज, पावर ग्रिड, मैक्स हेल्थ के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई जबकि एचडीएफसी लाइफ, सनफार्मा, बजाज-ऑटो, एमएंडएम, एचसीएल टेक, एलएंडटी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। इससे पहले आज सुबह बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत हुई पर जल्द ही रिकवरी के साथ बाजार लाभ में आ गया। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 78,000 के स्तर के पास 74.05 अंक की मामूली बढ़त के साथ 78,062.73 पर, और निफ्टी 4.50 अंक बढ़कर 24,201.25 के स्तर पर खुला।

रूसी-ईरानी तेल पर अमेरिकी छूट खत्म, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर असर

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका ने रूस और ईरान से कच्चे तेल तथा पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद पर दी गई एक महीने की विशेष छूट को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह छूट, जो भारत के लिए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण बढ़ी आपूर्ति की कमी को पूरा करने में सहायक थी, अब समाप्त हो गई है। इस निर्णय से भारत की ऊर्जा आपूर्ति रणनीतियों में नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्पष्ट किया कि रूसी और ईरानी तेल के लिए सामान्य लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा, क्योंकि 11 मार्च से पहले समुद्र में मौजूद सारा तेल अब इस्तेमाल हो चुका है। रूसी तेल पर यह छूट 11 अप्रैल को समाप्त हुई, जबकि ईरानी तेल पर इसी तरह की छूट 19 अप्रैल को खत्म हो रही है। इस अवधि के दौरान, पश्चिम एशिया में तनाव के चलते आपूर्ति में आई कमी को पूरा करने के लिए भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की थी। आंकड़ों के अनुसार, मार्च में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़कर नौ महीने के उच्चतम स्तर 20.6 लाख बैरल प्रतिदिन पर पहुंच गया था, जो फरवरी में 10.6 लाख बैरल प्रतिदिन था। हालांकि, अमेरिकी छूट खत्म होने के बावजूद, भारतीय रिफाइनरियों ने संकेत दिया है कि वे उन रूसी आपूर्तिकर्ताओं और जहाजों से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेंगी जिन पर कोई अमेरिकी प्रतिबंध नहीं है। गौरतलब है कि भारत ने 2019 से अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने से बचने के लिए ईरान से ऊर्जा उत्पादों की खरीद रोक दी थी, जबकि प्रतिबंध से पहले ईरानी तेल भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 11.5 फीसदी था।

पश्चिम एशिया संकट की मार, महंगी हो सकती हैं जीवनरक्षक औषधियां

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में गहराते संकट का असर अब सीधा मरीजों की जेब पर पड़ने वाला है। पेट्रोल-एलपीजी की बढ़ती कीमतों से पहले ही जूझ रहे आम आदमी को अब जीवनरक्षक दवाओं के लिए भी अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। सरकार ने कैंसर की दवाओं, एंटीबायोटिक्स और इंजेक्शन सहित कई जरूरी औषधियों की कीमतों में लगभग 10 से 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव किया है, जिसका मुख्य कारण वेस्ट एशिया में जारी तनाव के चलते दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग लागत में भारी उछाल आना है। यह कदम फिलहाल एक अल्पकालिक समाधान के तौर पर उठाया जा रहा है, जिसकी अवधि लगभग तीन महीने तक सीमित रखने पर चर्चा हो रही है। सरकार का उद्देश्य है कि दवा उद्योग को मौजूदा संकट से राहत मिले, लेकिन उपभोक्ताओं पर लंबे समय तक बोझ न पड़े। हालांकि, मरीजों के लिए यह एक बड़ा झटका होगा, जो पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे हैं। दवाओं की लागत में यह उछाल मुख्य रूप से खाड़ी देशों से सॉल्वेंट्स की आपूर्ति में बाधा के कारण आया है। ये सॉल्वेंट्स दवा निर्माण प्रक्रिया में जरूरी रसायनों को घोलने, शुद्ध करने और प्रोसेस करने में उपयोग होते हैं। ईरान युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण इन रसायनों की आवक कम हो गई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमतें आसमान छू रही हैं। दवा कंपनियों का कहना है कि इनपुट लागत में तेजी से बढ़ोत्तरी और मार्जिन पर दबाव के कारण उनका उत्पादन प्रभावित हो रहा है। उद्योग संगठनों जैसे ओपीपीआई और आईपीए ने सरकार से मूल्य समायोजन की मांग की है, ताकि त्पादन को बनाए रखा जा सके। कुछ उद्योग समूहों ने तो 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की मांग भी रखी थी। दवा निर्माताओं ने चेतावनी दी है कि यदि कीमतों में वृद्धि नहीं की गई, तो कई आवश्यक दवाओं का उत्पादन आर्थिक रूप से घाटे का सौदा बन जाएगा और उन्हें उत्पादन रोकना पड़ सकता है। इससे बाजार में दवाओं की कमी हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि यह स्थिति दो से तीन महीने तक बनी रहती है, तो दवा उत्पादन पर व्यापक असर पड़ सकता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपको सिखाएगा धैर्य ही असली ताकत है। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर रखें। विरोधी सक्रिय रहेंगे, लेकिन आपकी समझदारी उन्हें मात दे देगी। दोस्तों का साथ मनोबल बढ़ाएगा और कहीं घूमने का प्लान भी बन सकता है। बोलते समय शब्दों का चयन बहुत जरूरी है। विद्यार्थियों के लिए संकेत साफ है। लापरवाही की तो मुश्किलें खुद बढ़ेंगी।

वृषभ- आज शांति ही आपकी सबसे बड़ी जीत है। किसी भी विवाद से दूर रहना ही समझदारी होगी। मन थोड़ा उलझा रहेगा, लेकिन अटकी हुई डील अचानक पूरी होकर राहत दे सकती है। संतान के लिए कोई बड़ा फैसला जैसे नया वाहन ले सकते हैं। पुराने वादे निभाने का समय है। विद्यार्थियों के लिए ऊंची पढ़ाई के रास्ते खुलेंगे और सिंगल लोगों के जीवन में प्यार दस्तक दे सकता है।

मिथुन- आज धन और अवसर दोनों आपके दरवाजे पर दस्तक देंगे। लेकिन किसी की मीठी बातों में आकर फैसला न लें। विदेश से जुड़े काम में खुशखबरी मिल सकती है। माता जी की सेहत चिंता बढ़ा सकती है, डॉक्टर से सलाह जरूरी है। अपनी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचें, नहीं तो पिताजी की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

कर्क- आज आपकी आमदनी बढ़ने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में टीम का पूरा साथ मिलेगा, लेकिन जल्दबाजी में गलती हो सकती है। धार्मिक माहौल में समय बिताने से मन को सुकून मिलेगा। रिश्तेदारों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे और बिजनेस के सिलसिले में यात्रा लाभदायक रहेगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए चमकने का मौका है। परिवार और दोस्तों के साथ शानदार समय बितेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में काम करने वालों को नई पहचान मिलेगी। नया काम शुरू करने से पहले सोच-विचार जरूरी है। विद्यार्थियों की कोई बड़ी इच्छा जैसे मनचाहा कोर्स पूरी हो सकती है।

कन्या- आज आलस्य छोड़कर आगे बढ़ने का दिन है। आपकी मीठी वाणी ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। अफवाहों या सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा न करें। मां की दी हुई जिम्मेदारी समय पर पूरी करनी होगी। किसी समस्या का हल भाइयों से बातचीत में मिल सकता है। जोखिम भरे कामों से दूरी बनाए रखें।

तुला- आज जिम्मेदारियों का भार थोड़ा बढ़ सकता है। खर्चे आय से ज्यादा हो सकते हैं, जिससे तनाव रहेगा। संतान का व्यवहार भी चिंता दे सकता है। एक साथ कई काम आने से दिमाग व्यस्त रहेगा। लाइफस्टाइल सुधारने के लिए खरीदारी करेंगे। किसी सहयोगी से बेवजह विवाद हो सकता है। लेकिन यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

वृश्चिक- आज भाग्य आपके साथ खड़ा है। नौकरी में शानदार प्रदर्शन आपको खास बना देगा और प्रमोशन के संकेत मिल सकते हैं। नए काम में कदम सोच-समझकर रखें। समय का सही उपयोग ही सफलता दिलाएगा। नई नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से रुके काम पूरे होंगे।

धनु- आज बड़ों का आशीर्वाद आपको आगे बढ़ाएगा। आपकी समझदारी भरे फैसले लोगों को प्रभावित करेंगे। ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और काम समय पर पूरे करेंगे। ध्यान थोड़ा भटक सकता है, इसलिए फोकस जरूरी है। संतान की संगति पर नजर रखें। किसी विवाह से जुड़ी समस्या का हल दोस्त की मदद से निकल सकता है।

मकर- आज खुशखबरी आपका इंतजार कर रही है। दूर बैठे किसी अपने से अच्छी खबर मिल सकती है। पेंडिंग कामों को पूरा करने का मौका मिलेगा। लेकिन पैसों के मामले में किसी अजनबी पर भरोसा करना भारी पड़ सकता है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए सफलता के दरवाजे खोलेगा और तरक्की की रुकावटें दूर होंगी।

कुंभ- आज का दिन सामान्य लेकिन सीख देने वाला है। बिजनेस में तकनीकी समस्या परेशानी दे सकती है। काम का दबाव बढ़ेगा, लेकिन टीम का सहारा मिलेगा। विद्यार्थियों को अपने गुरुजनों से मार्गदर्शन लेना चाहिए। आपकी कोई खास इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे दिल खुश हो जाएगा। परिवार का साथ आपको मजबूती देगा।

मीन- आज मेहनत आपका सबसे बड़ा हथियार बनेगी। आप अपनी लगन से एक नई ऊंचाई हासिल करेंगे। खर्चे बढ़ सकते हैं, इसलिए संतुलन जरूरी है। परिवार के बुजुर्गों की सेहत पर ध्यान दें। कुछ नया करने की कोशिश सफल होगी। विरोधियों को पहचानना जरूरी है, नहीं तो नुकसान हो सकता है।

शब्दजाल - 8232

शब्दजाल में जॉन अब्राहम की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

बाबुल, काबुल एक्सप्रेस, जिन्दा, गरम मसाला, काल, कर्म, एतबार, साया, पाप, जिस्म.

ग	दि	न	ल	वे	म	ज	ब	न	र	क
र	बा	बु	ल	आ	ब	जी	द	इ	ल	ल
म	व	दे	पू	ह	जी	स्म	न	का	क	हो
म	धी	न	श	ट	ज	प	म	पा	त	न
सा	त	ई	पा	में	व	खें	न	भा	क	का
ला	मे	म	सु	प	जं	र	न	ई	र	बु
श	जं	मैं	मे	ता	क	सा	या	न	ज	ल
क	क	ग	ए	सं	ज	प	र	ली	न	ए
प्रे	बो	र्न	य	त	वि	क	री	जि	प	क्स
त	रा	जु	न	ज	बा	त्र	व	ब्दा	ता	प्रे
वे	वी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

शब्दजाल - 8231 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

18 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.25 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	07.09 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.07 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.21 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	13.37 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	15.49 बजे से
शनि	मीन में	तुला	17.59 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.14 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.30 बजे से
		मकर	00.35 बजे से
		कुंभ	02.22 बजे से
		मीन	03.55 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 108 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास वैशाख पक्ष शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 14.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 09.43 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 23.56 बजे को समाप्त।
करण बव 14.11 बजे तदनन्तर बालव 00.31 बजे रात्रि को समाप्त।
चन्द्रायु 0.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 45'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872683
जुलियन दिन 2461148.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 29
विशेष चन्द्रदर्शन, पराशर ऋषि जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से 07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक	
चर	11.46 से 01.14 बजे तक		चर	11.47 से 01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक		रोग	01.19 से 02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक		काल	02.51 से 04.23 बजे तक	
काल	04.10 से 05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः बापू की रजाई

गांधीजी रोज अपने आश्रम की हर चीज का बारीकी से मुआयना करते थे। जाड़े के दिनों में एक बार वह आश्रम की गो शाला में पहुंचे। उन्होंने गायों को सहलाया और प्यार से बछड़ों को थपथपाया। उनका प्रेम भरा स्पर्श पाकर जानवरों ने भी गर्दन हिलाकर उनके स्नेह का जवाब दिया। वह वहां से बाहर निकल ही रहे थे कि तभी उनकी नजर पास खड़े एक गरीब लड़के पर गई। उन्होंने पूछा, 'तू रात को यहीं सोता है?' गांधीजी का प्रश्न सुनकर लड़का धीमे से बोला, 'जी बापू जी। मैं रात यहीं बिताता हूं।' गांधीजी बोले, 'बेटा, इन दिनों तो बहुत ठंड है। ऐसे में क्या तुम्हें सर्दी नहीं सताती?' लड़का बोला, 'सर्दी तो बहुत लगती है।' बापू ने कहा, 'फिर तुम ठंड से बचने के लिए क्या ओढ़ते हो?' लड़के ने एक फटी चादर दिखाते हुए कहा, 'मेरे पास ओढ़ने के लिए बस एक यही चादर है।' लड़के की बात सुनकर बापू आश्चर्य से उसे देखते रहे, फिर अपनी कुटिया में लौट आए। उन्होंने उसी समय कस्तूरबा से दो पुरानी साड़ियां मांगी, कुछ पुराने अखबार तथा थोड़ी सी रुई मंगवाई। रुई को अपने हाथों से धुना। साड़ियों की खोली बनाई, अखबार और रुई भरकर एक रजाई तैयार कर दी। जब रजाई पूरी तरह तैयार हो गई तो बापू ने गोशाला से उस लड़के को बुलवाया। लड़का सहमता हुआ उनके पास आया तो गांधीजी ने उसके सिर पर प्यार से हाथ रखा और रजाई उसे देते हुए कहा, 'इसे ओढ़कर देखना कि रात में ठंड लगती है या नहीं।' लड़का खुशी-खुशी रजाई लेकर चला गया। अगले दिन जब गांधीजी गोशाला की ओर गए तो उन्हें वही लड़का नजर आया। बापू ने उससे पूछा, 'क्या तुझे कल भी ठंड लगी?' लड़का तपाक से बोला, 'नहीं बापू जी, कल तो आपकी दी हुई रजाई ओढ़कर मुझे बहुत गरमाहट महसूस हुई और बड़ी मीठी नींद आई।' लड़के का जवाब सुनकर बापू हंस पड़े और बोले, 'सच, तब तो मैं भी ऐसी ही रजाई ओढ़ूंगा।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7176

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुस्सा जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल मौंगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली से बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्ट की फिल्म-४
६. 'बंद ये हिट्स हैं' गीतवाली फिल्म-३
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश की फिल्म-२
१२. 'चिल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'चाइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सुलोचना कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनीष वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7175

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7485

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7484 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 8700

बाएँ से दाएँ

1.भीगा हुआ-2
2.गाने वाला-3
4.दिया, चिराग-2
6.केश-2
7.जिससे ताला खुलता है-2
9.सूरमा -3
12.नख-3
14.तेरह गुणा चार-3
16.एक जैसा तल-4
17.दरवाजे की आवाज-2,2
18.कड़ा, तेज-3
20.आँखों के ऊपर की परत-3
22.साधुवाद देना,वाह-वाह-3
24.पुत्र, एक रंग-2
26.तुम का आदर सूचित शब्द-2
27.पत्र-2
28.आश्चर्य-3
29.तट, किनारा-2

ऊपर से नीचे

1.छोटा गीत-3
2.मुँह के दोनों ओर का भाग-2
3.जो पका न हो-2
5.हवा, वायु-3
6.बच्चा, बालक-2
8.वीणा, एक वाद्य-2
10.जितेन्द्र व रेखा की एक फिल्म-2,3
11.मूल्य, दर-2
13.मारकाट-5
14.बच्चा-3
15.नाज, अदा-3
19.पंजाब की एक नदी-2
20.जांच-पड़ताल-3
21.हुनर-2
22.बददुआ-2
23.नगर-3
25.बेल, कोमल लम्बा पौधा-2
26.फूलों का प्राकृतिक रस-2

शब्द पहेली-8699 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मेधावी छात्राओं महिमा व माही ने बढ़ाया परिवार व क्षेत्र का मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम भुरसाडोंगरी निवासी गणेश चौहान की बड़ी बेटी महिमा चौहान ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी से कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 91.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वहीं महिमा की छोटी बहन माही चौहान ने शासकीय हाई स्कूल कालीमाटी से कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 83.4 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। दोनों बहनों की इस शानदार उपलब्धि ने न केवल परिवार को गौरवान्वित किया है, बल्कि स्थानीय समुदाय में भी शिक्षा के प्रति प्रेरणा का संचार किया है। ग्राम भुरसाडोंगरी की इन मेधावी छात्राओं ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अध्ययन के बल पर यह मुकाम हासिल किया। महिमा चौहान ने 12वीं कक्षा में 91.2 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय एवं परिवार का मान बढ़ाया, जबकि माही ने 10वीं में 83.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। दोनों बहनों की सफलता ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो दर्शाता है कि सही मार्गदर्शन और मेहनत से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। परिवार के सदस्यों ने इस खुशी के अवसर पर दोनों बहनों को बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। बड़े पापा महेश चौहान, पिता गणेश चौहान, माता हेमलता चौहान, चाचा दिनेश चौहान जिला संचालक अखिल भारतीय रविदासिया धर्मसंगठन, छोटे चाचा रामराज चौहान अधिवक्ता उच्च न्यायालय तथा दादा तुलसीराम चौहान ने महिमा और माही को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है। उन्होंने दोनों छात्राओं को आगे की पढ़ाई में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। स्थानीय शिक्षक व ग्रामीणों ने भी दोनों बहनों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि ऐसी मेधावी छात्राएं ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने का काम करती हैं। परिवार का कहना है कि दोनों लड़कियां भविष्य में उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज की सेवा करना चाहती हैं।

वनाग्नि रोकथाम के लिए जन जागरूकता अभियान ने पकड़ी रफ्तार

ग्रामीणों को बताया आग का विनाशकारी सच

पद्मेश न्यूज। लांजी। फायर सीजन को दृष्टिगत रखते हुए वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी सामान्य द्वारा वन विभाग द्वारा वनों को आग से सुरक्षित रखने के लिए व्यापक जन जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। वनों से सटे ग्राम सीतापला, कट्टिपार, पीपलगांव एवं कोसमदेही में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य महुआ फूल एवं तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान होने वाली वनाग्नि की

घटनाओं पर नियंत्रण करना तथा वन्य प्राणियों के संरक्षण के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाना है। यह अभियान परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार के नेतृत्व में संचालित हो रहा है, जिसमें वन अमले के सदस्य संजय विश्वकर्मा, दिलीप उईके, निमेंद्र मलघाटी, संजय दुरूगकर, संगीता कोकोडे एवं प्रियंका रामटेके की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। अभियान के तहत ग्रामों में चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद स्थापित किया गया। वन अधिकारियों ने समझाइश दी कि महुआ फूल संग्रहण के दौरान पेड़ों के नीचे आग लगाने की परंपरा न केवल खतरनाक है, बल्कि यह पूरे जंगल को भयंकर आग की चपेट में ले सकती है। इसके स्थान पर सूखे पत्तों को झाड़ू से हटाकर सुरक्षित तरीके से संग्रहण करने की सलाह दी गई। इसी प्रकार तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान भी विशेष सतर्कता बरतने, समूह में कार्य करने तथा वन्य प्राणियों की संभावित उपस्थिति को ध्यान में रखने के निर्देश दिए गए। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या आगजनी की सूचना तत्काल वन विभाग को देने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए गांवों के प्रमुख चौक-चौराहों पर पोस्टर एवं पाम्पलेट लगाए गए। साथ ही वनकर्मियों एवं वन समिति सदस्यों द्वारा वाहन रैली निकालकर व्यापक स्तर पर संदेश का प्रसार किया गया, जिससे ग्रामीणों में अभियान के प्रति उत्साह और सहभागिता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाई गई लघु फिल्में रहीं, जिनमें वनाग्नि से होने वाले विनाशकारी दुष्परिणामों को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया गया। वन विभाग ने स्पष्ट किया कि जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं और इन्हें सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

सीआईए लांजी का दसवीं एवं बारहवीं का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

पद्मेश न्यूज। लांजी। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल के द्वारा सत्र 2025-26 कक्षा दसवी एवं बारहवी का परीक्षा परिणाम 15 अप्रैल को घोषित किया गया, जिसमें नगर के विद्यालय सेन्ट्रल इण्डिया एकेडमी हायर सेकेण्डरी स्कूल लांजी का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। विद्यालय में कक्षा दसवी का परीक्षा परिणाम में प्रथम दृष्टि ठोमरे 97 प्रतिशत, द्वितीय प्रज्जवल मिश्रा 95.8 प्रतिशत, तृतीय नयन पशीने 95.6 प्रतिशत, चतुर्थ स्वींजल खोंगल 95 प्रतिशत ,पंचम नयन पांचे 94.8 प्रतिशत, षष्ठम देवांश शुक्ला 93 प्रतिशत, सप्तम कृतिका बुराडे 93 प्रतिशत, अष्टम हर्ष पांडे 92.8 प्रतिशत नवम राघव बनकर, आर्यन पटले एवं प्रतिक बडघैया 90.4 प्रतिशत, दसम सृष्टि कावडे 90.8 प्रतिशत रहे तथा चैतन्या उपाध्याय 90.6 प्रतिशत, आदित्य पशीने 88.8 प्रतिशत, योगिनी राउत 88.8 प्रतिशत, भाग्यश्री बिलगीर 88.6 प्रतिशत, अभय बडघैया 88.4 प्रतिशत भिरेन्द्र आसटकर 88.2 प्रतिशत साधना मचगैया 87.4 प्रतिशत, पूर्वी रामटेके 87 प्रतिशत, आकांक्षा पशीने 85.8 प्रतिशत, गगन बिल्हारे 85.6 प्रतिशत, आर्या उमरे 84 प्रतिशत, पलक रामटेक्कर एवं दिशा अग्रवाल 83.6 प्रतिशत, शिवांग येरपुडे 82.8 प्रतिशत, निधी धारने 80.4 प्रतिशत, जन्मय शर्मा 80.2 प्रतिशत, नमन पांडे 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसी प्रकार कक्षा बारहवी में प्रथम श्रेया डोंक व आयुषी पशीने 94 प्रतिशत, द्वितीय सुमेधा आसटकर व डॉलसी येड़े 89.4 प्रतिशत, तृतीय विधिरानी विजयवार 87.2 प्रतिशत, चतुर्थ प्रिया नारनौरे 85.6 प्रतिशत, पंचम कुशाग्र मिश्रा 84.8 प्रतिशत, षष्ठम शुभ्रांशु लटारे 82.6 प्रतिशत, सप्तम ग्रेशी कोठारे 82.2 प्रतिशत, अष्टम रिया येवले 81.8 प्रतिशत, नवम पियुष सोनी 81.4 प्रतिशत, दसम पियुष कश्यप 80.8 प्रतिशत, उजैना बेग 80.8 प्रतिशत रहे तथा रेमन चोरवाडे 80.1 प्रतिशत, शौर्य करहि 80 प्रतिशत, पुष्पेन्द्र नेवारे 79.6 प्रतिशत अब्दुल ताजिम 78.2 प्रतिशत रूशाली सातपुते 77.4 प्रतिशत, उमैना बेग 76.8 प्रतिशत, मिताली बोरकर 75.4 प्रतिशत, रितु तुलसीकर 74.4 प्रतिशत, संजय कोवाची 72 प्रतिशत, सागर डोंगरे 70.8 प्रतिशत, सरगम करहि 70 प्रतिशत रहे। विद्यालय प्राचार्य हेमंत बनकर ने सभी छात्रों व अभिभावकों को सराहनीय परीक्षा परिणाम के लिए हार्दिक बधाई दी व सभी सफल छात्रों को उनकी मेहनत व लगन के लिए शुभ कामनाएं प्रदान की। समिति सचिव श्रीमति मीरा

बनकर ने सभी सफल परीक्षा परिणाम हेतु सभी शिक्षकों सुरेश लिल्हारे, यशवंत बसोने, रेनुकुमार वल्थरे, श्रीमति छाया भटेरे, श्रीमति संध्या मिश्रा, श्रीमति प्रवीणा येरपुडे, दुर्गेश चिखले, श्रीमति ललिता इंझावते, कु प्रिया करहि, श्रीमती गीता रामटेक्कर, कु हीना खान, श्रीमति विशाखा कश्यप, कु राजश्री कालबेले, कु सलमा शेख , कु. साक्षी आसटकर कु. रानु सोनवाने आदि का आभार व्यक्त किया। समिति अध्यक्ष श्रीमति विभा अनिल तिवारी ने सभी छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए , परीक्षा परिणाम को विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षक / शिक्षिकाओं के अथक परीश्रम का परिणाम बताया।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष पद पर सौरभ (मोनू) पशीने नियुक्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। कांग्रेस संगठन में नगर स्तर पर मजबूती लाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी (भोपाल) द्वारा विभिन्न जिलों में नगर कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्तियां की गई हैं। यह नियुक्तियां अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी के निर्देश पर तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की अनुशंसा से की गई हैं। जारी सूची में बालाघाट जिले के अंतर्गत लांजी नगर कांग्रेस अध्यक्ष पद पर सौरभ (मोनू) पशीने की नियुक्ति की गई है। इस नियुक्ति को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि सभी नव नियुक्त पदाधिकारी पार्टी की रीति-नीति, सिद्धांतों एवं संगठनात्मक अनुशासन के अनुरूप कार्य करेंगे तथा नगर स्तर पर कांग्रेस संगठन को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

सौरभ मोनू पशीने का राजनैतिक सफर

लांजी नगर के वार्ड क्रमांक 11 निवासी सौरभ मोनू पशीने अपने युवा कार्यकाल से ही कांग्रेस पार्टी के कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ता रहे है। आपने अपने राजनैतिक सफर की शुरूवात 2012 में भारतीय युवा कांग्रेस के विधानसभा प्रतिनिधि के रूप में किया था। वर्ष 2015 में कांग्रेस पार्टी से नगर परिषद चुनाव में बतौर वार्ड क्रमांक 11 से पार्षद पद हेतु निर्वाचन में भागीदारी की तथा जीत दर्ज कर वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद निर्वाचित हुये। इसके पश्चात आप वर्ष 2021 में अखिल भारतीय युवा कांग्रेस संगठन में बतौर विधानसभा अध्यक्ष निर्वाचित हुये। वर्ष 2022 में पुनः कांग्रेस पार्टी से वार्ड पार्षद हेतु निर्वाचन में भागीदारी कर पार्षद पद पर निर्वाचित होकर पार्टी की गतिविधियों को जन जन तक पंहुचाने का कार्य किया तथा कांग्रेस संगठन को लांजी क्षेत्र में मजबूती दिलाने का कार्य किया है। सौरभ मोनू पशीने की पार्टी के प्रति इन्ही कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुये अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने इन्हे नगर अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है ताकि वे लांजी नगर में संगठन को मजबूती दिला सके। लांजी में सौरभ पशीने की नियुक्ति पर जिला एवं स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। शुभकामना देने वालों में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उईके, विधायक हीना कावरे, जनपद पंचायत लांजी अध्यक्ष अर्चना खोंगल, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, उपाध्यक्ष अजय अवसरे, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी अध्यक्ष रेवाजी कराटकरे, मुकेश जोशी, मनीष जुझार अध्यक्ष विधानसभा युवा कांग्रेस, ललित कबीरे, अशोक पालीवाल, राजू बापुरे, संतोष आवरे,ज्योति उमरे, ओमकार रहांगडाले, खेमचंद दानी, राजू मेंढे , मुकेश रणदिवे, महेन्द्र सोनवाने, शरद आसटकर, दिनेश लांडे, संजीत ठाकरे, देवीलाल चौधरी, आशीष सोनू श्रीवास्तव, घनश्याम पटले, संजय वानखेड़े, कोमल कांडे, योगेन्द्र मिश्रा, राम ठाकरे, लिखेन्द उपराड़े, अनमोल तिडके, जीतू मोरघड़े, सुरेन्द्र चौधरी,पन्ना बिल्हारे, पोषण मस्करे, नरेंद्र नागपुरे, बंटी पटेल ,मोनू हरिनखेड़े , अफजल बेग, आरिफ बेग, सैयद अरशद , इरशाद खान, गणेश बागड़े, राजू सोयाम, प्रभुदयाल किरमें, विनोद उमरे, टुमन घोरमारे, सिद्धीक अंसारी, जुग्गू खान, बब्बू भाईजान, युवराज पटले, महेश चौधरी, गोवर्धन घोरमारे, श्याम बेदरे, राधेश्याम नखाते,घनश्याम पटले, रविन्द्र धारने,लीलाधर डोलस, दिनेश चौहान, अमन श्रीवास्तव, शिवम् नखाते, लक्ष्मण कावरे, रामकृष्ण गिरिया, कल्याण कालबेले, योगदास नागपुरे,अजीत नागपुरे, गुरुदास लिल्हारे, धर्मेंद्र चूटे, रामेश्वर बिल्थरे, विश्वनाथ मोरघडे, मुरली बावनथडे, स्नेहा बागड़े, राकेश बागड़े, कैलाश मस्करे, संजीत ठाकरे, पप्पू कावडे, भरत बडमें, नरेश चौहान, चंद्रकांत किरनापूरे, प्रवीण दुबे, पप्पू कामरी, सुखराम बडमें, दिलीप रामटेके, पवन कश्यप, विजय रामटेकर, राजेश पन्द्रे, सखाराम वरकड़े गुड्डू गोस्वामी, नरेन्द्र मोतीचुर सहित समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने बधाई प्रेषित की है।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोलेगाव में टॉपर्स विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोलेगाव में 16 अप्रैल को एमपी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य बी.आर. गुरदे एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन से किया गया। इस अवसर पर कक्षा 10वीं एवं 12वीं की एमपी बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी टॉपर्स को सम्मानित किया गया। साथ ही मध्य प्रदेश शासन की लैपटॉप वितरण योजना के पात्र 22 विद्यार्थियों को भी सम्मानित

किया गया। सुपर-100 योजना में चयनित छात्रा अनुष्का पिता विजय कटरे को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सभी सम्मानित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को रोली-चंदन का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान दिया गया। प्राचार्य बी.आर. गुरदे ने अपने उद्बोधन में कहा जीवन में सफलता हासिल करने के लिए हमें स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करके पूरी लगन और सामर्थ्य के साथ निरंतर प्रयास करना चाहिए। सफलता एक दिन में नहीं मिलती, लेकिन सही प्रयास करने पर एक दिन अवश्य मिलती है। उन्होंने सभी होनहार छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह उनकी सफलता का सिर्फ प्रथम सोपान है। आगे जीवन में अभी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है, इसलिए संयम, अनुशासन और निरंतर मेहनत बनाए रखनी होगी। इस मौके पर उपप्राचार्य प्रवीण साहू, पीटीए अध्यक्ष अनिल नागवंशी एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमनी के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का किया गया सम्मान

कक्षा 10वीं में प्रतिज्ञा चोरनेले एवं कक्षा 12वीं में कशक सोलंकी ने बोर्ड परीक्षा में मारी बाजी

पद्मेश न्यूज। लांजी। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश के द्वारा 15 अप्रैल 2026 को बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमे

शा.उ.मा.वि. टेमनी का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। घोषित परीक्षा परिणाम में कक्षा 10वीं का 86 प्रतिशत व कक्षा 12वीं का 80 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा। कक्षा 10वीं में 122 छात्र दर्ज थे जिनमे प्रथम श्रेणी में 71 छात्र, द्वितीय श्रेणी में 33 छात्र एवं तृतीय श्रेणी में 1 छात्र इस प्रकार कुल 105 छात्र उतीर्ण हुए। कुमारी प्रतिज्ञा चोरनेले ने 94.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार रूचि भागड़कर 92.2 द्वितीय एवं नंदनी कावरे ने 90.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में 101 छात्र दर्ज थे जिनमे प्रथम श्रेणी में 48 छात्र द्वितीय श्रेणी में 33 छात्र इस प्रकार कुल 81 छात्र उतीर्ण हुए। कुमारी कशक सोलंकी ने 92.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, काजल सिसोदिया 91.4 प्रतिशत लेकर दूसरा स्थान एवं प्रिंसी भारद्वाज ने 89.4 प्रतिशत अंक पाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। 16 अप्रैल को को संस्था के प्रभारी प्राचार्य जैनेन्द्र कुमार बेदरे एवं समस्त शिक्षकगणों के द्वारा विद्यालय के टॉप 10 छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर व मेडल भेट कर सम्मानित किया गया एवं उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई।

बाला साहब शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कारंजा में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के बाला साहब शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कारंजा में 17 अप्रैल को जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य आर.के. घोरमारे ने की, जबकि इको क्लब प्रभारी मनोज नागपुरे के निर्देशन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंगोली के बाद ग्राम कारंजा में बच्चों और शिक्षकों द्वारा एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान जल संरक्षण और जल के दुरुपयोग को रोकने के संबंध में विभिन्न नारे लगाए गए। रैली में शामिल टीम ने ग्रामवासियों को जागरूक करते हुए बताया कि बेवजह पानी का दुरुपयोग न करें और जल संसाधनों का संरक्षण करें। रैली में प्राचार्य आर.के. घोरमारे, इको क्लब प्रभारी मनोज नागपुरे तथा विद्यालय के सभी शिक्षकगण सक्रिय रूप से शामिल हुए। रैली समाप्त होने के बाद विद्यालय के नल जल स्त्रोतों, पानी की टंकी और परिसर की बागवानी की साफ-सफाई करवाई गई। पानी की टंकी में ब्लीचिंग पाउडर भी डाला गया ताकि पानी स्वच्छ और सुरक्षित रहे। अंत में प्राचार्य आर.के. घोरमारे ने सभी शिक्षकों, छात्रों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

ब्लॉक में हर स्तर पर संगठन का निर्माण करें

- कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्षों के सम्मेलन में प्रदेश प्रभारी ने दिया मंत्र

भोपाल । राजधानी के रविंद्र भवन में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्षों का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर मप्र कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि ब्लॉक अध्यक्ष होने के नाते आप सभी से अपेक्षा है कि अपने ब्लॉक में हर स्तर पर संगठन का निर्माण करें। मंडल, ब्लॉक कार्यकारिणी, गांव और वार्ड स्तर की इकाइयों के साथ बीएलए-2 की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में इकाइयां बन चुकी हैं, उनका सत्यापन किया जाए और उनकी स्थिति का प्राथमिकता से मूल्यांकन किया जाए। गांव की इकाइयों और बीएलए-2 का सत्यापन करना जरूरी है।

हरीश चौधरी ने कहा कि पार्टी की ओर से प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। उनके साथ मिलकर केवल ब्लॉक मुख्यालय तक सीमित न रहें, बल्कि हर गांव में जाकर इकाइयों का सत्यापन करें और बीएलए-2 से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनका सत्यापन सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, अजय सिंह, कमलेश्वर पटेल, कांतिलाल भूरिया, डॉ. गोविंद सिंह, विजयलक्ष्मी साधौ सहित कई नेता मौजूद रहे।

बैठकों की रिपोर्ट कनेक्ट सेंटर को देना अनिवार्य

हरीश चौधरी ने कहा कि कनेक्ट सेंटर की व्यवस्था के तहत संगठन की सभी बैठकों और उनमें शामिल लोगों की सूची अनिवार्य रूप से भेजी जाए। यदि कोई पदाधिकारी बैठक में शामिल नहीं होता है, तो इसकी जानकारी कनेक्ट सेंटर को दी जाए, पार्टी स्वयं इस पर निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर का पदाधिकारी हो, उसे अपने क्षेत्र की बैठकों में शामिल होना अनिवार्य है। ब्लॉक स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों में कौन-कौन शामिल हुआ, इसकी रिपोर्ट भी कनेक्ट सेंटर को भेजनी होगी। चौधरी ने स्पष्ट किया कि बैठक में शामिल न होने वाले पदाधिकारियों पर कार्रवाई का अधिकार पार्टी के पास है। इस संबंध में आगे सर्कुलर जारी कर जानकारी दी जाएगी। उन्होंने विधानसभा प्रभारियों से भी ब्लॉक अध्यक्षों को सहयोग देने की अपील की और कहा कि संगठन की असली ताकत जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ता हैं, जिनके सहयोग से संगठन मजबूत होगा।

जिला अध्यक्षों के काम का मूल्यांकन जारी

हरीश चौधरी ने ब्लॉक अध्यक्षों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में मंडल, ब्लॉक, गांव और वार्ड स्तर पर संगठन का गठन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ब्लॉक अध्यक्ष गांवों में जाकर बनी इकाइयों और बीएलए-2 का सत्यापन करें और उनकी स्थिति का मूल्यांकन करें। चौधरी ने बताया कि जिला अध्यक्षों के कार्य का मूल्यांकन किया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर उनके कार्यकाल पर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ब्लॉक अध्यक्षों के कार्य का भी 6 महीने बाद मूल्यांकन किया जाएगा और आगे की जिम्मेदारी तय होगी।

ब्लॉक कमेटियों के गठन और सत्यापन पर निर्देश

कांग्रेस जन संवाद के लिए 21 सदस्यीय ब्लॉक कमेटी का गठन अनिवार्य बताया गया। सभी ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर की समितियां पूरी तरह बनी हों और जिन लोगों को जिम्मेदारी दी गई है, उन्हें इसकी जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल सूची बनाकर नाम भेजना पर्याप्त नहीं है। सभी नियुक्तियों का फिजिकल वेरिफिकेशन विधानसभा प्रभारी, जिला प्रभारी और आईसीसी के कनेक्ट सेंटर के माध्यम से किया जाएगा। निर्देश दिए गए कि जो लोग काम नहीं करना चाहते, उन्हें कमेटी में शामिल न किया जाए। यदि गठन में कोई कमी है तो उसे तुरंत सुधारने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा पदाधिकारी न बने, जिसे यह ही पता न हो कि वह कमेटी में शामिल है। यदि फोन करने पर कोई व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी से अनजान मिलता है, तो यह स्थिति स्वीकार्य नहीं होगी।

आरटीई के अंतर्गत चयनित स्कूलों में अब 25 अप्रैल तक अभिभावक विद्यार्थियों का करा सकेंगे एडमिशन

भोपाल। शिक्षा के अधिकार अधिनियम (ऋक्षश्व) के अंतर्गत निजी स्कूलों में निशुल्क प्रवेश को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने विद्यार्थियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। केंद्र ने एडमिशन की तिथि को बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी प्रथम चरण की लॉटरी में चयनित निजी स्कूलों में 25 अप्रैल तक एडमिशन ले सकेंगे। पहले प्रवेश की अंतिम तिथि 15 अप्रैल थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर अभिभावकों और विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय दिया गया है। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सभी जिलों को आवश्यक निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। संचालक राज्?य शिक्षा केन्?द्र हरजिंदर सिंह ने बताया कि सभी जिलों के कलेक्टर और जिला शिक्षा केन्द्रों के परियोजना समन्वयकों को पत्र भी लिखा गया है।

श्योपुर में अनियंत्रित होकर पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, चार महिलाओं की मौत, 22 घायल

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर में सड़क हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई और 22 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सीएम मोहन यादव ने घटना पर दु:ख जताते हुए मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक वीरपुर के घुघस गांव से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर लोग पार्वती बड़ौदा गांव में भात देने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान विजयपुर क्षेत्र के पास गैस गोदाम के नजदीक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सरोज पत्नी मगन गुर्जर, सुनेना पत्नी कल्ला गुर्जर, सीमा पत्नी कालू गुर्जर और गीता पत्नी घनश्याम गुर्जर के रूप में हुई है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया।

इस घटना को लेकर सीएम मोहन यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि श्योपुर जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र के खितरपाल गांव में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से महिलाओं के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। दुर्घटना में जो घायल हुए हैं, उनको उपचार प्रदान किया जा रहा है। मृतकों के परिजनों को राज्य शासन की ओर से 4-4 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपए और अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 4 महिलाओं की मौत की खबर अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। उन्होंने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति दें। साथ ही घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

बीजेपी विधायक के बेटे की थार से 5 लोग कुचले, वीडियो वायरल

प्रीतम सिंह लोधी के बेटे दिनेश पर एफआईआर

शिवपुरी,। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक गंभीर सड़क हादसे और कथित दबंगई का मामला सामने आया है, जिसमें पिछोर विधानसभा से भाजपा विधायक प्रीतम सिंह लोधी के बेटे दिनेश लोधी पर अपनी थार कार से पांच लोगों को टक्कर मारने का आरोप लगा है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद मामला और गंभीर हो गया है।

जानकारी के अनुसार, घटना करैरा थाना क्षेत्र की है। शिकायतकर्ता संजय परिहार ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथियों के साथ सुबह करीब 7:30 बजे बाइक से मजदूरी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार थार कार आई और बाइक सवार तीन मजदूरों तथा पैदल चल रही दो महिलाओं को टक्कर मार दी, जिससे सभी लोग घायल हो गए। पीड़ितों का आरोप है कि कार दिनेश लोधी चला रहे थे और वाहन पर आगे और पीछे विधायक से जुड़े साइन भी लगे हुए थे, जिससे उसकी पहचान स्पष्ट हो रही थी। हादसे के बाद सामने आए वीडियो में दिनेश लोधी घायलों से बहस करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह यह कहते दिख रहे हैं कि उन्होंने हॉर्न और सायरन बजाया था, फिर भी लोग रास्ते से नहीं हटे। उन्होंने यह भी कहा कि वह सुबह जिम जाने के लिए निकले थे। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और वीडियो फुटेज को भी सबूत के तौर पर शामिल किया गया है। इस बीच, जानकारी यह भी सामने आई है कि आरोपी दिनेश लोधी ने खुद पुलिस से कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। वहीं, विधायक पिता प्रीतम सिंह लोधी ने भी कहा है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और यदि किसी ने गलती की है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

जनकल्याण के कामों में तेज़ी लायें, निरीक्षण करें, गांवों में करें रात्रि विश्राम - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय से प्रदेश में चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान, पूर्ण हो चुके संकल्प से समाधान अभियान और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों की उच्च स्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स के साथ योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा कर समुचित दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कलेक्टर्स से कहा कि प्रदेश और समाज की बेहतरी के लिए सरकार द्वारा विभिन्न अभियानों के माध्यम से महती प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार के इन सभी प्रयासों एवं अभियानों में जन जुड़ाव एवं सहभागिता बेहद जरूरी है। इन सभी अभियानों की सार्थकता और सफलता तभी सुनिश्चित होगी, जब इनमें अधिकाधिक जनसहयोग एवं जन भागीदारी भी हो। इसके लिए सभी समर्पित और फोकस्ड होकर प्रयास करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स से कहा कि वे जनता के कल्याण के कामों को तेजी से पूर्ण करायें। सरकार की योजनाओं का फील्ड में पूर्णतया क्षमता और दक्षता के साथ व्यापक स्तर पर सुचारु एवं बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। जनता और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर, उनकी जरूरतों और सुझावों पर अमल करते हुए जनोन्मुखी प्रशासन से खुद की और सरकार की साख बढ़ायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स लगातार जिले में भ्रमण करें, लोगों से चर्चा करें, उनकी समस्या सुनकर समाधान करें और गांवों में रात्रि विश्राम करें, इससे सरकारी योजनाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों के प्रदर्शन में हंगामा, एक घायल

भोपाल। भोपाल में शिक्षक भर्ती 2025 के अभ्यर्थियों का आंदोलन शुक्रवार को उस समय तेज हो गया, जब सीएम हाउस की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने पॉलिटेक्निक चौराहे के पास रोककर खदेड़ दिया। अभ्यर्थियों का आरोप है कि पुलिस ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और कई को जबरन बसों में बैठाकर खजूरी थाने ले जाया गया। इस दौरान एक अभ्यर्थी के घायल होने की जानकारी भी सामने आई है। वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखने के लिए सीएम हाउस की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पॉलिटेक्निक चौराहे के पास पुलिस ने उन्हें रोक लिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि कुछ देर बैठने के बाद अचानक पुलिस ने उन्हें वहां से खदेड़ना शुरू कर दिया और बसों में बैठाकर सीधे खजूरी पुलिस थाने ले जाया गया।

ग्वालियर से आए अभ्यर्थी सूरत सिंह धाकड़ ने बताया कि वे शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें वहां से हटाया। उनका आरोप है कि हमें खदेड़कर गाड़ियों में बैठाया गया और थाने छोड़ दिया गया, हमारे साथ बदतमीजी की गई। शिवपुरी से आए अभ्यर्थी नितिन ने आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई के दौरान उनकी उंगली फ्रैक्चर हो गई। उन्होंने कहा, हम सिर्फ अपनी मांग रखने जा रहे थे, कोई अपराध नहीं किया, फिर भी हमारे साथ ऐसा व्यवहार किया गया।

1.15 लाख पद खाली, फिर भी भर्ती सीमित

अभ्यर्थियों का कहना है कि प्रदेश में 1.15 लाख से अधिक शिक्षक पद खाली हैं। इसके बावजूद भर्ती में सीमित पद घोषित किए गए हैं, जिससे योग्य उम्मीदवारों को अवसर नहीं मिल पा रहा। अभ्यर्थी पिछले कई महीनों से भोपाल में लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। खून से आवेदन लिखने, भूख हड़ताल, मुंडन और मार्कशीट दहन जैसे कदम भी उठाए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

मई-जून में खुलेंगे तबादलों के द्वार

भोपाल । मध्य प्रदेश में मई-जून में तबादले होंगे। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग तबादला नीति तैयार करेगा। नीति पिछले साल की तरह ही होगी। तबादला आदेश ऑनलाइन जारी होंगे। किसी भी संवर्ग में अधिकतम 20 प्रतिशत तबादले किए जा सकेंगे। जिले के भीतर आदेश प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद ही कलेक्टर जारी करेंगे। विधायकों की अनुशंसा को प्राथमिकता मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नीति का प्रारूप तैयार करके कैबिनेट के सामने प्रस्तुत किया जाए। विधायक और जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले को लेकर मुख्यमंत्री को मांग पत्र दिए जाते हैं। प्रयास यह रहता है कि ए प्लस नोटशीट मुख्यमंत्री की ओर से विभाग को चली जाए तो तबादला हो जाए मगर इससे प्रशासकीय व्यवस्था प्रभावित होती है। हाल ही में एक बैठक में जब मंत्रियों-विधायकों ने तबादले को लेकर बात उठाई तो मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह पिछले साल व्यवस्था थी, वैसी ही रहेगी। विभाग अपनी आवश्यकता के अनुसार तबादले करें। जिले के भीतर प्रशासनिक व्यवस्था को देखते हुए कलेक्टर तबादले के प्रस्ताव प्रभारी मंत्री को प्रस्तुत करेंगे। वे विधायकों की अनुशंसा को दृष्टिगत रखते हुए अनुमोदन देंगे। राज्य संवर्ग के प्रथम श्रेणी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के तबादला समन्वय के माध्यम से मुख्यमंत्री के अनुमोदन से होंगे। शेष अधिकारियों के तबादला प्रस्ताव का अनुमोदन विभागीय मंत्री करेंगे। इसमें इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि पहले उन कार्यपालिक अधिकारियों को स्थानांतरित किया जाएगा जिन्हें एक स्थान पर पदस्थ रहते तीन वर्ष से अधिक हो चुके हैं।

चुनाव में महिलाओं का वोट मिल जाए इसलिए बिल लाया

महिला आरक्षण और तबादला उद्योग पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा बोले

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व कानून मंत्री पीसी शर्मा ने महिला आरक्षण बिल, परिसीमन, टेंपल मैनेजमेंट कोर्स तबादला नीति पर सरकार पर सियासी निशाना साधा है। प्रत्येक विधानसभा से फंड इकट्ठा करने मामले पर कहा- फंड की कमी का कॉन्सेप्ट नहीं है। विपक्ष में हैं तो फंड की कमी तो विपक्ष को रहती है। पूरी लूटमार तो भारतीय जनता पार्टी कर रही है लेकिन इससे लोगों को जोड़ने पर कोई ?100 ?50 दे देगा जिससे उसकी कनेक्टिविटी कांग्रेस से बनेगी और उनको लगेगा कि यह हमारी पार्टी है जिसमें हमने भी सहयोग किया है। तबादला शुरू होने पर कहा- तबादला उद्योग ओपन होने वाला है। फिर से ट्रांसफर होंगे, पैसा चलेगा और लोगों की तबादले होंगे।

उन्होंने कहा कि जनगणना के पहले जो आरक्षण कर रहे हैं वह गलत है पहले जनगणना हो फिर परिसीमन हो और फिर आरक्षण हो। जो भी अभी हो रहा है नारी सम्मान के नाम पर यह सब पंचायत में है और नगर निगम में पहले ही दिग्विजय सिंह की सरकार में हुआ है। राजीव गांधी ने 73-74 अमेंडमेंट में हो चुका है यह केवल इवेंट मैनेजमेंट है। अभी सिर्फ चुनाव में महिलाओं के वोट मिल जाए किसी तरह की सरकार बन जाए इसलिए यह सब कर रहे हैं।

बीजेपी के लोग रेप, मर्डर और लूट में लगे हुए

विधायक प्रीतम लोधी के बेटे ने कार से लोगों को कुचल दिया और कह रहा है कि उसका कुछ नहीं होगा उसका पिता विधायक है। यह दिखाता है कि बीजेपी के जो लोग हैं इन्हीं चीजों में लगे हुए हैं। मर्डर, रेप, लूट इसी चीज में लगे हुए हैं। कानून व्यवस्था ध्वस्त है कोई सुनने वाला नहीं है। इनके लोगों को लगता है कि हम बाहुबली हैं हमारा कोई कुछ नहीं कर सकता।

सरकारी जमीन मंदिरों के नाम कर दो

मंदिरों का प्रबंध सही करना है तो जितनी सरकारी जमीन है उनका नाम मंदिरों के नाम कर दो। जब कमलनाथ की सरकार थी तब हम एक प्रस्ताव लेकर आए थे जो सरकार के पास रखा हुआ है। उसको नहीं कर रहे हैं दूसरी तरफ लोगों ने जितनी मंदिर की जमीन को कब्जे में कर रखा है उसे मंदिरों को वापस करो और अगर पढ़ाना है तो हर धर्म के प्रबंधन के कोर्स चलाओ।पहले मेडिकल कोर्स चलाया हिंदी में वह फेल हो गया। व्यापमं में लोगों को लूट लिया, जो कोर्स चल रहा है उनसे लोगों को नौकरी मिले रोजगार मिले तब इवेंट मैनेजमेंट करो।

कांग्रेस शिक्षकों के साथ

भोपाल में शिक्षकों के आंदोलन पर कहा- यह सरकार खुद ने तैयारी कर ली है की परीक्षा लेंगे फेल करेंगे और जगह खाली होगी इसमें अपने लोगों को करेंगे यह इनका कांसेप्ट है हम शिक्षकों के साथ हैं।

रेरा प्राधिकरण की जानकारी बिल्डरों के लिए मुसीबत बनी

- आयकर विभाग ने रेरा से जानकारी लेकर दिए नोटिस

भोपाल। आयकर विभाग ने बिल्डरों और डेवलपरों को नोटिस जारी किया है। इनके द्वारा विभिन्न रियल एस्टेट प्रोजेक्ट के लिए प्रस्तुत किए गए अपने रिटर्न में प्रोजेक्ट की सही कीमत नहीं दी गई थी। विभाग के द्वारा रेरा प्राधिकरण से जानकारी हासिल कर यह नोटिस जारी किए गए हैं।

मंदी के दौर में इन कारोबारी बिल्डर और डेवलपर के सामने नई चुनौती आ गई है। हर बिल्डर, डेवलपर को अपना प्रोजेक्ट शुरू करने के पहले रेरा में रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है। यह रजिस्ट्रेशन करवाते हुए संबंधित व्यक्ति को अपने प्रोजेक्ट की जमीन की वैल्यूएशन और डेवलपमेंट के बाद की स्थिति की वैल्यूएशन भी देना होती है। आयकर विभाग में बिल्डर डेवलपर द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले रिटर्न में इस वैल्यूएशन को कम बता दिए जाने का मामला सामने आया है। सीए सुमित नेमा ने बताया कि बड़ी संख्या में जो प्रोजेक्ट आकर लेते हैं, उसमें ज्वाइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट किया जाता है। यह एग्रीमेंट डेवलपर और भूस्वामी के बीच में किया जाता है। रेरा प्राधिकरण और रिटर्न में जमीन की कीमत को अलग-अलग बताए जाने के कारण वेरिएशन आ गया है। इस स्थिति को आयकर विभाग के द्वारा गंभीरता से ले लिया गया है। इस मामले में आयकर विभाग की ओर से बिल्डर और डेवलपरों के नाम पर नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा गया है।

3 से 7 साल की सजा में अब 14 दिनी जांच के बाद दर्ज होगी एफआईआर

- प्रदेशभर के पुलिस अफसरों को मुख्यालय ने भिजवाए दिशा-निर्देश, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए फैसले के आधार पर सभी थाना प्रभारियों को प्रारम्भिक जांच करना पड़ेगी, शिकायतों में कमी भी आएगी

भोपाल । सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत गिरफ्तारी के मामले को पूरी तरह से जवाबदेह और पारदर्शी बनाने के लिए इंदौर सहित प्रदेशभर के आला पुलिस अधिकारियों को मुख्यालय ने सख्त निर्देश जारी किए हैं, जिसमें मौखिक जानकारी देकर गिरफ्तारी नहीं हो सकेगी, बल्कि लिखित में स्पष्ट कारण बताना होगा। 3 से 7 साल की सजा में चूंकि जमानत के प्रावधान हैं, लिहाजा 14 दिन के भीतर जांच के बाद दर्ज होगी एफआईआर। 1 जुलाई 2024 से पुराने सीआरपीसी की जगह नए बीएनएसएस कानून प्रभावी हो गए हैं। उसमें भी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत जांच की प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

धारा 173 (3) बीएनएसएस के मुताबिक प्रारम्भिक जांच को कानूनी मान्यता दी गई है, जबकि पुराने कानून में इसका कोई लिखित प्रावधान नहीं था, जिसके चलते पुलिस मनमाने तरीके से इसका इस्तेमाल करती थी। मगर अब पुलिस मुख्यालय ने इस धारा के साथ-साथ ललिता कुमारी जजमेंट, जो कुछ दिनों पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने दिया, उसके आधार पर 3 से 7 साल की सजा वाले अपराध की पुलिस को शिकायत मिलती है तो संबंधित थाना प्रभारी सीधे एफआईआर दर्ज करने के बजाय प्रारम्भिक जांच करेंगे। और चूंकि नए कानून में ऐसी जांच 14 दिनों में पूरी करनी है, लिहाजा पुलिस मुख्यालय ने भी अपने सर्कुलर में इसी समयसीमा का सख्ती से पालन करने के निर्देश सभी पुलिस अधिकारियों को दिए हैं। नए कानून के तहत प्रारम्भिक जांच शुरू करने के लिए थाना प्रभारी को डीएसपी स्तर के अधिकारी की लिखित अनुमति लेना होगी और मुख्यालय ने इसे चेक एंड बैलेंस के रूप में दर्शाया है, ताकि कोई भी थाना प्रभारी मनमाने ढंग से जांच के नाम पर मामले को लटकाए न रखे। अब 14 दिन में जांच करना ही होगी, अन्यथा संबंधित थाना प्रभारी के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकेगी। सुप्रीम कोर्ट ने 5 श्रेणियों, जिनमें पारिवारिक विवाद, भ्रष्टाचार, चिकित्सा लापरवाही, वाणिज्यिक अपराध और देरी से रिपोर्ट में उक्त प्रारम्भिक जांच की छूट दी थी और नए कानून में भी उसी दायरे को और विस्तारित किया गया है, जिसमें अपराध की प्रकृति पर नहीं, बल्कि सजा की अवधि 3 से 7 साल पर भी आधारित है। पुलिस महकमे का मानना है कि मध्यप्रदेश पुलिस भी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में जो नागरिक केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाए हैं, जिसमें पारदर्शिता के साथ समयबद्धता है, उसके आधार पर कार्रवाई करेगी। इससे मनमाने तरीके से एफआईआर दर्ज करने या न करने की शिकायतों में कमी भी आएगी। इस तरह के मामलों में शिकायत मिलने पर उसकी प्रवृष्टि जनरल डायरी में की जाएगी, चाहे एफआईआर हो अथवा जांच। और अगर 14 दिन के बाद पुलिस केस को बंद करने का निर्णय लेती है तो इसकी सूचना और कारण भी शिकायतकर्ता को एक हफ्ते के भीतर देना होगी और अगर बिना किसी ठोस कारण के जांच 14 दिन से अधिक समय तक लम्बित पड़ी रहती है तो संबंधित थाना प्रभारी से लेकर उसके ऊपर के अधिकारी के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की जा सकेगी। पुलिस मुख्यालय का मानना है कि इससे आम जनता पर त्वरित न्याय का प्रभाव तो पड़ेगा ही, वहीं थानों से यह कहा जाना कि अभी जांच चल रही है और महीनों तक चक्कर कटवाने की प्रवृत्ति भी रुकेगी और इस मामले में जो भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं उसमें भी कमी आएगी, क्योंकि ऐसा मानना है कि समयसीमा तय होने से किसी भी मामले को दबाने अथवा लेन-देन की गुंजाइश भी कम होगी।

मोहन यादव ने दी मध्य प्रदेश के शिक्षकों को राहत

भोपाल। मध्य प्रदेश में शिक्षकों के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने टीईटी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की है। इससे शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित होगा। मोहन यादव का कहना है कि, सरकार शिक्षकों के हित के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही है। किसी भी शिक्षक के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। इधर संयुक्त मोर्चा ने सरकार के फैसले को गुमराह करने वाला बताया।

संयुक्त मोर्चा के उपेंद्र कौशल ने बताया कि, राज्य सरकार ने कोई पिटीशन नहीं लगाई है कोर्ट में, यह केवल गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। यदि सरकार ने कोई पिटीशन लगाई है शिक्षकों के हित में तो मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री को सामने आकर यह बात बतानी चाहिए। अभी भी हम माननीय आयुक्त महोदय से मिलकर आए हैं, यदि सरकार की तरफ से कोई पिटीशन लगाई गई होती तो उसे पर जरूर चर्चा होती। हमारा प्रदर्शन कल की तारीख में यथावत रहेगा हम लोग बिल दशहरा मैदान में आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं, मंच तैयार हो रहा है। इस आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रदेश भर से शिक्षक भी निकल चुके हैं।

मप्र टीईटी और वरिष्ठता बना सबसे बड़ा विवाद

मप्र में शिक्षकों और कर्मचारियों का असंतोष बढ़ता जा रहा है। टीईटी परीक्षा और वरिष्ठता जैसे अहम मुद्दों को लेकर शिक्षण संगठन और सरकार के साथ हुई वार्ता बेनतीजा रहने के बाद संयुक्त मोर्चा ने खुली चेतावनी दे दी है। 18 अप्रैल को भोपाल में मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा और धरना प्रदर्शन के जरिए हजारों शिक्षक अपनी एकजुटता दिखाएंगे। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि यह आंदोलन अब सिर्फ मांगों का नहीं, बल्कि सम्मान और अधिकार की लड़ाई बनता जा रहा है।

बता दें कि अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा और शासन के बीच हुई बातचीत से कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकल सका। जबकि इसको लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री और लोक शिक्षण विभाग के अधिकारियों के साथ दो चरणों में चर्चा हुई, लेकिन टीईटी परीक्षा आदेश निरस्त करने और नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता तय करने जैसी प्रमुख मांगों पर सरकार ने कोई स्पष्ट निर्णय नहीं लिया।

टीईटी और वरिष्ठता बना सबसे बड़ा विवाद

सयुंक्त मोर्चा की ओर से 2 मार्च को जारी टीईटी परीक्षा आदेश को खत्म करने और सेवा अवधि की गणना पहली नियुक्ति से करने की मांग उठाई थी। हालांकि शासन ने केवल पुनर्विचार याचिका पर विचार करने और विधि विशेषज्ञों से सलाह लेने की बात कही थी, लेकिन समय-सीमा तय नहीं की गई। इससे शिक्षक वर्ग में नाराजगी और बढ़ गई है।

शादी का कार्ड दिखाएं और 2 सिलिंडर घर ले जाएं

भोपाल। शादियों का सीजन शुरू होते ही लोगों को सिलिंडर उपलब्धता की चिंता शुरू हो गई है। गैस कंपनियों ने भोपाल जिले के ऐसे लोगों को राहत दी है। अब कंपनी वैवाहिक भोज के लिए दो व्यावसायिक सिलिंडर उपलब्ध कराएगी। इसके लिए एजेंसी को आवेदन के साथ विवाह का निमंत्रण पत्र देना होगा। कंपनी दो सिलिंडरों पर रिफिलिंग चार्ज के अलावा अमानत राशि भी जमा कराएगी। पिछले मंगलवार से शादियों का सीजन शुरू हो गया है। लोगों ने भोजन का जिम्मा कैटरिंग कारोबारियों को सौंपा है। अभी तक सिलिंडर नहीं उपलब्ध हो पाने से ये लोग डीजल भट्टी व इलेक्ट्रॉनिक तंदूर आदि की व्यवस्था कर रहे थे। इसी बीच इंडेन, भारत, एचपी गैस कंपनियों ने निर्णय लिया है कि वह शादी में भोजन बनाने के लिए लोगों को कुछ शर्तों के साथ दो व्यावसायिक सिलिंडर उपलब्ध करवाएगी।

आज होगा सीएसके और सनराइजर्स में मुकाबला

हैदराबाद (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को यहां आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर जीत के इरादे से उतरेगी। अपने शुरुआती चार मैचों में से तीन में हारने के बाद सनराइजर्स ने अपने घरेलू मैदान पर शानदार वापसी की है। पिछले मैच में उसने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इन दोनो ही गेंदबाजी ने रॉयल्य के खिलाफ चार-चार विकेट लेकर अपने को साबित किया था। इन दोनों युवा गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सनराइजर्स का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। टीम की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर आधारित है। वहीं दूसरी ओर रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतर रही सीएसके का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और वह अंक तालिक में काफी नीच है। रुतुराज सहित टीम के बल्लेबाज फार्म में नहीं हैं। टीम अब तक एक संजू सैमसन के शतक से एक ही मैच जीती है। सैमसन ने ही अब तक एक अर्धशतक और एक शतक लगाया है। टीम को अब तक दो जीत मिली है जिससे वह वापसी की राह पर है। टीम के पास बल्लेबाजी में युवा आयुष म्हात्रे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और दो अर्धशतक लगाये हैं। किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद के चोटिल होकर बाहर होने से सीएसके की गेंदबाजी कमजोर हुई है। ऐसे में टीम इस मैच में मुकेश कुमार को शामिल कर सकती है। दोनो के बीच अब तक कुल 22 मैच खेले गए हैं, जिनमें से 15 में सीएसके और 7 में सनराइजर्स जीती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं =

सनराइजर्स हैदराबाद= ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जीशान अंसारी। चेन्नई सुपर किंग्स= रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष और मुकेश चौधरी।

जयवर्धने ने माना मुम्बई को गेंदबाजी में सुधार की जरुरत पर, बुमराह का बचाव किया

मुम्बई। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली करारी हार के बाद माना है कि उनकी टीम के गेंदबाजी उम्मीद के अनुरुप नहीं रही है। ऐसे में उसे सुधार की जरुर है। इस सत्र में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी खराब प्रदर्शन के कारण निशाने पर हैं पर कोच ने उनपर अपना पूरा भरोसा जताया है। जयवर्धने ने किा कि यह किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरी गेंदबाजी इकाई की जिम्मेदारी है कि वे अपने प्रदर्शन में सुधार करें। उन्होंने माना है कि टीम का गेंदबाजी आक्रमण एक इकाई के तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है, जिससे विरोधी टीमें बड़े स्कोर बनाने में सफल रही हैं।

बुमराह, जो इस आईपीएल सीजन में लगातार पांच मैचों में विकेट लेने में असफल रहे हैं, पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में भी बुमराह ने चार ओवर में 41 रन दिये जिससे मुंबई 196 रनों के लक्ष्य का बचावा नहीं कर पायी। मैच के बाद जयवर्धने ने कहा कि बुमराह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं पर टीम पावरप्ले में विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना पा रही जिससे उन्हें विकेट नहीं मिल रहे। उन्होंने यह भी माना कि विपक्षी टीमें यह जानती हैं कि बुमराह के खिलाफ अधिक जोखिम लेने की आवश्यकता नहीं है कोच ने ये भी कहा कि आईपीएल की शुरुआत में बुमराह को हल्की चोट लगी थी, लेकिन अब वह पूरी तरह ठीक हैं और पिछले कुछ मैचों में उनकी गति में भी सुधार हुआ है। उन्होंने का कि इसमें किस्मत की भी बात रहती है। जयवर्धने ने इस बात पर जोर दिया कि असली मुद्दा टीम की गेंदबाजी इकाई का एक साथ मिलकर प्रदर्शन न कर पाना है। उन्होंने कहा कि विभिन्न पिचों पर एक इकाई के रूप में टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है, और यह कुछ ऐसा है जिस पर उन्हें गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है।

इसके अलावा टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा की चोट को लेकर किा कि वह गंभीर नहीं है, और टीम प्रबंधन उन्हें टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में अनावश्यक दबाव में नहीं रखना चाहता। उन्होंने कहा कि रोहित ने दौड़ना और बल्लेबाजी करना शुरु कर दिया है, और टीम उनकी प्रगति का हर दिन बारीकी से आकलन कर रही है। वहीं लगातार चौथी हार के बाद कप्तान हार्दिक पंड्या पर दबाव बढ़ने की अटकलों को जयवर्धने ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, यह सिर्फ हार्दिक की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है। कोच ने स्पष्ट किया कि जब टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है, तो यह किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं होती है।

सीएसके के तेज गेंदबाज खलील अहमद आईपीएल से बाहर हुए

मुकेश या रामकृष्ण को मिल सकता है अवसर

मुम्बई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज खलील अहमद चोटिल होने के कारण आईपीएल के पूरे सत्र से बाहर हो गये हैं। पहले ही ही खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान सीएसके की मुश्किले अब खलील के बाहर होने से और बढ़ गयी हैं। खलील के बाहर होने से सीएसके की गेंदबाजी कमजोर हुई है। जिसकी भरपाई के लिए अब टीम मुकेश कुमार या रामकृष्ण घोष में से किसी एक को शामिल कर सकती है। सीएसके ने खलील के बाहर होने की पुष्टि की है। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया में बताया, केकेआर के खिलाफ हाल ही में हुए मुकाबले में दाएं क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के बाद खलील आईपीएल से बाहर हो गए। हम खलील के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उसे केकेआर की

पारी के दौरान अपने रन-अप में परेशानी हुई और अचानक रुकना पड़ा था। शुरुआती तौर पर यह गंभीर ऐंठन का मामला लग रहा था पर बाद में जांच में इसे गंभीर पाया गया। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया, जिससे उनके साथी खिलाड़ी गुरजपनीत सिंह को ओवर की बची हुई पांच गेंदें फेंकनी पड़ी थीं। इस मामले में खलील को सर्जरी भी करवानी पड़ सकती है।

खलील अहमद का मौजूदा टूर्नामेंट से बाहर होना चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक ऐसे समय में आया है जब टीम का गेंदबाजी आक्रमण पहले से ही संघर्ष कर रहा है और कमजोर नजर आ रहा है। उनकी अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम की चुनौतियों को और बढ़ाएगी। टीम पहले से ही कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही है। कप्तान एमएस धोनी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, जबकि विदेशी तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन स्ट्रेस फैक्चर की समस्या से जूझने के कारण शुरुआती मुकाबलों से बाहर चल रहे हैं। ऐसे में खलील का बाहर होना टीम के संतुलन को और भी प्रभावित करेगा। खलील की जगह लेने के लिए मुकेश सबसे बड़े दावेदार हैं। उन्होंने आईपीएल के 16 मुकाबलों में 17 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे विकल्प रामकृष्ण दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, जो निचले क्रम में अपनी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। मौजूदा सीजन में सीएसके का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। टीम ने अब तक कुल 5 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से उन्हें 2 में जीत मिली है जबकि 3 में हार का सामना करना पड़ा है। इस हार-जीत के अनुपात के साथ, खलील के बाहर होने से टीम पर अतिरिक्त दबाव आएगा। सीएसके का अगला मुकाबला शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के साथ होगा।

डी कॉक आईपीएल में तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

मुम्बई । इंडियान प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक केवल एक पांच में से एक ही मैच में जीत मिली है। गत दिवस पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी उसे हार का सामना करना पड़ा था हालांकि इस मैच में टीम के सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे क्विंटन डी कॉक ने शानदार शतक लगया था। डी कॉक के नाम इस शतक के साथ ही एक अनौखा रिकार्ड दर्ज हो गया है। वह तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं।

मुंबई इंडियंस से पहले, उन्होंने लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली डेयरडेविल्स (जो अब दिल्ली कैपिटल्स है) के लिए भी शतक बनाए थे। उनकी यह हैट्रिक दिखाती है कि कि वह अलग-

अलग आईपीएल टीमों से भी बेहतर प्रदर्शन करते आये हैं।

इसके अलावा डी कॉक आईपीएल में बतौर विकेटकीपर भी तीन शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बने हैं। ये उपलब्धि उन्हें लीग के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक बनाती है। डी कॉक से संजू सैमसन ने ये रिकार्ड बनाया था। सैमसन ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सत्र में जबकि इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए भी शतक लगाये थे। वहीं, केएल राहुल आईपीएल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए शतक लगाये हैं।

आईपीएल के बाहर भी डी कॉक ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ लगाया गया यह शतक उनके टी20 करियर का नौवां शतक था, जिसके साथ ही वह विराट कोहली के शतकों की बराबरी पर आ गये हैं। डी कॉक अब टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में उनसे ऊपर क्रिस गेल 22 शतक, बाबर आजम 11 शतक और डेविड वॉर्नर 10 शतक हैं।

विनोद कांबली की तबीयत में हल्का सुधार

मुम्बई। गंभीर रुप से बीमार चल रहे भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली की तबियत में हल्की सुधार आया है। इस मुश्किल घड़ी में बचपन के दोस्त सचिन तेंदुलकर सहित कई लोग उनकी सहायता के लिए सामने आये हैं। तेंदुलकर अब एक व्हाट्सएप ग्रुप का हिस्सा बन गए हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य कांबली को आर्थिक और भावनात्मक रुप से सहारा देना है।

इसमें कांबली के पुराने दोस्त मार्कस कूटो भी शामिल हैं। इसके अलावा कई अन्य पूर्व क्रिकेटर भी इससे जुड़े हुए हैं। कूटो ने कहा कि इस व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सदस्य नियमित रूप से कांबली की सहायता कर रहे हैं जिससे उन्हें किसी प्रकार की वित्तीय परेशानी का सामना न करना पड़े।

आईपीएल में बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बनी एनगिडी की ये गेंद

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की विशिष्ट डिपिंग स्लोअर बॉल अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बननी जा रही है। इस प्रभावी गेंद पर काम करने की शुरुआत उन्होंने 2018 में चेन्नई सुपरकिंग्स के साथ जुड़ने के बाद टीम के साथी और दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो के सुझाव पर की थी। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में इस महत्वपूर्ण कला में महारत हासिल करने में एनगिडी को बेशक थोड़ा समय लगा, लेकिन अब यह उनकी गेंदबाजी का एक अहम हथियार बन चुकी है। इसी को लेकर इस तेज गेंदबाज का कहना है कि एक ही जैसी गेंदबाजी कर आप अधिक समय तक नहीं टिक सकते। इसलिए उन्होंने इस गेंद को खोजा है।

दक्षिण अफ्रीका और आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करने वाले इस तेज गेंदबाज को इस बात पर हैरानी है कि लोग अब उनकी गेंदबाजी विविधताओं के बारे में इतनी बातें कर रहे हैं, जबकि ये वर्षों से उनके खेल का अभिन्न हिस्सा रही हैं। हाल ही में एनगिडी ने अपनी इस प्रभावशाली गेंद के बारे में विस्तार से बताया। यह एक ऐसी धीमी गेंद है जो बल्लेबाज के पास पहुंचते-पहुंचते अचानक नीचे की ओर गिरने लगती है। इसकी खासियत यह है कि यह धीमी यॉर्कर, लेंथ गेंद या धीमी बाउंसर किसी भी रूप में डाली जा सकती है, जिससे बल्लेबाज को भ्रमित करना और भी आसान हो जाता है। गौरतलब है कि एनगिडी ने टी20 विश्व कप के दौरान भी इस गेंद का प्रयोग किया था, यह एक ही गेंद के साथ तीन अलग-अलग लेंथ हैं और बल्लेबाज को यह अंदाजा लगाना होता है कि अगली गेंद कौन सी आने वाली है। एनगिडी ने अपनी बात रखते हुए कहा, ऐसा लगता है कि हर कोई हैरान है, लेकिन मैं तो वर्षों से धीमी गेंदें डाल रहा हूं। शायद अब मैं उन्हें थोड़ी अधिक फ्लाइट दे रहा हूं। मैं आईपीएल से जुड़े मौजूदा ट्रेंड पर भी नजर रख रहा हूं। आजकल हर कोई तेज गेंदबाजी करना चाहता है। उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा, इन जैसी बल्लेबाजी के लिए मददगार पिचों पर आपको कुछ अलग करना पड़ता है। यही एकमात्र तरीका है जिससे आप प्रासंगिक बने रह सकते हैं। बहुत से लोग मेरे से इसके बारे में (डिपिंग स्लोअर बॉल के बारे में) पूछते हैं। उन्हें लगता है कि यह आसान है।एनगिडी ने इस कला में महारत हासिल करने में लगी मेहनत का जिक्र करते हुए बताया, इस गेंद को सही तरीके से फेंकने में मुझे लगभग एक साल का समय लगा।

टी20 विश्व कप में कनाडा-न्यूजीलैंड मैच में फिक्सिंग के आरोपों की जांच कर रही आईसीसी

दुबई । भारत और श्रीलंका में हुए आईपीसी टी20 विश्वकप के एक मुकाबले में मैच फिक्सिंग के संदेह के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसी) की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कनाडाई क्रिकेट टीम के कप्तान पर भी आरोप है। इसमें टी20 विश्व कप के दौरान कनाडा के एक मैच में कथित तौर पर मैच फिक्सिंग का दावा किया गया है। इन सनसनीखेज खुलासों का आधार एक डॉक्यूमेंटी को बनाया गया है जो हाल ही में प्रसारित हुई थी। इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसके भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई बड़े आरोप लगाए गए हैं।

एसीयू अभी दो सक्रिय मामलों की जांच कर रही है जो क्रिकेट कनाडा के कामकाज और अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू स्तर पर आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन से जुड़े हैं। मैच फिक्सिंग का सबसे बड़ा आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए विश्व कप मैच से जुड़ा है। इससे न्यूजीलैंड की पारी के पांचवे ओवर पर संदेह जताया गया है। तब कनाडाई कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी कर रहे थे। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही कप्तान बनाया गया था। ऑफ-स्पिनर होने के बाद भी वह समय समय गेंदबाजी करने आये जब तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी संभालनी पड़ी। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 35 रन था पर इस ओवर में उन्होंने कुल 15 रन दिए, जिससे उनकी भूमिका पर संदेह गहरा गया है।

दूसरी जांच पूर्व कोच खुर्रम चौहान की एक टेलीफोन कॉल रिकॉर्डिंग से संबंधित है। इस रिकॉर्डिंग में चौहान दावा कर रहे हैं कि क्रिकेट कनाडा बोर्ड के वरिष्ठ सदस्यों ने उन पर कुछ खास खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चुनने के लिए दबाव डाला था। यह ऑडियो पिछले साल लीक हुआ था और तभी से जांच के घेरे में है।

मेसी पर इवेंट प्रमोटर ने 70 लाख डॉलर का मुकदमा दायर किया

मियामी। अर्जेंटीन के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी कानूनी शिकंजे में फंस गये हैं। एक इवेंट प्रमोटर ने अनुबंध को तोड़ने के लिएए मेसी पर मुकदमा दायर किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार मियामी स्थित एक इवेंट प्रमोटर ने उन पर पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अपनी उपस्थिति दर्ज न कराकर 70 लाख डॉलर (लगभग 58 करोड़ रुपये) के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है। इससे मैसी विवादों में फंस गये हैं। विड म्यूजिक ग्रुप नामक इस प्रमोटर ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। इस मामले में मेसी या एएफए की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या टिप्पणी

सामने नहीं आई है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।

मेसी को विश्व के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। अपनी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय खेल कौशल के कारण, वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी हैं। उनके दुनियाभर में करोड़ों प्रशंसक हैं, जो उन्हें मैदान पर खेलते हुए देखने के लिए अक्सर मोटी रकम चुकाने को तैयार रहते हैं। यही कारण है कि उनकी अनुपस्थिति का सीधा असर आयोजकों की कमाई और दर्शकों की उम्मीदों पर पड़ता है, जिससे ऐसे अनुबंधों का उल्लंघन वित्तीय और प्रतिष्ठा दोनों के लिहाज से महंगा साबित हो सकता है। शिकायतकर्ता विड म्यूजिक ग्रुप ने दावा किया है कि उसने पिछले साल गर्मियों में अर्जेंटीना के वेनेजुएला और प्यूर्टोरिको के खिलाफ होने वाले दो मैत्री मैचों के लिए एएफए के साथ एक समझौता किया था। इस समझौते के तहत, यह स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया था कि मेसी को प्रत्येक मैच में कम से कम 30 मिनट खेलना अनिवार्य होगा, बशर्ते कि वह किसी चोट से ग्रस्त न हों। हालांकि, प्रमोटर का आरोप है कि इस शर्त का उल्लंघन करते हुए मेसी वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर उपस्थित नहीं हुए। इस घटना के बाद, विड म्यूजिक ग्रुप का कहना है कि उन्हें भारी वित्तीय नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई

आईपीएल प्लेऑफ में पंजाब, आरसीबी का पहुंचना तय

बचे हुए स्थानों के लिए पांच टीमों में है मुकाबला

मुमबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अभी तक सभी टीमों ने पांच-पांच मुकाबले खेल लिए हैं। इससे प्लेऑफ को लेकर कुछ-कुछ तस्वीर साफ होने लगी है। अब तक पंजाब किंग्स एक भी मैच नहीं हारी है और 9 अंक लेकर प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे है। उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था।

वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और राजस्थान रॉयल्स की टीम ने अपने-अपने चार-चार मुकाबले जीते हैं और 8-8 अंक लेकर प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं। आरसीबी नेट रन रेट के मामले में आगे होने के कारण प्लेऑफ में पहुंचने की दूसरी बड़ी दावेदार है , वहीं रॉयल्स तीसरी। लीग में हिस्सा ले रही सभी दस टीमें 14-14 लीग मैच खेलेंगी और इनमें से शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में अपनी जगह बनाएंगी। कुछ टीमें ऐसी हैं जिन्होंने सत्र के शुरुआती चरण में ही

दमदार खेल दिखाकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है वहीं कुछ को अभी लंबा रास्ता तय करना है।

वहीं आईपीएल के नियमों के अनुसार, प्लेऑफ में पहुंचने के लिए आमतौर पर किसी भी टीम को लीग स्टेज में कम से कम आठ मैच जीतने होते हैं, जिससे उनके 16 अंक हो जाते हैं और वे नेट रन रेट के फेर में नहीं फंसती पर कुछ मामलों में सात जीत के साथ 14 अंक होने पर भी बेहतर रन रेट के आधार पर प्लेऑफ में जगह मिल सकती है।

पंजाब किंग्स प्लेऑफ की रेस में सबसे आगे दिखाई दे रही है। वहीं आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स भी प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है। यदि ये शीर्ष तीन टीमें अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं, तो प्लेऑफ में उनकी जगह लगभग पक्की मानी जा सकती है। ऐसे में, अंतिम दो प्लेऑफ स्थानों के लिए पांच टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स ङ्क ये पांचों टीमें इस समय चार-चार अंकों के साथ मध्य तालिका में हैं। इन टीमों को अब अपनी जीत की लय को बनाए रखना होगा और लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि एक भी हार उन्हें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर सकती है। वहीं, टूर्नामेंट में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में पहुंचना कठिन है। केकेआर अभी तक एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है, जबकि मुंबई इंडियंस भी लगातार हारी है उसे एक ही मैच में जीत मिली है। उसके अभी सिर्फ दो अंक हैं। इन दोनों टीमों को अब अपने बचे हुए नौ मैचों में से कम से कम छह से सात मैच जीतने होंगे, और वह भी बेहतर नेट रन रेट के साथ, ताकि वे प्लेऑफ की दौड़ में वापस आ सकें।

पंजाब किंग्स की हार के बाद भड़के पांड्या, बुमराह से भी नाराज दिखे

मुंबई। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस की हार का सिलसिला थमने नहीं रहा है। टीम को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में मुंबई की गेंदबाजी बेहद साधारण नजर आई, जिसके चलते क्विंटन डिकॉक की शानदार पारी से बने 195 रनों के सम्मानजनक स्कोर का बचाव करने में टीम पूरी तरह विफल रही। पंजाब के बल्लेबाजों ने आसानी से इस लक्ष्य को भेद दिया, जिसने टीम प्रशंसकों को निराश हुई है।

लगातार मिल रही असफलता से कप्तान हार्दिक पांड्या मैदान पर गुस्से में दिखे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें हार्दिक फील्डिंग सेट करते समय टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से खुश दिखाई नहीं दे रहे हैं। वीडियो में हार्दिक बुमराह से किसी बात पर नाराज दिखे जिसके बाद बुमराह ने भी उसी अंदाज में प्रतिक्रिया दी जिससे लगा कि उन्हें कप्तान का यह रवैया ठीक नहीं लगा हो। इस घटना ने मुंबई इंडियंस के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान और खिलाड़ियों के बीच संभावित तनाव को उजागर कर दिया है, जो टीम के माहौल पर सवालिया निशान लगाता है। विश्व क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल 2026 अब तक उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। इस सीजन में सभी बल्लेबाज उनके खिलाफ काफी सावधानी से खेल रहे हैं और अपना विकेट गंवाने से बच रहे हैं। यही कारण है कि बुमराह लगातार पांच मैचों में एक भी विकेट हासिल नहीं कर पाए हैं। बुमराह का यह विकेटहीन रहना मुंबई इंडियंस की खराब हालत का एक बड़ा कारण बन गया है, क्योंकि इससे न सिर्फ अन्य गेंदबाजों पर दबाव बढ़ा है, बल्कि टीम को निर्णायक पलों में विकेट निकालने वाले प्रमुख अस्त्र की कमी भी खल रही है। उनकी फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस ने अब तक कुल पांच मुकाबले खेले हैं, जिनमें से उन्हें सिर्फ एक में जीत नसीब हुई है। सीजन के अपने पहले मैच में जीत दर्ज करने के बाद मुंबई लगातार चार मैच हार चुकी है, जो उनकी निराशाजनक स्थिति को दर्शाता है। लगातार हार के कारण मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर खिसक गई है, जो प्लेऑफ की दौड़ में उनकी राह को बेहद मुश्किल बना रहा है।

श्रेयस ने लक्ष्य का पीछा करने के मामले में विराट को पीछे छोड़ा

मुम्बई । पंजाब किंग्स क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने लक्ष्य का पीछा करने के मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया है। श्रेयस ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान 66 रनों की पारी खेलकर विराट को पीछे छोड़ा। इसी के साथ ही आईपीएल 2024 से अब तक लक्ष्य का सफल पीछा करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में श्रेयस ने विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल 2024 से लेकर अब तक के मुकाबलों को देखा जाये तो लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रेयस ने विराट से अधिक रन बना दिये हैं।

एक माह पूर्व ही नौतपा का हो रहा एहसास, चुभन दे रही भीषण गर्मी

धूप के थपेडो ने किया जीना मुहाल,41 डिग्री सेल्सियस तापमान पर तप रहा बालाघाट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार उछाल देखा जा रहा है।जिसके चलते कभी तेज धूप, के बीच भीषण गर्मी पड़ रही है। मौसम में बड़ी चिपचिपी गर्मी और बदलाव के बीच 1 माह पूर्व ही नौतपा का अहसास हो रहा है।जानकारी में मुताबिक पिछले तीन दिनों से तापमान में लगातार उछाल देखा जा रहा है।लगातार बढ़ते जा रहे हैं इसी तापमान ने पुन: जिलेवासियों को हलाकान कर रखा है। जिसके चलते लोग अब रात दिन कूलर और पंखे के बिना नहीं रह रहे हैं। अब दिन और रात दोनों गर्म होने लगे हैं।हालांकि 25 मई से नौतपा की शुरुआत होगी जो 2 जून तक चलेगी।इसको अभी 1 माह से भी अधिक का समय है।लेकिन अभी से भीषण व चिपचिपी गर्मी के साथ लू चलने लगी है।उधर मौसम विभाग द्वारा इस नौतपा पर बारिश होने के संकेत दिए गए हैं तो वहीं इस नौतपा में तापमान नरम गर्म रहने की संभावना व्यक्ति की गई है

फिर 4 डिग्री पर पहुँचा तापमान

एक बार फिर तापमान में आए उछाल और शुक्रवार को पूरा दिन चली गर्म हवाओं के बीच शहर का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। वहीं मौसम विभाग ने शुक्रवार की तरह शनिवार को भी नगर का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की आशंका जताई है।वही रविवार को तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुचने की बात कही जा रही है।लगातार ब?ते जा रहे इस तापमान के चलते जिले भर मे भीषण गर्मी पड़ रही है। वही मौसम विभाग ने आगामी 10 दिनों तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने के संकेत दिए है।यदि मौसम विभाग की भविष्यवाणी को सच माना जाए तो अप्रैल माह के अंत तक जिलेवासियों को इस भीषण गर्मी से राहत मिलती नजर नही है।

भीषण गर्मी ने किया जीना मुहाल

शहर का तापमान इन दिनों सातवें आसमान पर है और रोजाना ही तापमान में वृद्धि देखी जा रही है इस चिलचिलाती धूप से निजात पाने के लिए लोगो को चश्मा,टोपी गमछा आदि का सहारा लेना पड़ रहा हैं तो वहीं दुपट्टे से सर बाधकर ही लोग अपने घर से बाहर निकल रहे हैं। जबकि ज्यादातर लोग दोपहर के वक्त अपने घरों या दफ्तर में दुबककर रहने के लिए मजबूर हैं।वही दोपहर के वक्त जिले भर के विभिन्न मुख्य मार्गो में सन्नाटा सा छाया रहता है और लोग सड़कों के किनारे लगे वृक्ष की छाया में आराम फरमाते नजर आ रहे हैं। हालांकि शाम 5 बजे के बाद धूप कम होने पर शहर की सड़कों, बस स्टैंड, सहित बाजारों व अन्य स्थानों में लोगों की भीड़ दिखाई दे रही है। कुल मिलाकर कहा जाए तो यहां भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है

पेयजल की बढ़ी मांग

जैसे-जैसे तापमान में इजाफा हो रहा है वैसे वैसे शहर में शीतल पेयजल की मांग बढ़ने लगी है इसमें कोल्ड ड्रिंक, ठंडी पानी बोतल, पानी पाउच, ठंडाई, मॉकटेल सहित अन्य शीतल पेय जल की मांग में इन दिनों काफी बढ़ोतरी देखी जा रही है साथ ही शहर के शासकीय अर्द्ध शासकीय व निजी कार्यालयों में पानी केन की मांग में एक बार फिर इजाफा हो चुका है।

कई क्षेत्रों में गहराया जल संकट

आग उगल रहे सूरज और हलाकान करने वाली गर्मी से जिले के कई ग्रामीम क्षेत्रो में जल संकट गहरा गया है। ग्रामीण क्षेत्र में जहां नदी, कुआ, तालाब का जलस्तर गिरने लगा है तो वहीं कई हैंडपंप पानी की जगह खाली हवा फेक रहे है।जिलें कें ऐसे कई ग्रामीण इलाके है।जहां जल संकट की स्थिति निर्मित होने लगी है।

मरीजों की संख्या में हुई वृद्धि

चुभन दे रही भीषण गर्मी, धूप के थपेड़े और जिले भर में चल रही गर्म हवाओं के चलते लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है और लोग बुखार, उल्टी, दस्त सिर दर्द सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी शिकायत लेकर शासकीय व निजी अस्पताल पहुंचने लगे हैं साथ ही अस्पतालों में रोजाना ही मरीजों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है।

अभी से नौतपा का हो रहा एहसास

शहर का तापमान इन दिनों सातवें आसमान पर है और रोजाना ही तापमान में वृद्धि देखी जा रही है। हालांकि नौतपा लगने को अभी 1 माह से भी अधिक दिनों का समय है फिर भी अभी से नौतपा का एहसास होने लगा है। और तापमान लगातार बढ़ते जा रहा है।आलम कुछ इस तरह है कि वर्तमान समय में जब इतना अधिक तापमान बढ़ गया है और भीषण गर्मी पड़ रही है तो फिर नौतपा में क्या हाल होगा यह ख्याल लोगों को विचलित कर रहा है।

धूप से हर किसी को बचना चाहिए- जैन

जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने बताया कि वर्तमान समय मे बहुत अधिक धूप पड़ रही है।इसलिए इससे बचना ही प्रथम उपाय है।लोगो ने सुबह या शाम काम करना चाहिए।धूप में निकलने से बचना चाहिए। अति आवश्यक होने पर गमछा या टोपी पहन कर ही धूप से निकले। पानी की समुचित व्यवस्था रखें ,वही घर में बने पेयजल जैसे नींबू शरबत,ओआरएस घोल, छाछ या आम का पना आदि का उपयोग करें।दोपहर में धूप में निकलने से काम करने से उन्हें लू लग सकती है।ज्यादा से ज्यादा ठंडा स्वच्छ पानी का सेवन करे, और तबियत खराब होने पर तुरन्त नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर उपचार कराए, खास तौर पर बच्चो का विशेष ध्यान रखना चाहिए

किरनापुर ब्लॉक का मप्र बोर्ड मे कक्षा 10 वीं का 87.10 प्रतिशत तो 12 वीं का 90.36 प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

पल्लवी बांते ने दसवीं मे 98.8 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश की प्रावीण्य सूची मे पाया 6 वाँ स्थान

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश बोर्ड द्वारा आयोजित हाईस्कूल सर्टिफिकेट एवं हायर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए गए हैं। इन परीक्षा परिणामों मे किरनापुर विकासखंड का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम रहा हैं। परीक्षा परिणामों के संबंध मे जानकारी देते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी गणेश प्रसाद सोनी ने बताया कि कक्षा दसवीं मे कुल दर्ज 1745 विद्यार्थियों मे से 1730 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। जिसमे से 1139 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी मे,357 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी मे तथा 11 विद्यार्थी तृतीय श्रेणी मे उत्तीर्ण हुए। इस तरह परीक्षा में शामिल कुल 1730 विद्यार्थियों मे से 1507 विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे तथा 223 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए। इस तरह कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 87.10 प्रतिशत रहा। उन्होंने आगे यही भी बताया कि किरनापुर विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सारदसिवनी की कक्षा दसवीं की छात्रा पल्लवी पिता रामकिशोर बंते ने कुल 500 मे से 494 अंकों के साथ 98.8 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची मे 6 वा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र को गौरांवित किया है।उसी प्रकार कक्षा बारहवीं मे कुल दर्ज 1344 मे से 1339 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। जिसमे से 1024 प्रथम श्रेणी मे तथा 186 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी मे उत्तीर्ण हुए । इस तरह कुल 1339 मे से 1210 विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे तथा 129 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए। इस तरह कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम 90.36 प्रतिशत रहा। वही कक्षा बारहवीं मे छात्र आर्यन गिरी गोस्वामी पिता इन्तोष गिरी गोस्वामी ने 500 मे से 481 अंक हासिल कर 96.2 प्रतिशत अंकों के साथ विकासखण्ड मे प्रथम स्थान हासिल कर किरनापुर क्षेत्र के साथ अपने माता पिता एवं विद्यालय को गौरांवित किया है।

एमएलबी स्कूल में आयोजित दो दिवसीय शालेय वार्षिक महोत्सव संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाघाट में शुक्रवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ 2 दिवसीय वार्षिक महोत्सव का समापन किया गया।जहां आयोजित इस वार्षिक महोत्सव के दौरान कक्षा दसवीं कक्षा बारहवीं में जिले में टॉप करने वाली 32 छात्राओं को सम्मानित कर ,उन्हें नगद पुरस्कार दिए गए।तो वही बालाघाट जिले में कक्षा दसवीं का 87 तो वही कक्षा 12वीं का 89 प्रतिशत रिजल्ट आने पर जिला शिक्षा अधिकारी अश्विन कुमार उपाध्याय का शाला परिवार की ओर से अभिनंदन किया गया। 16 और 17 अप्रैल को आयोजित इस वार्षिक महोत्सव के दौरान जहां गुरुवार 16 अप्रैल को स्कूली बच्चों ने खेल प्रतियोगिताओं जैसे जलेबी दौड़, पिट्ठू, खो-खो, कैरम बोर्ड प्रतियोगिता, शतरंज, कुर्सी दौड़, नींबू दौड़ सहित अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लिया। तो वहीं महोत्सव के दूसरे दिन 17 अप्रैल दिन शुक्रवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए गए। जिसमें कक्षा छठवीं से कक्षा 12वीं तक के 200 से अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया।

आयोजित कार्यक्रम की शुरुवात माता सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यापर्ण कर की गई, जहा दीप प्रज्वलित कर अतिथियों का स्वागत किया गया।इस दौरान छात्राओं ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी।जिसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुवात हुए। इस दौरान छात्राओं ने गीत गायन, एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, भजन, काव्य पाठ, संगिष्ठी, नाटक आदि के माध्यम से अपनी छुपी हुई प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एमएलबी स्कूल में आयोजित इस दो दिवसीय वार्षिक महोत्सव के तहत कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिता में बेटियों का हुनर देखने को मिला। जहां स्कूली छात्राओं ने घर में पड़े टूटे-फूटे सामान और कबाड़ से जुगाड़ कर, गुड़िया, पंछी और शोपीस की विभिन्न सामग्रियां बनाई और उनका प्रदर्शन किया। जिसकी हर किसी ने सराहना की।तो वही जारी कक्षा 10 वी 12वी के परीक्षा परिणामो में जिले की मैरिड सूची पर अपना नाम दर्ज करने वाली स्कूली छात्राओं को प्राचार्य मनोज कुमार जैन की तरफ से नगद पुरस्कार का वितरण किया गया, तो वही विभिन्न खेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाली छात्राओं को अलग से पारितोषिक पुरस्कार के वितरण किए गए। आयोजित इस वार्षिक महोत्सव पर जिला शिक्षा अधिकारी एके उपाध्याय प्रमुख अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे तो वही प्राचार्य मनोज जैन के निर्देशन में परीक्षा प्रभारी तनुजा टाकुर, खेल प्रभारी कंचन महाजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी किरण चिले, मंजू श्रीवास्तव ,और माया चौधरी सहित समस्त स्कूल स्टाफ का कार्यक्रम को सफल बनाने में भरपूर सहयोग रहा।

बालाघाट में विधिक सेवा प्राधिकरण का आयोजन- मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नालसा योजना 2015 के अंतर्गत जागरूकता शिविर एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों से 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में प्रदेश स्तर की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं में शिवम बोपचे, भुवी बिसेन, दिव्यांश चावके, नैनी लिल्हारे तथा कक्षा 12वीं में शिवम, भावना पटले, आर्यनगिरी गोस्वामी, स्वाती उइके, मृणाली धावरे, अश्वी पाराशर एवं स्तुति जैन को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण ने विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता केवल अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कठिन परिश्रम, समर्पण और दृढ़ निश्चय का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के विश्वास की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) रघुबीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला न्यायाधीश डी.एन. सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीष शर्मा एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी जितेंद्र मोहन धुर्वे सहित अभिभावक एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल विधिक जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बना, बल्कि मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी एक सराहनीय पहल साबित हुआ।

सान्दीपनि विद्यालय बालाघाट में कक्षा 11वीं प्रवेश प्रक्रिया 23 अप्रैल को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सान्दीपनि विद्यालय बालाघाट में कक्षा 11वीं में प्रवेश हेतु प्रक्रिया दिनांक 23 अप्रैल 2026 को निर्धारित की गई है। विद्यालय प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले ने जानकारी देते हुए बताया कि सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रवेश निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा। जारी सूचना के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत प्रात: 7:30 बजे से 8:30 बजे तक पंजीयन किया जाएगा। इसके पश्चात 8:30 बजे से संकाय (स्ट्रीम) के अनुसार कक्षाओं का आवंटन प्रारंभ होगा। सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य रखी गई है। यदि किसी कारणवश छात्र या पालक उपस्थित नहीं हो पाते हैं, तो वे किसी अन्य व्यक्ति को अधिकृत कर सकते हैं। विद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थी अपने साथ इंटरनेट से प्राप्त अंकसूची अवश्य लेकर आएं तथा संकाय चयन के लिए अपनी प्राथमिकता पहले से निर्धारित कर लें। काउंसलिंग प्रक्रिया अंकों के घटते क्रम में की जाएगी और उपलब्ध रिक्त सीटों के आधार पर ही प्रवेश दिया जाएगा। सीटों का निर्धारण विभिन्न माध्यमों से उत्तीर्ण छात्रों की संख्या एवं सेक्शन के अनुपात के आधार पर किया जाएगा, जिसकी जानकारी पूर्व में ही सूचना पटल पर प्रदर्शित कर दी जाएगी। अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के संबंध में यह माना जाएगा कि वे विद्यालय में प्रवेश लेने के इच्छुक नहीं हैं, ऐसे में बाद में किसी प्रकार की काउंसलिंग नहीं की जाएगी। प्राचार्य डा युवराज रहांगडाले ने बताया कि एक बार संकाय आवंटन हो जाने के बाद उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन संभव नहीं होगा। साथ ही, विद्यार्थियों एवं पालकों के मार्गदर्शन के लिए 22 अप्रैल 2026 को प्रात: 9 बजे से एक मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया गया है, जिसमें उपस्थित होकर आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

चित्रकूट में संत जगतगुरु रामभद्राचार्य जी से मंदिर समिति की सौजन्य भेंट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर, भरवेली क्षेत्र अंतर्गत हीरापुर स्थित सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर में बनने जा रही विश्व की सबसे भव्य एवं विशाल 205 फीट ऊँची भगवान श्री हनुमान जी की दिव्य प्रतिमा और भव्य मंदिर निर्माण के महा संकल्प को संतों का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।इसी क्रम में दिनांक 16 अप्रैल 2026 को मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा पवित्र नगरी चित्रकूट में स्थित श्री तुलसी पीठ सेवा न्यास पहुँचकर जगतगुरु श्री रामभद्राचार्य जी से सौजन्य भेंट की।इस अवसर पर समिति द्वारा जगतगुरु जी को श्रद्धा एवं सम्मान स्वरूप कोदो का चावल एवं सत्तू भेंट किया गया, जिसे उन्होंने प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार किया।भेंट के दौरान प्रस्तावित 205 फीट हनुमान प्रतिमा एवं भव्य मंदिर निर्माण के विषय में विस्तृत चर्चा हुई। जगतगुरु श्री रामभद्राचार्य जी ने इस महापावन कार्य के लिए अपना पावन आशीर्वाद प्रदान करते हुए इसे सनातन धर्म, आस्था एवं सांस्कृतिक जागरण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।उन्होंने भविष्य में बालाघाट पधारकर इस दिव्य कार्य हेतु अपने आशीर्वचन प्रदान करने की सहमति भी प्रदान की, जिससे समस्त श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों में अत्यंत हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है।बताया गया कि यह प्रस्तावित निर्माण केवल एक प्रतिमा नहीं, बल्कि रामभक्ति, हनुमत शक्ति एवं सनातन गौरव के पुनर्जागरण का प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए आस्था का केंद्र बनेगा।मंदिर समिति ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से इस दिव्य संकल्प में सहभागी बनने का आह्वान किया है, ताकि यह महाअभियान शीघ्र ही पूर्णता को प्राप्त

प्रकाश राज ने सुनाई रामायण को लेकर कहानी, लोग हुए नाराज, मामला दर्ज

एक्टर ने कहा-नॉर्थ से साउथ जाने वाले लोग हम पर जबरदस्ती हिन्दी न थोपें

मुंबई,। प्रकाश राज के खिलाफ अपराधिक मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, प्रकाश राज ने हाल ही में हुए एक इवेंट में रामायण को लेकर एक ऐसी कहानी सुनाई, जिसे लेकर उनकी आलोचना हुई। उनपर आरोप लगाया जाने लगा कि उन्होंने हिंदू धर्म को मानने वाले लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

प्रकाश राज ने कहानी शुरू करते हुए कहा कि राम, लक्ष्मण और सीता साउथ की तरफ आ रहे थे। तभी लक्ष्मण ने कहा, राम! हम कितने भाग्यशाली हैं। वो देखिए जंगल। राम ने कहा, नहीं, ये किसी का खेत है। लक्ष्मण ने पूछा, वहां फल हैं। क्या हम उन्हें खा सकते हैं? राम बोले- हां। लक्ष्मण ने पूछा, पर क्या ये चोरी नहीं होगी? राम ने कहा, नहीं! अगर तुम भूखे हो, तो खा सकते हो। जब वो फल खाने लगे तब शूर्पणखा और रावण आ गए। प्रकाश राज ने आगे कहा कि शूर्पणखा को गुस्सा आया। उसने कहा भैया ये लोग फल खा रहे हैं। इस पर रावण ने कहा वो लोग भूखे हैं। उन्हें खाने दो। हम बाद में इनसे बात करेंगे। जब उन्होंने खा लिया तब राम ने लक्ष्मण से कहा, अरे लकी! राम लक्ष्मण को लकी कहते हैं...उन्होंने कहा कि कुछ आदिवासी (रावण-शूर्पणखा) आए हैं। इस पर रावण ने कहा, नहीं! हम ही मालिक हैं।

कहानी को आगे बढ़ाते हुए प्रकाश राज इसमें जीएसटी और नॉर्थ-साउथ की डिबेट भी ले आए। उन्होंने कहा कि राम बोले, हमने फ्रूट्स खाए हैं, तो हम पैसे भी देंगे। इस पर शूर्पणखा ने कैलकुलेट किया और कहा, आपके हुए 2000 डॉलर्स जीएसटी के साथ। राम-लक्ष्मण ने कहा, नहीं! हमारे पास पैसे नहीं हैं। तो रावण ने उन्हें 20फीसदी का डिस्काउंट दे दिया, लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं, हमारे पास पैसे नहीं हैं। इसपर रावण ने कहा, अगर डिस्काउंट देने के बाद भी आपके पास पैसे नहीं हैं तो यहां काम करो। जो फल खाए हैं उसके बीज को प्लांट करो, पेड़ बनाओ और वापस जाओ।

इसके बाद प्रकाश राज ने नॉर्थ-साउथ डिबेट पर तंज कसा और कहा कि नॉर्थ से साउथ जाने वाले लोग हम पर जबरदस्ती हिन्दी न थोपें। किसी बैंक का मैनेजर बनकर हमें बीफ खाने से मत रोकिए, हम बीफ फेस्टिवल भी करेंगे।' प्रकाश राज के इस वीडियो पर जमकर बवाल हो रहा है। गुस्से से भड़के लोगों ने उन्हें एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी से हटाने की ही मांग की है। एक ने कमेंट में लिखा, 'उन्होंने हमारी संस्कृति का अपमान करके अपनी संस्कृति का सम्मान करने की बात कही है।' कुछ लोगों ने उन पर उत्तर और दक्षिण के बीच दरार पैदा करने का आरोप भी लगाया। बता दें प्रकाश की मां, स्वर्णलता राज का मार्च 2026 में निधन हो गया था। उनकी मां का अंतिम संस्कार करते हुए उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। नास्तिक होने के बावजूद, प्रकाश राज को अपनी मां के ताबूत के पास बैठे हुए देखा गया था। प्रकाश हाल ही में आदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप की फिल्म डकैत में नजर आए थे। वहीं अब वो एसएस राजामौली की वाराणसी में दिखाई देंगे। इस फिल्म में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा जोनास और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं।

कायदी की कुमकुम डहरवाल ने कक्षा 12वीं में विद्यालय में हासिल किया प्रथम स्थान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा हाल ही में घोषित कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणामों में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कायदी की छात्रा कु. कुमकुम डहरवाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।कुमकुम डहरवाल की इस सफलता से विद्यालय एवं क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनकी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के परिणामस्वरूप उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। छात्रा की इस शानदार उपलब्धि पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कायदी के प्राचार्य करण सिंह मेरावी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उन्हें हार्दिक बधाई दी। विद्यालय परिवार द्वारा छात्रा को सम्मानित भी किया गया तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई।

परिवार और शिक्षकों को दिया श्रेय

अपनी सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए छात्रा कुमकुम डहरवाल ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार और शिक्षकों को दिया। उन्होंने कहा कि उनके दादा शिव डहरवाल, पिता दिनेश डहरवाल, माता कंचन डहरवाल तथा विद्यालय के सभी शिक्षकों का मार्गदर्शन और सहयोग उनके लिए प्रेरणास्त्रोत रहा।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार पति-पत्नी सहित उनके दो बच्चे घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी रोड ग्राम डोंगरिया आरटीओ ऑफिस के पास एक कार मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गई। इस सड़क दुर्घटना में कार की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार एक व्यक्ति उसकी पत्नी और दो बच्चे घायल हो गए। बीती रात यह घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहा था। चारों घायल जिनमें कुलदीप बावीसताले 32 वर्ष ग्राम घोडंगाटोला (समनापुर) बालाघाट उनकी पत्नी शीला 27 वर्ष बेटा आरव 5 वर्ष और बेटी आराध्या 2 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुलदीप खेती किसानी करते हैं।16 अप्रैल की शाम 6:00 बजे कुलदीप अपनी पत्नी शीला, बेटा आरव और बेटी आराध्या को मोटरसाइकिल में लेकर ग्राम मलंगटोला (वारासिवनी) शादी में शामिल होने के लिए गए थे और खाना खाने के बाद कुलदीप अपनी पत्नी और दोनों बच्चों को लेकर मोटरसाइकिल में मलंगटोला से अपने घर घोडंगाटोला लौट रहे थे। रात्रि 11:00 बजे करीब वारासिवनी से बालाघाट की ओर आते समय ग्राम डोंगरिया आरटीओ ऑफिस के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रही एक सफेद रंग की कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस हादसे में कार की कुलदीप उनकी पत्नी शीला और दोनों बच्चे मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए चारों घायल को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

एंबुलेंस में ऑक्सीजन की कमी और लीकेज ने ली 25 वर्षीय सुजल की जान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

परिजनों ने एंबुलेंस पर लगाया लापरवाही का गंभीर आरोप

स्वास्थ्य सुविधाओं और आपातकालीन सेवाओं की बदहाली ने एक बार फिर एक हंसते खेलते परिवार का चिराग बुझा दिया। वारासिवनी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपायली निवासी २५ वर्षीय सुजल खरोले की शुक्रवार को उस समय मौत हो गई जब उन्हें बेहतर उपचार के लिए बालाघाट ले जाया जा रहा था। परिजनों का आरोप है कि एंबुलेंस में ऑक्सीजन खत्म होना और दूसरे सिलेंडर का लीकेज होना युवक की मौत का मुख्य कारण बना।

कॉलेज से लौटते ही बिगड़ी तबीयत

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक सुजल २५ वर्ष पिता बलदेव खरोले सरदार पटेल कॉलेज का छात्र था। शुक्रवार १७ अप्रैल को वह हमेशा की तरह कॉलेज गया था। दोपहर करीब ३ बजे घर लौटने के बाद उसे अचानक तेज बुखार आया और स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ने लगा। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला मुख्यालय बालाघाट रिफर कर दिया।

प्राइवेट एंबुलेंस की बदहाली बनी काल

परिजनों ने बताया कि उस समय सरकारी संजीवनी १०८ एंबुलेंस उपलब्ध नहीं थी। युवक को सांस लेने में भारी तकलीफ हो रही थी जिसके कारण परिजनों ने आनन फानन में रामपायली के ही एक निजी डॉक्टर राय की प्राइवेट एंबुलेंस क्रमांक एमपी ५० डीए ०१९२ बुक की। आरोप है कि एंबुलेंस में रखे एक सिलेंडर में ऑक्सीजन पहले ही खत्म हो चुकी थी। जब दूसरा सिलेंडर लगाने की कोशिश की गई तो वह लीकेज निकला।

रास्ते में ही थम गई सुजल की सांसें

परिजनों का आरोप है कि ऑक्सीजन की समुचित व्यवस्था नही होने के कारण सुजल की स्थिति रास्ते में और खराब हो गई। वारासिवनी के समीप पहुंचते पहुंचते युवक ने दम तोड़ दिया। एंबुलेंस चालक युवक को लेकर सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचा जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल परिसर में चीख.पुकार मच गई और परिजनों का रो.रोकर बुरा हाल है।

२५ मिनट तक बंद रही ऑक्सीजन बिलखती मां का बयान

मृतक की मां कौतिका खरोले ने रोते हुए अपनी आपबीती सुनाई उन्होंने बताया मेरा बेटा सुबह ९ बजे कॉलेज गया था और २ बजे घर लौटा। घर आते ही उसे तेज बुखार आया। हमने सोचा सामान्य बुखार है और उसे पेरासिटामोल दी लेकिन तबीयत और बिगड़ गई। डॉक्टर के पास ले जाने पर एंबुलेंस में ऑक्सीजन की सप्लाई करीब २५ मिनट तक बंद रही रास्ते में दोबारा ऑक्सीजन बंद हो गई। अगर समय पर सही सिलेंडर मिल जाता तो मेरा बेटा आज जिंदा होता।

व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

इस हृदयविदारक घटना ने क्षेत्र की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल दी है। एक तरफ सरकारी एंबुलेंस की अनुपलब्धता और दूसरी तरफ निजी एंबुलेंस संचालकों की भारी लापरवाही ने एक होनहार छात्र की जान ले ली। ग्रामीणों और परिजनों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी एंबुलेंस संचालक के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

डेकोरेशन की सामग्री लेकर जा रहा तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराया, चालक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी सालेटेकरी मार्ग पर वार्ड क्रमांक 1 बकरामुण्डी में एक भीषण सडक हादसा 17 अप्रैल को सुबह 5 बजे सामने आया है जहां एक ट्रक पेड़ से टकरा गया जिसमें चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के चिडचाढबांध निवासी विजय कुमार मर्सकोले उम्र 25 वर्ष जो अपने मोटाडोर ट्रक में क्षेत्र के ग्राम नंदोरा में शादी विवाह निमित्त डेकोरेशन की सामग्री लेकर आया हुआ था। शादी समारोह होने के पश्चात सुबह अपने क्षेत्र डेकोरेशन का सामान लेकर वापस जा रहा था जैसे ही बकरामुण्डी के पास पंहुचा तो अज्ञात कारणो के चलते वाहन अनियंत्रित होकर रोड़ किनारे पेड़ से जा टकराया, वाहन की गति अधिक होने के चलते मेटाडोर वाहन पेड़ मे जा फंसा जिसमे चालक विजय मर्सकोले भी बुरी तरह से स्टेरिंग में फंस गया, सुबह 5 बजे हुये इस हादसे के वक्त वहां से गुजर रहे स्थानीय लोगो के द्वारा हादसा देखते ही रूक कर वाहन चालक की मदद करते हुये सर्वप्रथम एंबुलेंस एवं डायल 112 को सूचित किया गया, इसी बीच लांजी पुलिस भी घटना स्थल पर पंहुच गई जिन्होने ग्रामीणो की सहायता से चालक को बहार निकालने की कोशिश की लेकिन चालक बुरी तरह से फंस हुआ था, मौका स्थल पर दो जेसीबी वाहन को बुलाया गया जिनकी मदद लेकर पहले चालक विजय को बहार निकालकर तुरंत सिविल अस्पताल लांजी पंहुचाया गया जहां डाक्टर्स ने प्राथमिक उपचार कर चालक को गोंदिया रिफर किया गया बताया गया कि इस दुर्घटना में चालक का पैर टूट गया है तथा सर में भी गंभीर चोटे आई है।

वाहन पेड़ से नही टकराता तो होता बडा हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि ट्रक पेड़ से नहीं टकराता तो वह सीधे पुलिया से नीचे गिर सकता था, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। पेड़ ने ट्रक को रोककर चालक सहित अन्य लोगों की जान बचा ली। लेकिन टक्कर जबदस्त होने के चलते वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। घटना को लेकर बताया जा रहा है रात भर जागरण होने के चलते चालक को नींद का झोंका आया होगा और इसी बीच यह हादसा घटित हो गया। पुलिस को इस घटना में चालक का रेस्क्यू करने मे करीब 1 घंटे का समय लगा जिन्हाने जेसीबी मशीन की सहायता से चालक को बहार निकालकर तत्काल अस्पताल ले जाकर उपचार करवाया गया। लांजी पुलिस ने मामला संज्ञान में लेकर जांच प्रारंभ की है।

3 थाना प्रभारी लाइन अटैच, प्रशासनिक फेरबदल के संकेत

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने अनौपचारिक चर्चा में दी जानकारी, कारण अब तक स्पष्ट नहीं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में पुलिस विभाग के भीतर फेरबदल के संकेत मिल रहे हैं। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा कुछ थानों के थाना प्रभारियों को पुलिस लाइन अटैच किए जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि इस कार्रवाई के पीछे का स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आया है। 17 अप्रैल को स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने अनौपचारिक चर्चा में संकेत दिए कि प्रशासनिक दृष्टि से कुछ थाना प्रभारियों को इधर से उधर किया गया है। उन्होंने इसे विभागीय व्यवस्था को बेहतर बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा बताया, लेकिन किन कारणों से यह कार्रवाई की गई है, इस पर उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा। सूत्रों के अनुसार कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धूमकेती के साथ कोतवाली थाने के कुछ अन्य पुलिसकर्मियों को भी पुलिस लाइन अटैच किया गया है। वहीं ग्रामीण थाना प्रभारी अमित अग्रवाल के साथ वहां के कुछ स्टाफ को भी लाइन भेजे जाने की जानकारी मिल रही है। इसके अलावा रामपायली थाने के थाना प्रभारी को भी लाइन अटैच किए जाने की चर्चा है। हालांकि इस पूरे मामले में अब तक कोई आधिकारिक आदेश और विस्तृत कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा केवल इतना ही कहा गया है कि यह कार्रवाई प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से की जा रही है। फिलहाल इस घटनाक्रम को लेकर पुलिस विभाग में हलचल बनी हुई है और सभी की नजरें संभावित आगामी आदेशों पर टिकी हुई हैं।

अज्ञात वाहन की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना अंतर्गत मोहगांव रोड पर स्थित ग्राम पोनी में अज्ञात वाहन की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक दीपक पिता केसरसिंह मेरावी 21 वर्ष ग्राम बदनिया थाना बिरसा निवासी है। बीती रात यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई, जब यह युवक मोटरसाइकिल में ग्राम तरेगांव शादी में जाने निकला था। मलाजखंड पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बदनिया निवासी केसर सिंह अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिनके परिवार में दो लड़के हैं। बड़ा लड़का इन दिनों पढ़ाई कर रहा है। दीपक ने पढ़ाई छोड़ दी थी। 15 अप्रैल की रात्रि 8:00 बजे दीपक ने घर में खाना खाया और वह खाना खाने के बाद मोटरसाइकिल में ग्राम तरेगांव शादी में जाने घर से निकला था। इसी दौरान रात्रि 11:00 बजे करीब मलाजखंड से मोहगांव रोड पर स्थित ग्राम पोनी पेट्रोल पंप के पास कोई अज्ञात वाहन मोटरसाइकिल का ठोस मारकर फरार हो गया। इस दुर्घटना में दीपक गंभीर रूप से घायल और बेहोश होगा हो गया था। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई थी। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल दीपक को बिरसा के अस्पताल ले गए। किंतु डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर मृत घोषित कर दिए। दीपक की घटना स्थल से बिरसा अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। दीपक के पास मिले मोबाइल से डायल 112 के कर्मचारियों ने उसके परिवार वाले को सूचित किये खबर मिलते ही पिता केसर सिंह मरावी अपनी पत्नी बसंती मरावी के साथ बिरसा अस्पताल पहुंचे। जहां उनके बेटे दीपक की लाश पड़ी हुई थी। इस युवक को किस अज्ञात वाहन ने ठोस मारा अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मलाजखंड पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और इस मामले में मर्ग जांच उपरांत अज्ञात वाहन के चालक के विरुद्ध धारा 106(1) भारतीय न्याय संहिता और 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट